

आरएसएस पर राहुल
गांधी का हमला

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली में 'हरा भरा स्वराज: राजीव गांधी के विजन को श्रद्धांजलि' कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि क्या कोई समूह यह तय कर सकता है कि देश के हर व्यक्ति की सच्चाई वही जानता है। राहुल गांधी ने कहा कि केवल 1.5 अरब लोग ही अपनी सच्चाई जान सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह यह मान लें कि वह किसी दूसरे व्यक्ति की सच्चाई जानते हैं तो यह गलत होगा, क्योंकि उन्होंने उस व्यक्ति के अनुभवों और परिस्थितियों को नहीं देखा है।

खबर संक्षेप

बीसीआई चेयरमैन के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर वकीलों का प्रदर्शन शुरू हो गया है। ऑल इंडिया यंग एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से किए जा रहे इस प्रदर्शन को कांकोरोच जनता पार्टी का भी समर्थन मिला है। प्रदर्शन के दौरान मनन मिश्रा पर वकीलों और कानून के छात्रों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के प्रमुख मुद्दों में वकीलों का कल्याण, अधिवक्ता अधिनियम, स्टारपेड, चैंबर और वकीलों की सुरक्षा शामिल है।

राम मंदिर निर्माण में नृपेंद्र मिश्रा के ही फैसले: राय

अयोध्या। राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने 9 पन्नों का एक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि नृपेंद्र मिश्रा ने राम मंदिर निर्माण से जुड़े कई अहम फैसले लिए और किसी अन्य के फैसले को महत्व नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर निर्माण के लिए जो ट्रस्ट बनाया उसमें 15 इस्ती रखे गए। इसके अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा बनाए गए। उन्हीं के सुझावों के आधार पर लार्सन एण्ड टूब्रो को मंदिर निर्माण के लिए चुना गया। भवनों के निर्माण के लिए नोएडा की फर्म डिजाईन एसोसिएट को नृपेंद्र मिश्रा ने ही चुना।

कार के कुए में गिरने से 4 लोगों की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के सिद्दिपेट जिले में बुधवार देर शाम एक कार सड़क किनारे स्थित कुए में गिर गई। हादसे में कार सवार दंपति और उनके दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा बुधवार देर शाम दुब्याक मंडल के अप्पनापल्ली के बाहरी इलाके में हुआ। चालक के कार से नियंत्रण खो देने के बाद वाहन करीब 22 फुट गहरे कुए में जा गिरा। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक बलवंतपुर गांव के रहने वाले थे और सिद्दिपेट में एक रिस्तेदार के घर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे।

मसूरी में उपराष्ट्रपति ने दिया जनसेवा का मंत्र

एजेसी ►► देहरादून

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशसन अ का द मी (एलबीएसएनएफ) में 2024 बैच के प्रशिक्षु आईएसएस अधिकारियों के दूसरे चरण के प्रशिक्षण के समापन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने सिविल सेवकों से जनसेवा में ईमानदारी, नैतिकता और कर्तव्य-बोध को प्राथमिकता देने तथा तकनीक के इस्तेमाल से प्रशसन को अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया।

एक समूह कैसे जान सकता है 1.5 अरब लोगों की सच्चाई, यह गलत

राहुल गांधी ने कहा कि देश में हर व्यक्ति को यह महसूस होना चाहिए कि वह भारत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि धर्म, समुदाय, उम्र या महिला-पुरुष के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए

हर कारोबार का मालिक एक ही व्यक्ति तो स्वराज संभव नहीं राजनीतिक व्यवस्था की पहुंच गांवों और पंचायतों तक हो

सोनिया की किताब पर भावुक हुए राहुल बोले- आपको और पापा को 35 साल पहले साथ देखा था

सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' नवंबर में प्रकाशित होने जा रही है। इस मौके पर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी मां के लिए लिखे संदेश में कहा कि मां, मैंने आपको और पापा को आखिरी बार 35 साल से भी अधिक समय पहले साथ देखा था। जिस दिन से पापा हमें छोड़कर गए, उस दिन से मैंने आपको जिंदगी की ओर से सामने आई हर चुनौती का सामना अटूट साहस और गरिमा के साथ करते देखा है। सिर्फ प्रियका और मैं ही वास्तव में जानते हैं कि आप किन परिस्थितियों से गुजरी हैं और पापा के बाद आपकी जिंदगी कितनी कठिन रही।

10 नवंबर को प्रकाशित होगी

अमेरिकी प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस की इमप्रिंट अल्फ्रेड ए. नोर्फ ने घोषणा की कि 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर की बाजार में आएगी। हालांकि, पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने भारत में किताब के प्रकाशन की तारीख की अभी पुष्टि नहीं की है। आत्मकथा में सोनिया गांधी के इटली के बचपन, राजीव गांधी से प्रेम और विवाह, गांधी परिवार में प्रवेश, इंदिरा और संजय गांधी की मौत, राजनीति में आने के कारणों और 2004 में प्रधानमंत्री पद ठुकराने जैसे महत्वपूर्ण प्रसंग शामिल हैं।

पूर्व पीएम राजीव गांधी को पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

पूर्व पीएम राजीव गांधी को पीएम नरेंद्र मोदी ने उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर लिखा कि भारत के पूर्व पीएम राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। पूर्व पीएम की जयंती के मौके पर वीर भूमि पहुंच सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी ने लिखा कि भारतीयों के बीच सद्भावना, हर दिल में करुणा और, हर नागरिक को ब्याप और लोकतंत्र में समान अधिकार, पापा, आपकी ये सीख मेरी शक्ति है और आपकी यादें मेरी हिम्मत।

महंगी शिक्षा पर उठाए सवाल

राहुल गांधी ने कहा कि गांधीजी का विजन कुछ बुनियादी व्यवस्थाओं के बिना पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने महंगी शिक्षा व्यवस्था और असमान परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह विजन ऐसी वित्तीय व्यवस्था के साथ भी संभव नहीं है, जिस पर द्े तीन लोगों का एकाधिकार हो। राहुल गांधी ने राजनीतिक व्यवस्था की पहुंच गांवों और पंचायतों तक होने की जरूरत बताई।

स्वतंत्र रूप से रखें अपनी बात

राहुल ने कहा कि अगर देश के हर कारोबार का मालिक एक ही व्यक्ति हो तो बड़ी आबादी के लिए स्वराज संभव नहीं है। अगर एक व्यक्ति इस देश के हर एक कारोबार का मालिक है तो भारतीय लोगों की बड़ी आबादी के लिए स्वराज की कोई संभावना नहीं है। देश में कुछ लोगों के पास एयरपोर्ट, बंदरगाह और कंपनियां होती चाहिए, जबकि दूसरे लोग ऐसे नौकरशाह होने चाहिए जो अपनी बात स्वतंत्र रूप से रख सकें और किसी कारोबारी के प्रभाव में आकर काम न करें।

हर व्यक्ति भारत का हिस्सा

राहुल गांधी ने कहा कि देश में हर व्यक्ति को यह महसूस होना चाहिए कि वह भारत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि धर्म, समुदाय, उम्र या महिला-पुरुष के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। उनके मुताबिक हर एक व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी धर्म, समुदाय, उम्र या लिंग का हो, यह महसूस होना चाहिए कि मैं यहां का हूँ।

वंदे मातरम विवाद पर भाजपा और कांग्रेस में छिड़ी रार

शाह बोले- तुष्टीकरण की राजनीति कर रही कांग्रेस, पूरा वंदे मातरम न गाना देशविरोधी

अमित शाह ने कहा कि देश ने एक बार वंदे मातरम को दो हिस्सों में बांटने की गलती की थी और हमें इसके नतीजे भुगतने पड़े हैं। अब देश को कांग्रेस पार्टी के इस फैसले के खिलाफ एकजुट होना चाहिए और कहना चाहिए कि उसकी तुष्टीकरण की राजनीति अब और नहीं चलेगी

कांग्रेस ने लाखों लोगों का अपमान किया भाजपा इस फैसले की निंदा करती है

एजेसी ►► चेन्नैनई (तमिलनाडु)

वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस कार्य समिति के प्रस्ताव पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 1937 में मुसलमानों को खुश करने के लिए वंदे मातरम को बांटकर कांग्रेस ने देश के बंटवारे की नींव रखी थी। आज नरेंद्र मोदी सरकार ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए कांग्रेस की इस गलती को सुधार दिया है और इसे कानूनी आधार भी दिया है। कांग्रेस का यह फैसला उसकी तुष्टीकरण की नीति को साफ दिखाता है। कांग्रेस ने न केवल बंकिम (चंद्र चटर्जी) बाबू की इस रचना का अपमान किया है, बल्कि उन लाखों लोगों का भी अपमान किया है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। आज कांग्रेस पार्टी अपने 1937 के प्रस्ताव को लागू कर रही है।

कांग्रेस विदेशी सोच से चलती: वीएचपी

विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने इस मुद्दे पर आरोप लगाया कि कांग्रेस विदेशी सोच से चलती है और तुष्टिकरण के बिना टिक नहीं सकती। वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बाकी चार छंद न गाने का फैसला इसलिए किया है, क्योंकि उनमें ऐसे शब्द हैं, जो भारतीय मूल्यों, प्राचीन संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रीय भावना से गहराई से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की संस्कृतिक सोच भारत की संस्कृतिक और संघर्षात्मक पहचान से मेल नहीं खाती है वह 'विदेशी सोच' से प्रेरणा लेती है और भारतीय परंपराओं से जुड़े शब्दों को स्वीकार नहीं कर सकती।

कांग्रेस नई मुस्लिम लीग बन गई: नवीन वंदे मातरम विवाद पर भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी ने कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय गीत का अपमान किया है। कांग्रेस अब नई मुस्लिम लीग बन गई है।

यह उनका राजनीतिक मुद्दा: वेणुगोपाल शाह के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया। पार्टी के सांसद केंसरी वेणुगोपाल ने कहा- वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा था। यह हमारे लिए भावनात्मक मुद्दा है।

सरकार मुसलमान विरोधी: अय्यर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि मुसलमानों के प्रति नफरत की वजह से 'वंदे मातरम' के पूरे पाठ को अनिवार्य किया गया है। मुझे बहुत खुशी है कांग्रेस ने मजबूती से फैसला किया।

लिव-इन रिलेशनशिप पर हाईकोर्ट का फैसला

सहमति से वयस्कों का रिश्ता शादी के समान, कोई नहीं दे सकता दखल

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे वयस्कों का रिश्ता शादी के समान है। माता-पिता, रिस्तेदार या दोस्त उनकी पसंद में दखल नहीं दे सकते और न ही उनकी जान या स्वतंत्रता को खतरा पहुंच सकते हैं। अदालत ने परिवार की ओर से धमकियों का सामना कर रहे एक लिव-इन कपल को पुलिस सुरक्षा भी प्रदान की। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने 13 अगस्त को दंपती की याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता दंपती की उम्र 30 वर्ष से अधिक है। उन्होंने अदालत को बताया कि लड़की के पिता और भाई इस रिस्ते से खुश नहीं थे और वे लगातार दोनों की हिंसा की धमकी दे रहे थे।

बदमाशों ने 14 फायर किए

कोर्ट से बरी होकर निकले गैंगस्टर विनोद पानू को गोलियों से भूना

एजेसी ►► हिसार

हरियाणा के हिसार कोर्ट में गुरुवार को पेशी पर आए गैंगस्टर विनोद पानू उर्फ काणा को दिनदहाड़े गोलियों से भून दिया गया। उसके दो साथियों को भी गोलियां मारी गईं। बाइक सवार दो बदमाशों ने ये वादात की, जिनमें एक को गैंगस्टर के साथियों ने पीछा कर दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक, विनोद पानू और उसके 12 साथी आज ही पांच साल पहले हुई हत्या के मामले में बरी हुए थे। कोर्ट का फैसला आने के बाद सभी बाहर निकले थे कि तभी एक को पकड़ते हुए दिखाई दे रहे है।

सीबीएसई की तीन भाषा नीति में सुप्रीम कोर्ट की सलाह

एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सीबीएसई की तीन-भाषा नीति को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने नीति में इस्तेमाल किए गए 'नेटिव' यानी मूल भाषा शब्द पर सवाल उठाया। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने 'नेटिव' शब्द के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह ओपनिवैशिक दौर से आया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे इस सवाल पर भी विचार करना होगा कि भारत में अंग्रेजी को स्वदेशी या गैर-स्वदेशी भाषा माना जा सकता है या नहीं।

‘नेटिव’ की जगह ‘इंडिजिनस’ का हो इस्तेमाल, यह एक स्वदेशी शब्द

देखना होगा यह संविधान के अनुरूप है या नहीं

जस्टिस बागची ने कहा कि उन्हें 'नेटिव' शब्द के इस्तेमाल को लेकर आपत्ति है और इसकी जगह 'इंडिजिनस' यानी स्वदेशी शब्द का इस्तेमाल होना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तैयार करने वालों को 'नेटिव' शब्द के इस्तेमाल को लेकर सावधान होना चाहिए था। अदालत ने कहा कि इस मामले में कार्रवाई कानून के तहत नामित अधिकारियों को ही करनी होगी। इस कानून से जुड़े मामलों तकनीकी होते हैं।

अवैध लिंग जांच में पुलिस नहीं दर्ज कर सकती एफआईआर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रविधियां) अधिनियम (पीसीपीएनडीटी) कानून के तहत दर्ज अपराधों की जांच पुलिस नहीं कर सकती। ऐसे मामलों में कार्रवाई कानून के तहत नामित अधिकारियों को ही करनी होगी। इस कानून से जुड़े मामलों तकनीकी होते हैं।

सिविल सेवक ईमानदारी, नैतिकता और कर्तव्य बोध को दें प्राथमिकता

» विकसित भारत 2047 के लक्ष्य पर जोर

'विकसित भारत 2047' की यात्रा का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने प्रशिक्षु अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि विकास समाज के आखिरी छोर तक पहुंचे और इसमें सभी वर्गों की भागीदारी हो। उन्होंने अधिकारियों से 'सेवा-भाव और कर्तव्य-बोध' की अपने कार्य का मूल मंत्र बनाने का आग्रह किया। उन्होंने एकजुट टीम बनाने, सहयोगियों का हौसला बढ़ाने और पूर्व अधिकारियों की ओर से शुरू किए गए अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाने की अहमियत पर जोर दिया।

चरित्र जनसेवा की नींव

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सिविल सेवाओं ने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सिविल सेवक नीति निर्माण और उसके जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि चरित्र और ईमानदारी जनसेवा की नींव हैं।

दो रिट याचिकाएं दायर की गई थीं

एजेसी ►► रांची

झारखंड में जारी परीक्षा विवाद के बीच हाईकोर्ट ने 11वीं-13वीं जेपीएससी परीक्षा और नियुक्तियां रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। झारखंड सरकार की ओर से 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा रद्द किए जाने के फैसले के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में बीते दिन बुधवार को दो अलग-अलग रिट याचिकाएं दायर की गईं थीं। वहीं, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी परीक्षा रद्द किए जाने के खिलाफ भी हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दाखिल की गई थी।

जेपीएससी विवाद में झारखंड हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

11वीं-13वीं परीक्षा और नियुक्तियां रद्द करने के सरकार के आदेश पर लगाई रोक

नौकरी नहीं दे सकते तो फांसी दे दो

झारखंड में सीजीएल परीक्षा रद्द किए जाने के बाद चयनित अभ्यर्थियों का आंदोलन तीसरे दिन गुरुवार को भी जारी रहा। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी रांची के प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रालय के मुख्य गेट के पास धरने पर बैठे हैं। अभ्यर्थियों ने सरकार से नियुक्तियां रद्द करने के फैसले को वापस लेने की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान कुछ अभ्यर्थियों ने गले में फंदा डालकर विरोध जताया और कहा कि सरकार नौकरी नहीं दे सकती तो उन्हें फांसी दे दे।

15 सितंबर को होगी सुनवाई

इस दौरान जेएसएस अधिकारी सूर्य प्रकाश कुजूर ने कहा कि हमें सरकार की ओर से देर रात करीब 12:30 या 1 बजे नोटिस मिला था। जब हमें 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा रद्द किए जाने की जानकारी मिली तो हम पूरी तरह टूट गए थे। हमने कभी नहीं सोचा था कि हमारे साथ ऐसा कुछ हो सकता है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से अगली सुनवाई की तारीख 15 सितंबर तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा।

झारखंड भाजपा नेताओं ने की गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात

झारखंड में छात्र आंदोलन, सफल अभ्यर्थियों के धरना-प्रदर्शन, शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर प्रदेश भाजपा ने अब केंद्र के स्तर पर मुद्दा उठाया है। भाजपा के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर रांची की मौजूदा राजनीतिक और प्रशासनिक स्थिति की जानकारी दी। इस दौरान नेताओं ने जेपीएससी-जेएसएससी की जांच पुलिस नहीं कर सकती। ऐसे मामलों में कार्रवाई कानून के तहत नामित अधिकारियों को ही करनी होगी। इस कानून से जुड़े मामलों तकनीकी होते हैं।

जिनपिंग भारत आते हैं तो यह करीब 7 साल बाद उनकी भारत यात्रा होगी

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत में 12-13 सितंबर को 18वां ब्रिक्स सम्मेलन होने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मेलन में शामिल होने की पुष्टि है। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी भारत आने की तैयारियां चल रही हैं। अगर जिनपिंग भारत आते हैं तो यह करीब 7 साल बाद उनकी भारत यात्रा होगी। इससे पहले वे अक्टूबर 2019 में भारत आए थे। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, चीन की ओर से जिनपिंग के दौरे की अभी औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, दोनों देशों की एडवांस टीमों के दौरे और अन्य

स्वर्भ संक्षेप

रिंग में उतरा रोबोट
ईसान पर बरसाए मुक्के
बीजिंग। चीन के बीजिंग शहर में बुधवार से 2026 वर्ल्ड रोबोट कॉन्फ्रेंस की शुरुआत हो चुकी है और इसके साथ ही दर्शकों को तरह-तरह के रोबोट्स दिख रहे हैं। इस इवेंट में डॉस करने वाले रोबोट्स से लेकर बॉक्सिंग करने वाले रोबोट्स लोगों को खूब मनोरंजन कर रहे हैं। पांच दिनों तक चलने वाले इस रोबोट कॉन्फ्रेंस में 3,000 से ज्यादा प्रोडक्ट्स के पेश होने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि, यह इवेंट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जा रहा है।

जापान की परमाणु क्षमता से चीन चिंतित

बीजिंग। चीन ने जापान की परमाणु क्षमता को लेकर चिंता जताई है। रूस में चीन के राजदूत झांग हांगुई ने दावा किया कि जापान के पास करीब 44.4 टन अलग किया हुआ प्लूटोनियम है। उनके मुताबिक, इतनी मात्रा से सैद्धांतिक तौर पर करीब 5,500 परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं। झांग ने में कहा कि जापान के पास इस्तेमाल किए गए परमाणु ईंधन को प्रोसेस करके उसमें से प्लूटोनियम निकालने की तकनीक भी है।

सीमा सुरक्षा पर रिजिजू का कांग्रेस पर पलटवार

►► **संवेदनशील मुद्दों पर झूठे दावे न करने की चेतावनी दी**
एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश में चीनी घुसपैठ के हालिया दावों को सिरों से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि भारत की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र, जो कभी उपेक्षा का शिकार थे, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सर्वोच्च प्राथमिकता बन चुके हैं।

अरुणाचल पश्चिम से सांसद किरन रिजिजू ने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का जायजा लेने के लिए माजा, गालेमो और ताकसिंग

तैयारियों से उनके भारत आने की संभावना जताई जा रही है। जिनपिंग के भारत दौरे की तैयारियों में एलएसी पर शांति और सीमा विवाद सबसे अहम मुद्दों में हैं। दोनों देश सीमा पर ऐसी व्यवस्था बनाने पर बात कर रहे हैं, जिससे किसी सैन्य घटना या तनाव का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर न पड़े। जिनपिंग की संभावित यात्रा से पहले एनएसए अजीत डोभाल सीमा मुद्दे पर 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए बीजिंग जा सकते हैं। वहां उनकी चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात हो सकती है। बातचीत में सीमा प्रबंधन, तनाव कम करने और स्थायी शांति के उपायों पर

फोकस रहेगा। भारत और चीन के बीच सिर्फ सीमा विवाद ही नहीं, बल्कि व्यापार और आर्थिक रिश्ते भी बातचीत का हिस्सा हैं। भारत चीन के साथ अपने बड़े व्यापार घाटे को कम करना चाहता है। इसके अलावा रेंयर अर्थ मैनेजेंट और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई को लेकर भी भारत अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। दोनों देशों के बीच सीमा व्यापार और वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने पर भी चर्चा चल रही है। 1 अगस्त से उत्तराखंड के लिपुलेख और सिक्किम के शिपकी ला दर्रा से सीमा व्यापार शुरू हो चुका है।

जिनपिंग के दौरे की औपचारिक पुष्टि अभी नहीं हुई



एआई इमेज

चीनी राष्ट्रपति के दौरे से पहले एनएसए डोभाल जा सकते हैं बीजिंग

व्यापार और जरूरी सामान की सप्लाई पर भी होगी बात

पुतिन के साथ जिनपिंग भी आए तो अहम होगी मुलाकात
ब्रिक्स सम्मेलन में पुतिन और जिनपिंग दोनों के आने से भारत के लिए यह कूटनीतिक रूप से अहम बैठक बन सकती है। सम्मेलन के दौरान मोदी-जिनपिंग की संभावित मुलाकात में एलएसी पर शांति, सीमा विवाद, व्यापार और दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने जैसे मुद्दे प्रमुख रह सकते हैं।

स्वर्भ संक्षेप

रिंग में उतरा रोबोट
ईसान पर बरसाए मुक्के
बीजिंग। चीन के बीजिंग शहर में बुधवार से 2026 वर्ल्ड रोबोट कॉन्फ्रेंस की शुरुआत हो चुकी है और इसके साथ ही दर्शकों को तरह-तरह के रोबोट्स दिख रहे हैं। इस इवेंट में डॉस करने वाले रोबोट्स से लेकर बॉक्सिंग करने वाले रोबोट्स लोगों को खूब मनोरंजन कर रहे हैं। पांच दिनों तक चलने वाले इस रोबोट कॉन्फ्रेंस में 3,000 से ज्यादा प्रोडक्ट्स के पेश होने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि, यह इवेंट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जा रहा है।

जापान की परमाणु क्षमता से चीन चिंतित

बीजिंग। चीन ने जापान की परमाणु क्षमता को लेकर चिंता जताई है। रूस में चीन के राजदूत झांग हांगुई ने दावा किया कि जापान के पास करीब 44.4 टन अलग किया हुआ प्लूटोनियम है। उनके मुताबिक, इतनी मात्रा से सैद्धांतिक तौर पर करीब 5,500 परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं। झांग ने में कहा कि जापान के पास इस्तेमाल किए गए परमाणु ईंधन को प्रोसेस करके उसमें से प्लूटोनियम निकालने की तकनीक भी है।

सीमा सुरक्षा पर रिजिजू का कांग्रेस पर पलटवार

►► **संवेदनशील मुद्दों पर झूठे दावे न करने की चेतावनी दी**
एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश में चीनी घुसपैठ के हालिया दावों को सिरों से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि भारत की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र, जो कभी उपेक्षा का शिकार थे, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सर्वोच्च प्राथमिकता बन चुके हैं।

अरुणाचल पश्चिम से सांसद किरन रिजिजू ने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का जायजा लेने के लिए माजा, गालेमो और ताकसिंग

भारत-जापान रक्षा सहयोग पर हुई द्विपक्षीय बैठक में लिया गया निर्णय

भारत और जापान के बीच हुई डिफेंस डील पाक को झटका, यूएस-चीन देखते रह गए!

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करने का फैसला किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 20 अगस्त को नई दिल्ली में इसके लिए एक द्विपक्षीय बैठक की। इस मीटिंग में दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग पर व्यवस्था संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में आगे के सहयोग के लिए ढांचा उपलब्ध कराएगा। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। इस समझौते के तहत जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स और भारतीय नौसेना के बीच सहयोग मजबूत होगा, जिसमें समुद्री क्षेत्र की जानकारी साझा करना शामिल है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने संयुक्त बयान में कहा कि भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी हिंद-प्रशांत में शांति, स्थिरता और समृद्धि के प्रमुख आधार हैं। दोनों मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा, नौसेना सहयोग, रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी, सैन्य अभ्यास और रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने जुलाई 2026 में दोनों देशों के नेताओं की ओर से जारी संयुक्त बयान को याद किया। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने फ्री और खुले हिंद-प्रशांत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए रक्षा सहयोग और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर एक-दूसरे के आकलन साझा करने को महत्वपूर्ण बताया।

रक्षा उपकरण और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर दिया जोर

दिल्ली में भारत और जापान के बीच अहम डिफेंस डील पर लगी मुहर

दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने किए डील पर हस्ताक्षर



ये हैं समझौते की खास बातें

- दोनों पक्ष समुद्री संचार मार्गों की सुरक्षा के लिए नौसैनिक जहाजों और सैन्य इकाइयों की पारस्परिक यात्राएं बढ़ाएंगे
- संयुक्त अभ्यास, सैन्यकर्मियों और विशेषज्ञों का आदान-प्रदान भी होगा
- बंदरगाहों, रखरखाव और मरम्मत सुविधाओं के इस्तेमाल के लिए भी सहयोग बढ़ाया जाएगा
- नौसैनिक जहाज निर्माण में सहयोग की संभावना को भी बढ़ाया जाएगा
- दोनों मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है
- समुद्री बास्केट सुरंगों से निपटने की क्षमता बढ़ाने में एक-दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ उठाने की बात कही

समुद्री, नेवी सिक्योरिटी और डिफेंस पर फोकस

दोनों पक्षों ने नौसैनिक जहाजों के संयुक्त विकास और डिजाइन की संभावनाएं तलाशने पर भी सहमति जताई है। इसमें जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की उत्पादन क्षमता का इस्तेमाल किया जाएगा। भारत व जापान ने रक्षा जहाज निर्माण से जुड़े क्षेत्रों में एक-दूसरे की क्षमताओं का लाभ उठाने पर जोर दिया। 'मेक इन इंडिया' के तहत भारत की उत्पादन क्षमता के इस्तेमाल पर भी चर्चा आगे बढ़ाई जाएगी। दोनों पक्ष निकट भविष्य में जहाज मरम्मत सुविधाओं के इस्तेमाल के लिए व्यवस्था को अंतिम रूप देने पर भी सहमत हुए हैं।

● **‘धर्म गार्जियन’ और ‘जेमेक्स’ जैसे युद्धाभ्यास का विस्तार**
दोनों मंत्रियों ने भारत-जापान के बीच लगातार बढ़ रहे सैन्य अभ्यासों का स्वागत किया। इसके तहत ‘धर्म गार्जियन’ और ‘जेमेक्स’ जैसे युद्धाभ्यासों का विस्तार किया जाएगा। इस साल होने वाले भारत-जापान वायुसेना अभ्यास ‘वीर गार्जियन 26’ की तैयारियों में हुई प्रगति का भी दोनों ने स्वागत किया है। इस अभ्यास में पहली बार जापान की वायु आक्रमण सेना के लड़ाकू विमान भारत आएंगे और अभ्यास में हिस्सा लेंगे।

कहा-उपेक्षा का दौर खत्म, अब सीमाएं ही सर्वोच्च प्राथमिकता



जैसे दुर्गम इलाकों का दौरा किया। उन्होंने संवेदनशील मुद्दों पर झूठे दावे न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार स्थानीय निवासियों की हर चिंता का समाधान करेगी और भारतीय भूभाग की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रिजिजू ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पूर्व रक्षा मंत्री ए. के. एंटनी के 2013 के संसदीय बयान का हवाला दिया। एंटनी ने संसद में स्वीकार किया था कि आजादी के बाद दशकों तक

भारत की नीति सीमावर्ती इलाकों में विकास न करने की रही, ताकि दुश्मन आगे न बढ़ सके। इसी गलत नीति के कारण चीन बुनियादी ढांचे के मामले में भारत से काफी आगे निकल गया। हालांकि एंटनी ने यह भी कहा था कि बाद में सरकारों ने अपनी गलती सुधारी और संग्राम कार्यकाल में सीमाई क्षमताओं को मजबूत किया गया। रिजिजू ने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार अंतर देश की गलतियों को दोहराने के बजाय सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, पुल और सैन्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रही है। भारत और चीन के बीच 3,400 किलोमीटर से अधिक लंबी विवादित सीमा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता बनाए रखना द्विपक्षीय संबंधों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश में उपद्रव और आगजनी यूनुस को बताया जिम्मेदार 27 के खिलाफ केस दर्ज

एजेसी ►► ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के पूर्व मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और उनके करीबियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ढाका के ऐतिहासिक धानमंडी 32 स्थित शेख मुजीबुर रहमान में मो रियल म्यूजियम में हुई तोड़फोड़, आगजनी और लूटपाट के मामले में मोहम्मद यूनुस और पूर्व कानून सलाहकार डॉ. आसिफ नजरूल समेत 27 लोगों के खिलाफ ढाका की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में याचिका दायर की गई है। तमना चौधरी प्रियंका द्वारा

दायर इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि यूनुस और अन्य आरोपियों के उकसावे पर 3,000 से 5,000 लोगों की उग्र भीड़ ने लाठियों, हथौड़ों और बुलडोजर से लैस होकर मेमोरियल म्यूजियम पर हमला किया। भीड़ ने पूरी इमारत को ध्वस्त कर मलबे में तब्दील कर दिया और कीमती सामान लूट लिया। इस हिंसा को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइवस्ट्रीमिंग भी की गई। शिकायत में पूर्व अंतरिम सलाहकारों, प्रेस सचिव और एनपीसी नेताओं को भी नामजद किया गया है। आरोप है कि हमले की अग्रिम सूचना होने के बावजूद एजेंसियों ने इसे रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

पाक में चीन-तुर्की के विमानों के उतरने से मची हलचल

एजेसी ►► नई दिल्ली

पाकिस्तान में चीन और तुर्की के भारी सैन्य परिवहन विमानों की रहस्यमयी आवाजाही से दक्षिण एशिया में नई हलचल मच गई है। दोनों देशों के सैन्य जहाजों ने लगातार 60 घंटों तक रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस और कराची के मसरूर एयरबेस पर बार-बार लैंडिंग की। इस असामान्य ऑपरेशन के बाद भारतीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गई हैं। सूत्रों और सुरक्षा रिपोर्टों के मुताबिक, इस गुप्त एयरलिफ्ट का मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान को भारी मात्रा में सैन्य साजो-सामान, उन्नत ड्रोन और आधुनिक एयर-डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी करना हो सकता है। यह गतिविधि तब सामने

कमर-पेड़ में दर्द, खून की कमी, कमजोरी, हथेली-तलवों में जलन, हार्मोन्स असंतुलन, चिड़चिड़ापन आदि में सहायक

“90 वर्षों से No.1 वुमन हेल्थ टॉनिक”

हेमपुष्पा

Helpline: 011-23261111, rajvaidyacare@gmail.com

बांग्लादेश में 35 साल बाद राष्ट्रपति चुनाव मिर्जा फखरुल ने ओली अहमद को हराया, आज लेंगे शपथ?

एजेसी ►► ढाका

बांग्लादेश को नया राष्ट्रपति मिल गया है। सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्नल ओली अहमद को हराया। यह चुनाव कई मायनों में खास रहा। बांग्लादेश में 35 साल बाद राष्ट्रपति पद के लिए सीधा मुकाबला हुआ।

1991 के बाद पहली बार इस पद के लिए दो उम्मीदवार आमने-सामने थे। हाल के वर्षों में राष्ट्रपति का चुनाव ज्यादातर आम सहमति या निर्विरोध हुआ था। मुख्य चुनाव आयुक्त और राष्ट्रपति चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी एएमएम नासिर उद्दीन ने नतीजों का एलान किया। उनके मुताबिक, मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को 255 वोट मिले। वहीं, उनके प्रतिद्वंद्वी ओली अहमद को 88 वोट हासिल हुए। यानी आलमगीर ने 167 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। चुनाव जीतने के बाद मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर शुक्रवार शाम बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह राजधानी ढाका स्थित बांगभवन के दरबार हॉल में होगा।

35 साल बाद चुनाव होने की वजह

यह राष्ट्रपति चुनाव अचानक खाली हुए पद की वजह से करना पड़ा। बांग्लादेश के तत्कालीन राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने पिछले महीने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे दिया था। मोहम्मद शहाबुद्दीन को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का करीबी माना जाता था। उनका पांच साल का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ था। उनके इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति पद खाली हो गया और नए चुनाव की जरूरत पड़ी। बांग्लादेश में पिछले 35 वर्षों में राष्ट्रपति पद का चुनाव आमतौर पर आम सहमति से होता रहा। कई बार उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। यही वजह है कि इस बार दो उम्मीदवारों के बीच हुआ सीधा मुकाबला खास माना जा रहा है।

60 घंटे तक उतरे सैन्य विमान अलर्ट पर हुई भारतीय एजेंसियां



आई है जब पाकिस्तान लंबे समय से चीन से अत्याधुनिक हथियार और रक्षा तकनीक हासिल कर रहा है। इसके अलावा, मई में पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख की तुर्की यात्रा के दौरान अनमैड सिस्टम्स और नई टेक्नोलॉजी को लेकर उच्च स्तरीय सहमति बनी थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कोई सामान्य सैन्य आवाजाही नहीं, लॉजिस्टिक

ट्रांसफर का हिस्सा है। इस ऑपरेशन का समय भी बेहद महत्वपूर्ण है, जो हाल ही में मक्का में रक्षा सहयोग समझौते के बाद देखने को मिला है। हालांकि आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि विमानों से क्या उतारा गया, लेकिन चीनी और तुर्की सैन्य जहाजों की यह लगातार तैनाती त्रिस्तरीय रक्षा गठजोड़ का संकेत है।

5000 करोड़ रुपए का मिला ऑर्डर अब शेखों के शहर में एयरपोर्ट बनाएगी भारत की सबसे बड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनी

एजेंसी:नई दिल्ली। देश की दिग्गज इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी लार्सन एंड टब्रो (एलएंडटी) को दुबई के अल मक्तूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण में ऑटोमेटेड पीपल मूवल (एपीएम) सिस्टम डिजाइन और विकसित करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। यह जानकारी कंपनी की ओर से गुरुवार को दी गई। कंपनी ने बताया कि यह ऑर्डर उसके ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर बिजनेस को मिला है। साथ ही, कहा कि उसने यह ऑर्डर जापान की निरुबिशी हेवी इंस्ट्रुटीज (एमएचआई) के साथ मिलकर एक कंसोर्टियम में हासिल किया है।

www.zalim.in

जालिम लोशन

दाद, खाज, खुजली एवं एक्जिमा के लिए उपयोगी

मेडिकल स्टोर से आज ही खरीदें





लाइफ Style

यश की फिल्म 'टॉक्सिक: ए फैयरी टेल फॉर योन अक्स'में कियारा आडवाणी ने नादिया का किरदार निभाया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर अपने किरदार से जुड़े अनुभव साझा किए हैं।

महात्मा गांधी के किरदार में पहली बार दिखेंगे मनोज

मुंबई। भारतीय सिनेमा जगत में एक बड़े और ऐतिहासिक प्रोजेक्ट की नींव रखी गई है। स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से जुड़े एक बेहद संवेदनशील और कम चर्चित अध्याय को बड़े पर्दे पर उतारने के लिए जाने-माने फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा और सुधीर मिश्रा एक साथ आए हैं। इस महत्वाकांक्षी

फिल्म में तीन बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके अभिनेता मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में होंगे और पहली बार पर्दे पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का आइकॉनिक किरदार निभाएंगे। उनके साथ दिग्गज अभिनेता सौरभ शुक्ला भी एक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

कियारा

‘नादिया’ ने मुश्किल चीजों के साथ सहज होना सिखाया

एजेसी ►► मुंबई

कियारा के लिए फिल्म 'टॉक्सिक' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म है। इस फिल्म में नादिया का किरदार निभाने और उसकी मांग पर कियारा ने काफी कुछ लगा। एक्ट्रेस ने लिखा- फिल्में हमें उस दुनिया में ले जाने का एक खूबसूरत तरीका होती हैं जिनमें हम असलियत में नहीं जा सकते। हर नया किरदार, हर नया सेट, हर चुनौती आपको कुछ ऐसा सिखाती है। आपकी क्षमताओं के बारे में बताती है। इस किरदार ने मुझे अपरिचित और मुश्किल चीजों के साथ भी सहज होना सिखाया। नया किरदार आपको नए कोशल, नए रोमांच और उस जुनून के लिए जो आपको बार-बार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मेरे लिए ग्रोथ का मतलब हमेशा उस काम के लिए हामी भरना है जिसे करने से आपको थोड़ा डर लगे। यह किरदार नई स्किल्स, नए एडवेंचर्स और उस जुनून के नाम, जो आपको बार-बार नई चीजों में डूबने के लिए तैयार रखता है। फिल्म से जुड़े एक इवेंट में अभिनेता यश ने कियारा की खूब तारीफ की थी। उन्होंने कहा, 'मेरा यह सोचना है कि कियारा एक बेहद पेशेवर अभिनेत्री हैं। जब वह इस फिल्म के लिए कास्ट हुई थीं तो मैं काफी चर्चित था, क्योंकि यह फिल्म काफी चुनौतीपूर्ण है पर कियारा ने जिस तरह फिल्म के लिए खुद को समर्पित किया है।



हॉलीवुड मसाला



अचानक ओटीटी पर रिलीज हुई म्यूटिनी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता जेसन स्टेथम की अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म 'म्यूटिनी' अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई। हैरानी की बात यह है कि यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने से दो दिन पहले गलती से रिलीज हो गई। यह फिल्म 21 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बताया जाता है कि इसे हटाने से पहले कम से कम एक घंटे तक प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता था। प्राइम वीडियो की लिस्टिंग में 'म्यूटिनी' को कोल रीड की कहानी बताया गया है, जिसके अरबपति बाँस की उसके सामने हत्या कर दी जाती है।



फिर तूफानी सफर पर निकलेगा जैक स्पैरो

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की मशहूर फिल्म फ्रेंचाइजी 'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन' को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। जॉनी डेप अभिनीत इस फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म पर काम किया जा रहा है। हाल ही में फिल्म के निर्माता जेरी ब्रुकहाइमर ने इसके छठे पार्ट से जुड़ी जानकारी साझा की। हाल ही में एक कार्यक्रम में फिल्म के निर्माता जेरी ब्रुकहाइमर से फिल्म के अगले पार्ट को लेकर सवाल पूछा गया। जेरी ने कहा, 'हम जॉनी डेप से बात कर रहे हैं। इसके साथ ही फिल्म के स्क्रीनप्ले पर भी काम चल रहा है। यह जानकारी देकर ब्रुक ने फैंस को हिट दे दी कि 'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन' के अगले भाग की शूटिंग जल्द ही शुरू हो सकती है। फिल्म से जुड़ी अंदरूनी सूत्रों की मानें तो इस छठे भाग में मार्गोट रॉबी द्वारा अभिनीत मुख्य किरदार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।



सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाली इंसान हूं

मुंबई। द ट्रेटर्स 2 में किसी पर शक होना खेल का हिस्सा है, मगर रिया चक्रवर्ती के लिए 'ट्रेटर' शब्द शायद बाकी खिलाड़ियों जितना हल्का नहीं है। घर में जब उन पर शक बढ़ता है, तो रिया अपनी जिंदगी के उस दौर को याद करती हैं, जब उन्हें लगता था कि दुनिया ने पहले ही उन्हें ट्रेटर मान लिया था। उनकी सफाई में खेल से ज्यादा उनकी अपनी कहानी सामने आ जाती है। घर में अपने ऊपर हो रहे शक के बीच रिया कहती हैं, 'मैं सच में ट्रेटर नहीं हूं। मैं कैसे बताऊं? मेरा जो नैरेटिव है ना लाइफ का, यही रहा कि दुनिया ने मुझे ट्रेटर समझा लेकिन मैं इनोसेंट निकली हूं।' मैं देश की सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाली इंसान हूं, इसका मतलब समझते हो आप?' रिया को लगता है कि अगर उन्होंने खेल में जानबूझकर किसी को धोखा दिया तो लोग इसे सिर्फ खेल की चाल नहीं मानेंगे।



नयनतारा संग पहली बार बड़े पर्दे पर दिखेंगे

मुंबई। सलमान खान लगातार अपनी अनाम फिल्म एसवीसी 63 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ जवान फिल्म की हीरोइन नयनतारा नजर आने वाली हैं। अब फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। सलमान खान और नयनतारा की अगली फिल्म का नाम तय हो गया है। पहले इसे अस्थायी रूप से एसवीसी 63 कहा जा रहा था, लेकिन अब इसका आधिकारिक टाइटल 'मॉन्स्टर' रखा गया है। यह जानकारी फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट में सामने आई है। फिल्म का निर्देशन वंशी पैदीपल्ली कर रहे हैं, जो उनकी पहली हिंदी फिल्म होगी। प्रोडक्शन दिल राजू कर रहे हैं। सलमान खान और दिल राजू की यह पहली जोड़ी है। नयनतारा इसमें लीड एक्ट्रेस हैं। फिल्म पैन-इंडिया स्तर पर बन रही है और ईद 2027 पर रिलीज करने की योजना है।

टीवी मसाला



बिग बॉस 20 में रजत से लेकर मैरी कॉम तक की एंट्री!

नई दिल्ली। टीवी का सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' अपने 20वें सीजन के साथ एक बार फिर वापसी की तैयारी में है। मेकर्स से कंटेस्टेंट से बातचीत का दौर अब अपने अंतिम चरण में है, ऐसे में कई सितारों के नाम सामने आए हैं, कहां जा रहा है कि इनकी बातचीत मेकर्स से चल रही है और जल्द ही इन पर मौहूर लग सकती है। नागिन फेम अभिनेत्री मैनी रॉय को मेकर्स ने बतौर कंटेस्टेंट शो में शामिल होने का बड़ा ऑफर दिया है। खबरों के मुताबिक मेकर्स उन्हें शो का हिस्सा बनाने के लिए काफी बड़ी फीस देने को तैयार हैं। फिलहाल अभिनेत्री और मेकर्स के बीच बातचीत जारी है। छह बार की वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियन और ओलंपिक पदक विजेता मैरी कॉम का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। खेल जगत की इस स्टार मुक्केबाज को शो में लाने के लिए मेकर्स ने उनसे संपर्क किया है। अगर वह हां कहती हैं, तो शो को एक अलग पहचान मिलेगी। बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुके अभिनेता रजत बेदी की भी 'बिग बॉस 20' में शामिल होने की जोरदार खबरें हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह अपनी फीस और कॉन्ट्रैक्ट को लेकर मेकर्स के साथ अंतिम दौर की चर्चा कर रहे हैं। वर्ष 2005 के मशहूर सिमिंग रियलिटी शो 'फेम गुरुकुल' के विजेता काजी तौकीर भी निर्माताओं की पसंद बने हुए हैं।

प्रेग्नेंसी की वजह से इंडियन आइडल से निकाला!

नई दिल्ली। मिनी माथुर हाल में अलायंस शो को लेकर चर्चा में रहीं। आखिर ने अमेजन प्राइम वीडियो के इस शो की विनर रहें। मिनी एक पॉपुलर इंडियन टेलीविजन होस्ट और एक्ट्रेस हैं। इसके अलावा मिनी मशहूर भारतीय फिल्म डायरेक्टर और स्क्रीनराइट्टर कबीर खान की पत्नी हैं। वह कई दशकों से इस इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। हाल में 'हॉटरप्लान्ड' के 'द मेले फेमिनिस्ट' एपिसोड के लिए दिए एक इंटरव्यू में मिनी ने अपने करियर से जुड़ा एक चौकाने वाला किस्सा सुनाया। मिनी ने बताया कि उनके करियर में ऐसे कई मौके आए जब प्रेग्नेंसी की वजह से उनको मिलने वाले मौकों पर अस्पर पड़ा। मिनी ने बताया कि जब उन्होंने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी के बारे में बताया तो उनसे 'इंडियन आइडल' होस्ट का काम छीड़ने के लिए कहा गया, जिसे ने कहा, 'जब मैं सागरा के साथ प्रेग्नेंट थी - यह 'इंडियन आइडल' के चौथे सीजन के बाद की बात है - और जब टीम सीजन 5 शुरू करने वाली थी, तो मैंने उन्हें बताया कि मैं प्रेग्नेंट हूं, मैंने कहा कि ऑडिशन के दौरान तो मैं ठीक रहूंगी, लेकिन फिनले एपिसोड तक मेरा बेबी बंध दिखने लगेगा।

वाइब से सामने आया कलाकारों का लुक एक्शन मोड में दिखीं प्रीति

मुंबई। कुणाल खेमु की आगामी फिल्म 'वाइब' का पोस्टर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। इस फिल्म में कुणाल खेमु समेत प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म 'वाइब' के पोस्टर अनुसार कहानी चार दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। इन किरदारों की सीधी साधी जिंदगी में अचानक से मोड़ आता है। फिल्म मजबूत दोस्ती और एक दूसरे का साथ निमाने के बारे में है। पोस्टर में तीनों दोस्त किसी मुसीबत में फंसे हुए नजर आ रहे हैं। जहां प्रीति जिंटा लेडी बॉस की तरह दिख रही हैं। वहीं, कुणाल खेमु किसी का सामना करते नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही वंशिका धीर शॉक में नजर आ रही हैं और स्पर्श श्रीवास्तव नीचे बैठे हुए हैं। फिल्म वाइब का लेखन और निर्देशन दोनों कुणाल खेमु ने किया है। फिल्म में प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर मुख्य किरदारों में हैं।



वाइब का निर्माण कुणाल खेमु और चिराग निहलानी ने डूंगो फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म वाइब से कुणाल खेमु एक बार फिर निर्देशन में वापसी कर रहे हैं। उनकी आखिरी फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' थी। अभिनेत्री प्रीति जिंटा कई साल बाद किसी कॉमेडी किरदार में दिखाई देवों। हाल ही में प्रीति ने 'बांठवारा 1947' में अनिमय किया था। वंशिका धीर इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। 'लापता लेडीज' फेम स्पर्श श्रीवास्तव का यह बॉलीवुड में दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट है। इससे पहले उन्होंने ए वनन मेरे वनन (2024) और कॉलर बॉक्स (2021) जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

ब्रह्मास्त्र 2 में रणबीर निभाएंगे दोहरी भूमिका, अमृता बनेंगी दीपिका, ईशा के किरदार में लौटेंगी आलिया

नई दिल्ली। साल 2022 में रिलीज हुई 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन – शिवा' के बाद से ही फैंस को इसके अगले चैप्टर का बेसबी से इंतजार है। रणबीर कपूर जहां इन दिनों 'रामायण' की शूटिंग में व्यस्त हैं, वहीं खबर है कि एक्टर और डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने 'ब्रह्मास्त्र 2' पर काम शुरू कर दिया है। जी हां, फिल्म की स्क्रिप्टिंग और प्रोडक्शन पर काम चल रहा है और इस बार कहानी अस्त्रवर्ष की दुनिया को और आगे ले जाने वाली है। बताया जाता है कि अगले साल अप्रैल 2027 से इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, रणबीर जनवरी 2027 तक नितेश तिवारी की

'रामायण पार्ट 2' की शूटिंग पूरी कर सकते हैं। इसके बाद कुछ तैयारी के बाद वह अप्रैल 2027 में 'ब्रह्मास्त्र 2' की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। फिल्म में आलिया भट्ट के ईशा के किरदार में लौटने की उम्मीद



है, जबकि अयान मुखर्जी अमृता के रोल के लिए दीपिका पादुकोण से बातचीत कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, 'ब्रह्मास्त्र 2' में रणबीर कपूर एक बार फिर शिवा के साथ-साथ देव के किरदार में भी नजर आ सकते हैं। पहली फिल्म में देव की कहानी की जो झलक दिखाई गई थी, उसे अब सीतल में

आगे बढ़ाया जाएगा। रणबीर इस डबल रोल को लेकर काफी उत्साहित बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि शिवा और देव के किरदारों के बीच का कनेक्शन फिल्म की कहानी को और दिलचस्प बनाएगा और अस्त्रवर्ष की कहानी को भी आगे बढ़ाएगा। सीतल में सबसे दिलचस्प किरदार दीपिका पादुकोण का होने वाला है। पहली फिल्म के वक्त से ही यह चर्चा रही है कि रणबीर की मां अमृता के रोल में दिक्षी झलक दीपिका पादुकोण की थी। अब खबरों के मुताबिक, अयान मुखर्जी ने 'अमृता' के रोल के लिए एक्ट्रेस से बातचीत शुरू कर दी है। अगर दीपिका फिल्म का हिस्सा बनती हैं, तो रणबीर कपूर के साथ उनकी जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। दोनों इससे पहले 'बचन ए हसीनों', 'ये जवानी है दीवानी' और 'तमाशा' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

बच्चों के साथ देख सकते हैं सुपरहीरो फिल्म

इस वीकएंड ओटीटी पर मिलेगी एक्शन-रोमांस की बढ़िया खुराक

नई दिल्ली। वीकएंड में छुट्टी के दिन ओटीटी पर क्या देखा जाए? अगर आपके मन में यह सवाल है, तो इस बार ढेर सारे विकल्प जाब हैं। बच्चों के साथ सुपरहीरो फिल्म देख सकते हैं। पार्टनर के साथ रोमांटिक मूवी देख सकते हैं। वहीं, पूरी फैमिली के साथ बैटमैन देखने के लिए भी ऑप्शन है। कुल मिलाकर इस बार आपको एंटरटेनमेंट की बढ़िया खुराक मिलने वाली है।

वेलकम टू द जंगल

अक्षय कुमार, जैकलीन, रवीना टंडन, सुनील शेट्टी और अरशद वारसी समेत 30 से अधिक सितारों से सजी यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर दस्तक दे रही है। यह मल्टीस्टारर फिल्म शुक्रवार 21 अगस्त से ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। 'वेलकम टू द जंगल' बॉलीवुड की सुपरहिट 'वेलकम फ्रेंचाइजी' की तीसरी फिल्म है।

प्यार प्रेमा कल्याणम

अगर आपको कोई रोमांटिक फिल्म देखी है तो 'प्यार प्रेमा कल्याणम' इस बार की ओटीटी लिस्ट में शामिल है। इसे 21 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। बता दें कि यह तमिल फिल्म है। यह हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी उपलब्ध होगी।

जन नायकन

इस बार की सबसे चर्चित फिल्म 'जन नायकन' है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री व अभिनेता विजय की यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर भी स्ट्रीमिंग को तैयार है। बता दें कि हिंदी भाषा में यह फिल्म 'जन नेता' के नाम से है। यह फिल्म 21 अगस्त से जी5 पर स्ट्रीम हो रही है। इस फिल्म में बाँबी देओल और पूजा हेगड़े भी अहम भूमिकाओं में हैं।



द ग्रेट गैंड सुपरहीरो

अगर आपको इस वीकएंड बच्चों के साथ बैठकर सिनेमा देखना है तो जैकी श्राफ की फिल्म 'द ग्रेट गैंड सुपरहीरो' एक बढ़िया विकल्प है। सिनेमाघरों के बाद अब यह ओटीटी पर भी उपलब्ध होगी। यह फिल्म दादा और पोते की कहानी पर आधारित है। फिल्म 'द ग्रेट गैंड सुपरहीरो' 21 अगस्त से जी5 पर स्ट्रीम होगी।

आउटर बैक्स 5

यह लोकप्रिय एडवेंचर सीरीज है। 'आउटर बैक्स' का पांचवा और आखिरी सीजन 20 अगस्त 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुका है। यह इस सीरीज का आखिरी सीजन है, जिसमें कुल 10 एपिसोड हैं। सभी एपिसोड एक साथ स्ट्रीम किए गए हैं। इसकी कहानी सीजन 4 के फिनले के ठीक बाद से आगे बढ़ती है।

सील टीम

यह अमेरिकी सीरीज है, जो सस्पेंस से भरी है। यह नेवी टीम की कहानी पर आधारित है, जो एक खतरनाक मिशन पर निकलती है। इसी के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी की उलझनों को भी सुलझाने की जिम्मेदारी इस टीम पर है। यह सीरीज 18 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है।

लैटर्न्स

यह एक अमेरिकी सुपरहीरो सीरीज है। DC कॉमिक्स के गॉल लैटर्न किरदारों, हैल जॉर्डन और जॉन स्टैवर्ट पर आधारित यह सीरीज DC यूनिवर्स की तीसरी टीवी सीरीज है। इसमें अनुभवी लैटर्न जॉर्डन और जब रिक्रूट स्टैवर्ट को दिखाया गया है, जो धरती पर हुए एक मर्डर की जांच करते हैं। यह जान एक बड़े रहस्य की ओर ले जाती है। यह सीरीज 17 अगस्त को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हो चुकी है। अंग्रेजी के अलावा हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में उपलब्ध है।

गौरीघाट में सड़क किनारे दुकानों तक पहुंचा पानी, कई मंदिर जलमग्न

बरगी बांध के 13 गेट खुले

नर्मदा के घाटों पर बदला नजारा

जबलपुर। रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना बरगी बांध में लगातार बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए गुरुवार दोपहर 12 बजे चार और नए गेट खोल दिए गए। 9 गेट पहले से ही खुले थे और अब इन गेटों की ऊंचाई भी बढ़ा दी गई है और पानी की निकासी भी बढ़ गई है। अब बांध के कुल 13 गेट औसतन 2.15 मीटर की ऊंचाई पर खुले हैं। इससे जल निकासी 1031 क्यूसेक से बढ़कर 3988 क्यूसेक हो गई है। बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद नर्मदा के घाटों का नजारा पूरी तरह बदल गया है।बरगी बांध के गेट खुलने के साथ नर्मदा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। गौरीघाट में पानी सड़क किनारे स्थित दुकानों तक पहुंच गया है, जबकि कई छोटे-बड़े मंदिर जलमग्न हो गए हैं। घाट क्षेत्र में पानी का तेज बहाव देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। पुलिस और प्रशासन की टीम लोगों को घाटों से दूर कर रही है तथा तटीय क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है।इसी तरह भेंडाघाट और तिलवारा घाट में भी नर्मदा का जलस्तर बढ़ने से घाटों का स्वरूप बदल गया है। कई हिस्सों में पानी सामान्य सीमा से काफी ऊपर पहुंच गया है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से नदी के किनारे नहीं जाने तथा जलमग्न वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने की अपील की है।गुरुवार सुबह 8 बजे बरगी जलाशय का जलस्तर 421.15 मीटर दर्ज किया गया था, जबकि कैचमेंट क्षेत्र से 1761 क्यूसेक पानी की आवक हो रही थी। पहले बांध के नौ गेट 0.78 मीटर की औसत ऊंचाई पर खुले थे। बढ़ती आवक और जलस्तर को देखते हुए अतिरिक्त गेट खोलने का निर्णय लिया गया।प्रशासन ने नर्मदा के निचले इलाकों और घाटों के आसपास रहने वाले लोगों को दस्तक रहने को कहा है। अचानक बढ़े जलप्रवाह को देखते हुए लोगों से अपील की गई है कि वे घाटों पर सैरपूा लेने, स्नान करने या नदी के करीब जाने का जोखिम न उठाएं।



तिलवारा के पुराने पुल तक पहुंच सकता है पानी

बांध से बढ़ी जल निकासी का असर शाम तक नर्मदा के जलस्तर पर दिखाई देने की संभावना है। अनुमान है कि नदी का पानी 8 से 10 फीट तक ऊपर आ सकता है। तिलवारा के पुराने पुल के नीचे वर्तमान में पानी का स्तर पुल से करीब दो से तीन फीट नीचे है। जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी होने पर शाम तक पुराना पुल जलमग्न हो सकता है।

आवक बढ़ी तो खुलेंगे चार और गेट

परियोजना के ऊपरी कैचमेंट क्षेत्र से पानी की आवक लगातार बनी रहती तो शाम तक बांध के चार और गेट खोले जा सकते हैं। इसके बाद नर्मदा में पानी का प्रवाह और बढ़ने की संभावना है। परियोजना प्रबंधन ने श्रद्धालुओं, नाविकों और आम नागरिकों से नदी घाटों और डूब क्षेत्र से दूर रहने की अपील की है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए आपदा प्रबंधन दलों को भी सतर्क रखा गया है। कछरी गाँवों और नर्मदा के निचले इलाकों की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि जलस्तर में अचानक वृद्धि होने पर समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

प्रथमदृष्टया मारपीट और धमकी के आरोप पुष्ट

जबलपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शुभांगी पालो दत्त की अदालत ने धोखाधड़ी के मामले में परिवार पंजीबद्ध करने का आदेश दिया है। मामला दुकान के विक्रय सौदे में 10 लाख रुपये लेने के बाद कथित तौर पर किसी अन्य व्यक्ति से अनुबंध करने और रकम वापस मांगने पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का है।

कोर्ट ने मामले में गुलाब बजाज, नरेश बजाज और दैविक बजाज, निवासी हाथीताल के विरुद्ध परिवार दर्ज किया है।शिकायतकर्ता गुरुकृपा विहार, शारदा चौक, जबलपुर निवासी आशीष नेक्सन की ओर से पक्ष रखा गया। अदालत ने

दुकान सौदे के विवाद में तीन के खिलाफ परिवार दर्ज

शिकायतकर्ता और गवाह के कथनों का परीक्षण करने के बाद प्रथमदृष्टया पाया कि आरोपियों द्वारा शिकायतकर्ता का रास्ता रोकने, गाली-गालीज करने, लाठी व लात-धूसों से मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के संबंध में साक्ष्य उपलब्ध है। इसी आधार पर संबंधित धाराओं में संज्ञान लिया गया। शिकायतकर्ता का आरोप था कि घटना के संबंध में गोरखपुरु थाने में शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई और उसे न्यायालय जाने के लिए कहा गया। इससे पहले दुकान के सौदे की रकम वापस मांगने को लेकर भी विवाद सामने आया था। आरोपियों की ओर

से परिवार का विरोध करते हुए कहा गया कि कथित बिन्नी अनुबंध अपंजीकृत है और उस पर संबंधित पक्षों के हस्ताक्षर नहीं हैं। घटना से भी इनकार करते हुए परिवार को दबाव बनाने की कार्रवाई बताया गया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया।

अदालत ने गुलाब बजाज, नरेश बजाज और दैविक बजाज के खिलाफ धारा 296, 115(2), 126(2), 351(2) तथा 3 (5) बीएनएस के तहत परिवार पंजीबद्ध किया है। अब प्रकरण आरोप-पूर्व साक्ष्य के लिए 28 सितंबर 2026 को पेश होगा।

चेक बाउंस के तीन मामलों में 12.50 लाख की वसूली, गिरफ्तारी वारंट जारी

जबलपुर। चेक बाउंस से जुड़े तीन मामलों में कुल 12 लाख 50 हजार रुपये की राशि की वसूली को लेकर जबलपुर जिला न्यायालय में कार्रवाई जारी है। मामलों में डिडोरी निवासी आकाश टैवलस से जुड़े संजय केशवानी और साधना केशवानी की न्यायालय में उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं। वारंट की तामीली और गिरफ्तारी के लिए संबंधित डिडोरी पुलिस थाना को निर्देशित किया गया है। चेक अनादरित होने के बाद संबंधित परिवार न्यायालय में प्रस्तुत किए गए थे। एक प्रकरण में शोभना बिलैया ब्राम साधना केशवानी तथा दूसरे में संबंधित कारोबारी संस्थाओं और संजय केशवानी से जुड़ा मामला दर्ज है। दोनों मामलों में अगली सुनवाई आठ सितंबर, 2026 निर्धारित है।दलील दी गई कि कि केशवानी के विरुद्ध पूर्व में भी आर्थिक अपराध प्रकोट की कार्रवाई सामने आ चुकी है। डिडोरी में बस संचालन और टैक्स भुगतान से संबंधित शिकायतों पर वर्ष 2006 से 2025 की अवधि को लेकर ई-ओडब्ल्यू जबलपुर द्वारा जांच और प्रकरण दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई थी।

मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की दुकानों की होगी ई-नीलामी, स्टार्टअप और खेल सुविधाओं को मिलेगा बढ़ावा

जबलपुर। कलेक्टर एवं स्मार्ट सिटी चेयरमैन राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जबलपुर स्मार्ट सिटी संचालक मंडल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संस्कृति, खेल, रोजगार, स्टार्टअप, डिजिटल सुविधाओं और प्रशासनिक दक्षता को बढ़ावा देने से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में नगर निगम आयुक्त एवं स्मार्ट सिटी कार्यकारी निदेशक राम प्रकाश अहिरवार, सीईओ देवेन्द्र सिंह चौहान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि भंवरताल स्थित संस्कृति थिएटर अब आम नागरिकों एवं संस्थाओं को किफायती दर पर उपलब्ध होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए थिएटर 10 हजार रुपए, चार घंटे के आयोजन के लिए 15 हजार रुपए तथा छह घंटे के लिए 25 हजार रुपए में उपलब्ध कराया जाएगा। इससे स्थानीय कलाकारों और प्रतिभाओं को मंच मिलने की उम्मीद है। मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स फेज-2 की दुकानों की पायदर्शी ई-टेंडरिंग के माध्यम से ऑनलाइन नीलामी की जाएगी। प्रथम चरण में छह दुकानों का आवंटन किया जाएगा। युवाओं में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट सिटी इनक्यूबेशन

संस्कृति थिएटर अब 10 हजार रुपए में उपलब्ध स्मार्ट सिटी बोर्ड ने लिए कई अहम फैसले



सेंटर का संचालन अब स्मार्ट सिटी स्वयं करेगी। वहीं एनएमटी कॉिडोर और डिजिटल लाइब्रेरी का संचालन नगर निगम को सौंपने का निर्णय लिया गया। रांशी स्थित एलएनआई स्कूल में विकसित मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के संचालन के लिए टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे। इससे क्षेत्रीय युवाओं और खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जबलपुर स्मार्ट सिटी अब संभाग के अन्य नगरीय निकायों एवं शासकीय विभागों को कंसल्टेंसी सेवाएं,

डीपीआर तैयार करने, टेंडर प्रक्रिया एवं सुपरविजन जैसी तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इससे स्मार्ट सिटी तकनीकी सहयोग का केंद्र बनने के साथ अपनी आय भी बढ़ा सकेगी। बैठक में स्वतंत्र निदेशक एवं महापौर प्रतिनिधि श्रीमती डिंपल टांक, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश जयवर्धन सिंह, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। स्वतंत्र निदेशक शिवानंद स्वामी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

जिला शांति समिति की बैठक में कलेक्टर-पुलिस कप्तान ने दिए सुरक्षा के निर्देश



जबलपुर। आगामी ईद मिलादुन्नबी, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेश उत्सव और नवरात्र को लेकर गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम में जिला शांति समिति की बैठक हुई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय की मौजूदगी में प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा समिति सदस्यों ने पूर्वी के दौरान शांति, सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि संस्कारधानी की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप सभी पूर्ण शांति, सद्भाव और उत्साह के साथ मनाए जाएं। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, यातायात सहित अन्य व्यवस्थाएं समय पर

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जुलूस मार्गों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था सुचारु रखने तथा मुख्य मार्गों से आवारा पशुओं को हटाने हांका गैंग की व्यवस्था करने पर भी जोर दिया गया। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे और थाना स्तर पर भी बैठकें आयोजित होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अशांति फैलाने या जुलूस में व्यवधान डालने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उनके अपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शांति समिति सदस्यों से अपने क्षेत्रों में सद्भाव

बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस-प्रशासन को देने की अपील की। बैठक में अपर कलेक्टर रवि शंकर राय एवं शैलेन्द्र सिंह, एसपी सिटी आयुष जाखड़, एसपी यातायात अखिलेश तिवारी सहित नगर निगम, एमपीईबी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शांति समिति की ओर से पूर्व मंत्री कौशलया गोंटिया, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, एसके मुईदीन, कदीर सोनी, हाजी मकबूल अहमद रजवी, मो. ताहिर खान, ताहिर अली, मुकेश राठौर, शरद काबरा, साबिर उस्मानी, प्यारे साहब एवं प्रमोद पटेल सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

पिता की हत्या और मां पर तेजाब फेंकने की धमकी

युवती को भय दिखाकर हड़प लिए लाखों के जेवर



जबलपुर। गढ़ा संजीवनीनगर में एक युवती को उसकी ही सहेली के भाई ने उसके पिता की हत्या तथा मां पर तेजाब फेंकने की धमकी देकर लाखों रुपए मूल्य के जेवर हड़प लिए। युवक की धमकी से डरी-सहमी युवती ने घर में रखे जेवर आरोपी युवक को लाकर सौंप दिए थे। बाद में मामलें की जानकारी लगने पर पीड़ित युवती के पिता ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश आरंभ कर दी है।इस संबंध में संजीवनीनगर पुलिस ने बताया कि देवरी, मझौली निवासी मोहित तिवारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह नगर निगम में प्राईवेट काम करता है और संजीवनी नगर इलाके में किराए से रहता है। गत 9 अगस्त को वह दादी का स्वर्णवास होने से परिवार सहित गांव गया था और वहां से वापस आने के बाद सूतक होने से इस दौरान घर की आलमारी नहीं खोलकर देखी । बाद में 18 अगस्त को पत्नी श्रृद्धा ने आलमारी खोलकर देखी

बहन के साथ कोचिंग में पढ़ती हो। जो बोल रहा हूं, वैसा करो, तुम्हारे घर में जितना सोना है, वह पूरा लाकर दो। अगर नहीं दिया तो तुम्हारे पिता, जो मेहता पेट्रोल पम्प के पास पेट्रोल भरवाने आते हैं उन्हें मार दूंगा तथा तुम्हारी मां के चेहरे पर तेजाब डाल दूंगा। इसी धमकी से डर के कारण उसने घर में नहीं बताया। 11 अगस्त को शाम लगभग 6 बजे चौबे किराना के पास आलमारी से उसमें रखा एक सोने का हार, 1 जोड़ी झाला, 1 जोड़ी टाप्स, 1 जोड़ी झुमकी, 2 अंगूठी, ले जाकर अक्षत नामदेव को दे दी एवं किसी को नहीं बताया। बेटी के बताए अनुसार मोहित तिवारी ने पुलिस को बताया कि अक्षत नामदेव ने उसकी बेटी को पिता की हत्या करने व मां पर तेजाब फेंकने के भय में डालकर सोने के जेवर लेकर चला गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 308(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बस स्टैंड, तीन पत्ती, मालवीय चौक और सिविक सेंटर में चला अभियान

जबलपुर। शहर की स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने नगर निगम की कार्रवाई लगातार जारी है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग एवं अतिक्रमण विभाग की संयुक्त टीम ने संभाग क्रमांक 13 के प्रमुख बाजारों और व्यस्त क्षेत्रों में सघन निरीक्षण कर कार्रवाई की।

अभियान के तहत बस स्टैंड, तीन पत्ती चौक, मालवीय चौक और सिविक सेंटर क्षेत्र में फुटपाथों एवं मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाया गया। सड़क किनारे गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों एवं व्यापारियों के खिलाफ मौके पर 20 चालान काटकर 12 हजार रुपए का सॉट फाइन लगाया गया। साथ ही अतिक्रमण सामग्री को जब्त की कार्रवाई भी की गई। कार्रवाई के

गंदगी और अतिक्रमण पर निगम की कार्रवाई 20 चालान से वसूला 12 हजार का जुर्माना



दौरान अतिक्रमण प्रभारी कृष्णकांत रावत, अखिलेश भदौरिया, दीपेंद्र रावत, किशन दुबे, अभिषेक विश्वारी, अतिक्रमण दल प्रभारी जे. प्रवीण, दुर्गा सहित स्थानीय पुलिस प्रशासन मौजूद रहा। निगम प्रशासन ने दुकानदारी

एवं शहरवासियों से सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाने तथा फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त रखने की अपील की है, ताकि शहर की स्वच्छता के साथ यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनी रहे।

हर सप्ताह 1 हजार रुपए मांगने की शिकायत, पैसे नहीं देने पर हाथ पर कट लगाने का आरोप; प्रबंधन ने घटना की पुष्टि की

बाल सुधार गृह में नाबालिगों से वसूली का आरोप, मारपीट के बाद सर्चिंग में मिले मोबाइल और गांजा

जबलपुर। गोकलपुर स्थित बाल सुधार गृह में नाबालिगों से कथित वसूली, मारपीट और प्रतिबंधित सामान मिलने का मामला सामने आया है। हाल ही में जमानत पर बाहर आए 17 वर्षीय नाबालिग ने अपने पिता को बताया कि उससे हर सप्ताह 1 हजार रुपए की मांग की जाती थी। रुपए नहीं देने पर उसके साथ मारपीट की गई और हाथ सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर कट लगाए गए। शिकायत के बाद बाल सुधार गृह में सर्चिंग कराई गई, जिसमें दो मोबाइल फोन, गांजा, गुटखा सहित अन्य प्रतिबंधित सामान मिलने की जानकारी सामने आई है।

नए और कमजोर बच्चों को बनाते ये निशाना

नाबालिग के पिता के अनुसार, 12 अगस्त को बेटे ने फोन पर उसे बाल सुधार गृह की स्थिति के बारे में बताया था। उसका आरोप था कि वहां करीब 10-12 लड़कों का एक समूह नए अथवा कमजोर बच्चों पर दबाव बनाता है। कथित तौर पर उससे कहा गया कि यदि सुरक्षित रहना है तो हर सप्ताह 1 हजार रुपए देने होंगे। पिता के मुताबिक, रुपए नहीं देने के बाद बेटे के साथ-थे के साथ



मारपीट की गई। उसके दोनों हाथों पर कट के निशान भी मिले। नाबालिग ने आरोप लगाया कि एक अन्य लड़के ने ब्लेड से उसके हाथ पर अपना नाम लिख दिया।

प्रबंधन ने मारपीट और कट की पुष्टि की

बाल सुधार गृह के अधीक्षक शैलेश कुमार और सहायक

अधीक्षक अरुण कुमार बघौलिया ने एक बच्चे के साथ मारपीट और उसके हाथों पर कट लगाए जाने की पुष्टि की है। हालांकि, प्रबंधन का कहना है कि कट ब्लेड से नहीं, बल्कि बच्चों को पढ़ाई के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले शार्पनर की ब्लेड से लगाए गए थे। प्रबंधन के अनुसार, बच्चों को पेन, पेंसिल और शार्पनर जैसी अध्ययन सामग्री दी जाती है। घटना में इसी शार्पनर की ब्लेड के इस्तेमाल की बात सामने आई है।

सर्चिंग में मिले मोबाइल, गांजा और गुटखा

शिकायत सामने आने के बाद बाल सुधार गृह में तलाशी अभियान चलाया गया। प्रबंधन के अनुसार, सर्चिंग के दौरान दो मोबाइल फोन, गांजा, गुटखा और अन्य प्रतिबंधित सामान मिला। अब यह पता लगाया जा रहा है कि ये सामान परिसर के भीतर कैसे पहुंचा और इसका इस्तेमाल कौन कर रहा था।

बाल न्यायालय को मेजी रिपोर्ट

घटना की जानकारी बाल सुधार गृह प्रबंधन ने संबंधित

बाल न्यायालय को पत्र के माध्यम से दी है। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी के अनुसार, परिवार की शिकायत सामने आई है। परिवार की ओर से बाल सुधार गृह के साथ न्यायालय में भी शिकायत की गई है। कोर्ट के निर्देश के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

50 नाबालिग रह रहे, सुरक्षा पर सवाल

जानकारी के अनुसार, गोकलपुर बाल सुधार गृह में फिलहाल करीब 50 नाबालिग रह रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या 16 से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों की है। घटना के बाद बाल सुधार गृह की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जिस संस्थान में कानून से संघर्ष की स्थिति में आए बच्चों को सुरक्षित और सुशासनात्मक वातावरण देने की जिम्मेदारी है, वहां वसूली, मारपीट और प्रतिबंधित सामान मिलने के आरोप गंभीर चिंता का विषय हैं। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि कथित वसूली और मारपीट में कौन-कौन शामिल था तथा प्रतिबंधित सामान अंदर कैसे पहुंचा।

भारत दस साल बाद विदेशी चीनी खाएगा! 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात की तैयारी

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत को करीब 10 साल के बाद फिर से चीनी आयात करना पड़ सकता है। घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों में लगातार तेजी के बीच सरकार करीब 10 लाख टन कच्ची चीनी बिना आयात शुल्क के मंगाने की तैयारी कर रही है। इसका मकसद देश में चीनी की सप्लाई बढ़ाना और बढ़ती कीमतों पर कुछ हद तक लगाम लगाना है।

महाराष्ट्र में चीनी की एक्स-मिल कीमत यानी मिल से निकलने के समय की कीमत बढ़कर करीब 5,400-5,560 रुपए प्रति क्विंटल पहुंच गई है। मार्च 2026 से चीनी के दाम तेजी से बढ़े हैं। चीनी की कीमतों में तेजी फेस्टिव सीजन से पहली आई है। इस दौरान देश में चीनी की खपत काफी बढ़ जाती है।



खबर संक्षेप

आदित्य बिड़ला कैपिटल स्वर्ण ऋण कारोबार में उतरी

मुंबई। आदित्य बिड़ला कैपिटल ने स्वर्ण ऋण कारोबार में कदम रखा है। इसके साथ ही कंपनी तेजी से बढ़ते स्वर्ण ऋण बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने वाले गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों की सूची में शामिल हो गई है। अन्य कंपनियों की तरह बिड़ला समूह ने इस कारोबार में उतरने के लिए अधिग्रहण का रास्ता नहीं चुना है।

कई निवेशकों ने सिम्बायोटेक में 10.4% हिस्सेदारी खरीदी

सिम्बायोटेक फार्मास्यूटिकल्स लि. (SYMTEC PHARMALAB IPO) ने 10.4% हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा कंपनी के 1,75,7 करोड़ रुपये के प्रस्तावित आईपीओ से कुछ दिन पहले हुआ है।

नई दिल्ली। थिंक इंडिया ऑप्ट्युनिटीज भारत फंड, डायमॉन एशिया मल्टी-स्ट्रेटजी वैल्यूएड स्मैट कई निवेशकों ने सिम्बायोटेक फार्मालैब में 10.4 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 648 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह सौदा कंपनी के 1,75,7 करोड़ रुपये के प्रस्तावित आईपीओ से कुछ दिन पहले हुआ है।

सीगल इंडिया को मिले 2,423 करोड़ रुपए के ठेके

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा विकास कंपनी सीगल इंडिया को उसके संयुक्त उद्यमों के माध्यम से सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से अरुणाचल प्रदेश में एनएच-913 पर सड़क निर्माण के लिए 2,423.70 करोड़ रुपये के पांच ठेके मिले हैं। 17.812 किलोमीटर से 55.377 किलोमीटर तक के हिस्से में सड़क निर्माण के लिए 274.08 करोड़ रुपये का मिला है।

इंडियन होटल्स ने लखनऊ में खोला ताज पैलेस होटल

नई दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने लखनऊ में 181 कमरों वाला ताज पैलेस होटल खोला है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होटल का उद्घाटन किया। 'जैसे-जैसे भारत का आर्थिक और पर्यटन परिदृश्य लगातार विस्तृत हो रहा है।

नई दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने लखनऊ में 181 कमरों वाला ताज पैलेस होटल खोला है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होटल का उद्घाटन किया। 'जैसे-जैसे भारत का आर्थिक और पर्यटन परिदृश्य लगातार विस्तृत हो रहा है।

विपुल ऑर्गेनिक्स के सायखा संयंत्र ने शुरू किया उत्पादन

नई दिल्ली। विपुल ऑर्गेनिक्स ने गुजरात के सायखा स्थित अपनी नई इकाई में व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विपुल ऑर्गेनिक्स ने बयान में कहा कि मुंबई स्थित पिगमेंट विनिर्माता कंपनी अपने उत्पादन परिचालन को महाराष्ट्र के तारापुर स्थित संयंत्र से सायखा की नई इकाई में स्थानांतरित कर रही है। सायखा संयंत्र को सालाना 3,600 टन से अधिक पिगमेंट के उत्पादन की क्षमता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

नई दिल्ली। विपुल ऑर्गेनिक्स ने गुजरात के सायखा स्थित अपनी नई इकाई में व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विपुल ऑर्गेनिक्स ने बयान में कहा कि मुंबई स्थित पिगमेंट विनिर्माता कंपनी अपने उत्पादन परिचालन को महाराष्ट्र के तारापुर स्थित संयंत्र से सायखा की नई इकाई में स्थानांतरित कर रही है। सायखा संयंत्र को सालाना 3,600 टन से अधिक पिगमेंट के उत्पादन की क्षमता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

नई दिल्ली। विपुल ऑर्गेनिक्स ने गुजरात के सायखा स्थित अपनी नई इकाई में व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विपुल ऑर्गेनिक्स ने बयान में कहा कि मुंबई स्थित पिगमेंट विनिर्माता कंपनी अपने उत्पादन परिचालन को महाराष्ट्र के तारापुर स्थित संयंत्र से सायखा की नई इकाई में स्थानांतरित कर रही है। सायखा संयंत्र को सालाना 3,600 टन से अधिक पिगमेंट के उत्पादन की क्षमता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

सरकार का मकसद चीनी की सप्लाई बढ़ाकर कीमतों पर लगाम लगाना, चीनी के दाम बढ़ने की बड़ी वजह गिलों के पास स्टॉक की कमी

मार्च से ही दिखने लगे थे संकट के संकेत

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीनी की सप्लाई का संकट मार्च 2026 से ही दिखाई देने लगा था। कई मिलों के लिए हर महीने घरेलू बाजार में तय मात्रा में चीनी उपलब्ध कराना मुश्किल होने लगा था। इसके बावजूद कीमतों में बढ़ोतरी को शुरुआती स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया। अब जब त्योहारों का सीजन करीब है, तो चीनी की मांग और बढ़ने की उम्मीद है। इसी वजह से सरकार को आयात का सहारा लेना पड़ रहा है। भारत ने आखिरी बार 2016-17 सीजन में कच्ची चीनी का आयात किया था। यानी करीब एक दशक बाद देश फिर से विदेशी बाजार से चीनी खरीद सकता है।



खपत 2.8 करोड़ टन रहने का अनुमान

अनुमान के मुताबिक, 2025-26 सीजन में इथेनॉल उत्पादन के लिए इस्तेमाल की गई चीनी को हटाने के बाद भारत का वास्तविक चीनी उत्पादन करीब 2.79 करोड़ टन रहा। सीजन की शुरुआत में करीब 47 लाख टन पुराना स्टॉक मौजूद था। इस तरह कुल उपलब्धता करीब 3.26 करोड़ टन रही। देश में इस साल चीनी की खपत करीब 2.8 करोड़ टन रहने का अनुमान है। सामान्य स्थिति में इसके बाद भी पर्याप्त स्टॉक बचाना चाहिए था। लेकिन जब करीब 8 लाख टन के निर्यात को भी हिसाब में जोड़ा जाता है तो बचा हुआ स्टॉक घटकर करीब 35-39 लाख टन रह जाता है। इससे अगले सीजन की शुरुआत में चीनी की कमी का खतरा बढ़ गया है। आमतौर पर भारत में करीब 60 लाख टन का अंतिम स्टॉक रखना बेहतर माना जाता है, जो लगभग तीन महीने की खपत के बराबर है।

क्या आयात से चीनी सस्ती होगी?

सरकार करीब 10 लाख टन चीनी आयात करने की तैयारी कर रही है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बाजार में चीनी के दाम बहुत तेजी से गिर जाएंगे। जानकारी का अनुमान है कि कीमतों में अधिकतम करीब 500 रुपए प्रति क्विंटल तक की कमी आ सकती है। इसके बावजूद चीनी मिलों के लिए स्थिति बहुत खराब नहीं होगी, क्योंकि उत्पादन लागत करीब 4,200-4,300 रुपए प्रति क्विंटल है। दूसरी तरफ, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी भारत के आयात की खबर का असर दिखाई दिया है। न्यूयॉर्क में कच्ची चीनी की कीमत बढ़कर करीब 17.47 सेंट प्रति पाउंड के 14 महीने के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई।

जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाली केप्लर की रिपोर्ट भारत ने कच्चे तेल की आपूर्ति में विविधता लाने के लिए किया वेनेजुएला का रुख

एजेसी ►► नई दिल्ली

ईरान संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी बाधाओं के बीच भारत कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाने के लिए लातिन अमेरिका का रुख कर रहा है। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाले 'केप्लर' के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

भारत के वेनेजुएला से कच्चे तेल के आयात में तेज वृद्धि हुई है और यह दक्षिण अमेरिकी देश भारत का चौथा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। वेनेजुएला से आपूर्ति करीब 4,44,000 बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रही जो इराक के 1,18,000 बीपीडी और अमेरिका के 1,53,000 बीपीडी से अधिक है।

वेनेजुएला, ब्राजील और अफ्रीका से खरीदी बढ़ाई

अप्रैल में आयात फिर शुरू होने के बाद से भारत के आपूर्ति विविधीकरण में वेनेजुएला की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। पश्चिम एशिया से आपूर्ति बाधित होने के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल पर भारी निर्भरता बनाए रखते हुए वेनेजुएला, ब्राजील और अफ्रीका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई है।

रूस अब भी भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता

रूस अब भी भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है और अगस्त में वहां से आयात करीब 20 लाख बीपीडी रहा। जून-जुलाई में रूस से कच्चे तेल का आयात करीब 26 लाख बीपीडी तक पहुंच गया था, जो भारत के कुल कच्चे तेल आयात का आधे से अधिक था। इससे पश्चिम एशिया के पारंपरिक आपूर्ति मार्गों में बाधा के खिलाफ कुछ हद तक सुरक्षा मिली। कच्चा तेल वह कच्चा माल है जिसे रिफाइनरियां पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में बदलती हैं।

देश का तेल आयात बिल बढ़ सकता है

रिपोर्टरों ने कहा कि वेनेजुएला, अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका या लातिन अमेरिका से लंबी दूरी की आपूर्ति से माल ढुलाई और बोमा लागत बढ़ सकती है। ऐसे में गैर-राजनीतिक व्यवधान भारत के लिए तेल आयात बिल बढ़ा सकते हैं, भले ही रिफाइनरियां पर्याप्त मात्रा में कच्चा तेल हासिल करने में सफल रहें।

भारत एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रहा

केप्लर के विश्लेषक सुमित रिपोर्टरों ने कहा, "भारत एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रहा है। इसमें जहां संभव हो, घरेलू स्तर पर तेल उत्पादन बढ़ाना, विदेशों से कच्चे तेल के आपूर्तिकर्ताओं तथा परिवहन मार्गों में विविधता लाना, रणनीतिक एवं वाणिज्यिक भंडार तैयार करना और गैस, जैव ईंधन, इलेक्ट्रिक वाहन तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना शामिल है।"

कच्चा तेल आयात महीने में 50 लाख बीपीडी रहा

इसके बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने पश्चिम एशिया, रूस और अटलांटिक बेसिन से आने वाले कच्चे तेल के बीच खरीद को बदलने में काफी लचीलापन दिखाया है। भारत का कुल कच्चा तेल आयात हाल के महीनों में करीब 50 लाख बीपीडी रहा है जिससे आपूर्ति में बाधाओं के बावजूद रिफाइनरी परिचालन अपेक्षाकृत मजबूत बना हुआ है।

पहली छमाही में निजी ऋण सौदे 6 फीसदी घटे

एजेसी ►► मुंबई

अस्थिर व्यापक आर्थिक माहौल के बीच 2026 की जनवरी-जून अवधि में निजी ऋण का उपयोग 61 प्रतिशत घटकर 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में नौ अरब अमेरिकी डॉलर था। ईवाई की एक रिपोर्ट में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई।

परामर्श कंपनी ईवाई की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल की पहली छमाही में 3.1 अरब अमेरिकी डॉलर के एक बड़े निवेश सौदे से कुल गतिविधियों को बढ़ावा मिला था। इसके बावजूद इस साल की

पहली छमाही में निवेश गतिविधियां 2025 की दूसरी छमाही में दर्ज 3.4 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रही। रिपोर्ट में कहा गया कि करीब तीन-चौथाई निजी ऋण का इस्तेमाल घरेलू निजी ऋण कोषों ने किया। वहीं, कुल निवेश राशि में वैश्विक कोषों की हिस्सेदारी लगातार घट रही है। विदेशी कोषों की हिस्सेदारी 2025 की दूसरी छमाही के 36 प्रतिशत से घटकर 26 प्रतिशत रह गई, जबकि 2025 की पहली छमाही में यह 68 प्रतिशत थी।

रियल एस्टेट पसंदीदा क्षेत्र बना रहा

रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्र में जोखिम की धारणा के बावजूद 2026 की पहली छमाही में निजी ऋण कोषों के निवेश के लिए रियल एस्टेट पसंदीदा क्षेत्र बना रहा।

भारत को बैटरी भंडारण में आत्मनिर्भर बनने में लगेगा एक दशक: रिपोर्ट

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत को बैटरी भंडारण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में अभी करीब 10 साल और लग सकते हैं। इसका बैटरी सेल के जरूरी उपकरणों के विनिर्माण की मौजूदा क्षमता और मांग के बीच बड़ा अंतर है। शोध एवं परामर्श कंपनी वुड मैकेनी ने यह बात कही है।

बैटरी भंडारण पर जारी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में प्रतिस्पर्धी निविदाओं से अनुमानित करीब 260 गीगावाट घंटे (जीडब्ल्यूएच) की मांग के मुकाबले भारत की घरेलू बैटरी विनिर्माण क्षमता दो जीडब्ल्यूएच यानी एक प्रतिशत से भी कम है। वुड मैकेनी की रिपोर्ट के अनुसार, इससे नीतिगत स्तर पर तेजी के बावजूद भारत बैटरी के लिए आयात पर निर्भर बना हुआ है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2035 तक 226 जीडब्ल्यूएच से अधिक सेल विनिर्माण क्षमता स्थापित करने की घोषणाओं के बावजूद परियोजनाओं में देरी, वित्तीय व्यावहारिकता को लेकर चुनौतियां और चीन तथा दक्षिण कोरिया की प्रौद्योगिकी पर निर्भरता के कारण भारत अभी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बैटरी सेल उद्योग से 10 से 15 साल दूर है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 तक भारत में केवल दो जीडब्ल्यूएच की बैटरी सेल विनिर्माण क्षमता चलाई हुई है, जबकि चीन की संयंत्र क्षमता 2,695 जीडब्ल्यूएच है। चीन के थोड, एनोड, सेपरेटर और इलेक्ट्रोलाइट जैसे बैटरी आपूर्ति श्रृंखला के प्रमुख हिस्सों में 85 से 98 प्रतिशत तक वैश्विक क्षमता नियंत्रित करता है।

विनिर्माण केंद्रों में चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर

हालांकि, भारत की लागत स्थिति वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी है। भारत लागत के नजरिये से जापान की तुलना में 154 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया की तुलना में नौ प्रतिशत फायदे की स्थिति में है। प्रमुख विनिर्माण केंद्रों में चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर है।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जुलाई में बढ़कर 5.4 फीसदी

नई दिल्ली। कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ने से देश के नौ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जुलाई में बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गई। बृहस्पतिवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, एक साल पहले जुलाई में इन प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 3.2 प्रतिशत बढ़ा था। वहीं, जून, 2026 में इनकी वृद्धि दर छह प्रतिशत रही थी। इस साल जून के महीने से इन आंकड़ों को नए आधार वर्ष 2022-23 के साथ जारी किया जा रहा है जबकि पहले आधार वर्ष 2011-12 था। सरकार ने इस सूचकांक में लौह अयस्क को भी शामिल किया है।

शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 628 अंक चढ़ा

एजेसी ►► मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 628 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी सात दिन से जारी गिरावट से उबरते हुए 153 अंक के लाभ में रहा। वैश्विक बांड प्रतिफल में नरमी के साथ जोखिम लेने की धारणा मजबूत होने से दुनिया के लगभग सभी प्रमुख बाजारों में तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 628.04 अंक की बढ़त के साथ 77,537.72 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 701.43 अंक बढ़कर 77,611.11 अंक तक पहुंच गया था।

निफ्टी में सात दिन से जारी गिरावट थमी

वैश्विक बांड में नरमी से जोखिम लेने की धारणा मजबूत

दुनिया के लगभग सभी प्रमुख बाजारों में रही तेजी

निफ्टी भी सात दिन की गिरावट से उबरते

शेयर में तेजी की वजह वैक्सीन के उत्पादन विलनिकल द्रायल नतीजे

मॉडर्न की कैंसर वैक्सीन की धूम, शेयर एक ही दिन में 135% उछला

एजेसी ►► नई दिल्ली

बायोटेक्नोलॉजी कंपनी मॉडर्न के शेयर में इंट्रा-डे के दौरान चौकाने वाली तेजी आई है। इस शेयर में बुधवार को 135 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। इस जबरदस्त उछाल के कारण मॉडर्न के शेयर 149.63 डॉलर तक पहुंच गए। बता दें कि पिछले कारोबारी सत्र में शेयर 62.96 डॉलर पर बंद हुआ था। यदि किसी निवेशक ने एक लाख रुपए निवेश किए वह 2,77,000 रुपए हो गए।

शेयर में इस जोरदार तेजी की वजह मॉडर्न और मर्क द्वारा विकसित की जा रही एक पर्सनलाइज्ड mRNA कैंसर वैक्सीन के उत्पादन विलनिकल द्रायल नतीजे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,

निवेशकों के एक लाख रुपए एक ही दिन में हुए 2,77,000 रुपए

परीक्षण 'कीटूडा' नाम की दवा के साथ

मॉडर्न की वैक्सीन का परीक्षण 'कीटूडा' नाम की कैंसर दवा के साथ किया गया। इसे mRNA कैंसर वैक्सीन का पहला सफल टैट-स्टेज ट्रायल माना जा रहा है। इस अध्ययन में कुल 1,137 हाई-रिस्क मरीजों को शामिल किया गया था। इनमें स्टेज **IIIB** से स्टेज **IV** तक के मेलानोमा मरीज थे, जिनकी सर्जरी हो चुकी थी। कंपनियां ने कहा कि ट्रायल के दौरान कोई नई सुरक्षा संबंधी बड़ी चिंता सामने नहीं आई है। मर्क के रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रमुख डेन ली के मुताबिक, कंपनियां आने वाले कुछ महीनों में ग्लोबल स्तर पर मंजूरी को लेकर अधिकारियों के साथ बातचीत शुरू करने की उम्मीद कर रही हैं। हालांकि, मॉडर्न ने अभी इस उपचार की कीमत तय नहीं की है।

दूसरे को-फाउंडर नौबार की संपति 2.1 बिलियन डॉलर हुई: शेयर में ताजा उछाल के कारण मॉडर्न के एक अन्य सह-स्थापक नौबार अफेयन की अनुमानित संपति लगभग 184 मिलियन डॉलर बढ़कर 2.1 बिलियन डॉलर हो गई। मॉडर्न के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन बैसल की संपति लगभग 2.5 बिलियन डॉलर बढ़कर 4.8 बिलियन डॉलर हो गई।

सोना तीन माह के उच्च स्तर पर, चांदी में 10,000 रुपए का उछाल

एजेसी ►► नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी आई। कमजोर अमेरिकी डॉलर के बीच निवेशकों के बहुमूल्य धातुओं की ओर रुख करने से सोना 4,300 रुपये बढ़कर तीन महीने के उच्चतम स्तर 1.62 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, और चांदी में 10,000 रुपये का उछाल आया।

स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 4,300 रुपये बढ़कर 1,62,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। बुधवार को यह 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। यह कीमती धातु 26 मई को इसी स्तर के आसपास रही थी, जब इसकी कीमत 1,62,400 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी में भी इसी तरह की तेजी देखी गई और यह पहले के 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर सात सप्ताह के



- सोना तीन माह के उच्चतम स्तर 1.62 लाख रुपए प्रति दस ग्राम
- चांदी सात सप्ताह के उच्चतम स्तर 2,45,000 रुपए किलो
- निवेशकों का रुख कमजोर डॉलर के बीच सराफा की ओर

उच्चतम स्तर 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। चांदी का कारोबार तीन जुलाई को भी इसी स्तर के आसपास हुआ था, जब इसकी कीमत 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

कच्चे तेल में उछाल से हाजिर सोना गिरा

गिरे एसेट शेयरखान में कमेडिटीज के प्रमुख, प्रवीण सिंह ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर नए आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में दो प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हुई, जिससे हाजिर सोना की कीमत गिरकर 4,450 डॉलर प्रति औंस रह गई।

सेबी ने एफपीआई के लिए डिजिटल 'पावर ऑफ अटॉर्नी' की अनुमति दी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए अपने 'संरक्षक' को डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) देने की अनुमति दे दी है। सेबी ने बृहस्पतिवार को कहा कि संशोधित नियमों के तहत एफपीआई अपने कस्टोडियन या संरक्षक के पक्ष में पीओए जारी कर सकता है। इसमें एफपीआई का पता दर्ज होना चाहिए और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर के जरिये दस्तावेज पर दस्तखत किए जा सकते हैं। पीओए वह दस्तावेज है जिसके जरिये एफपीआई अपने 'कस्टोडियन' को उसकी ओर से काम करने के लिए अधिकृत करता है।

- एफपीआई को पंजीकरण प्रक्रिया आसान बनाने दी गई अनुमति

इन शेयरों में रही तेजी

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंटर्नल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। दूसरी तरफ, गुल्शन में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, इंडरग्लोब एविएशन, एचसीएल टेक और टाइटेन शामिल हैं।

हुए 153.55 अंक की बढ़त के साथ 24,231.85 अंक पर बंद हुआ। अमेरिकी वित्त विभाग के वैश्विक बांड प्रतिफल में तेजी को नियंत्रित करने के कदम से बाजार को राहत मिली।



चिंतन

पाक को उसी की भाषा में जवाब

भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के घटनाक्रम यह संकेत जरूर दे रहे हैं कि अब भारत पाकिस्तान की हर कार्रवाई का जवाब पहले की तरह केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित रखने के मूड में नहीं है। दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर तय सीमा से बाहर बने ढांचों को बुलडोजर से हटया जाना इसी बदले हुए रुख का संकेत है। खास बात यह है कि यह कार्रवाई उस घटना के दो दिन बाद हुई, जब इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के बाहर सुरक्षा बैरिकेड और पार्किंग पोल हटाए गए थे। ऐसे में दोनों घटनाओं को अलग-अलग करके देखना मुश्किल है। इससे भारत ने पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दिया है। भारत ने हालांकि पाकिस्तान हाई कमीशन की मुख्य इमारत या उसके मुख्य प्रवेश द्वार को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। कार्रवाई बैरिकेड, फेंसिंग और वीजा सेक्शन के पास कतार प्रबंधन के लिए बनाए गए उन ढांचों तक सीमित रही, जिन्हें अधिकारियों के अनुसार निर्धारित सीमा से बाहर बनाया गया था। यही अंतर महत्वपूर्ण है। भारत ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि कार्रवाई किसी राजनयिक मिशन के खिलाफ नहीं, बल्कि नियमों के उल्लंघन के खिलाफ है। यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए स्पष्ट संदेश है कि नियमों का अनदेखी का जवाब भारत अब केवल बयान देकर नहीं देगा। यदि इस्लामाबाद में भारतीय मिशन के बाहर सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े ढांचे हटाए जाते हैं तो नई दिल्ली भी अपने अधिकार क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी। इसे बदले की कार्रवाई कहने के बजाय बराबरी के व्यवहार का संदेश कहना ज्यादा उचित होगा। भारत-पाकिस्तान संबंधों में यह बात विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों देशों के बीच भरोसे की कमी पहले से गहरी है। सीमा पार आतंकवाद, कश्मीर और राजनयिक स्तर पर लगातार होने वाली बयानबाजी ने रिश्तों को संवेदनशील बना रखा है। इसी बीच कश्मीर को लेकर अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की टिप्पणी ने पाकिस्तान की बेचैनी और बढ़ा दी है। श्रीनगर दौरे के दौरान कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताए जाने और अमेरिकी ट्रैवल एडवाइजरी की समीक्षा की संभावना ने इस्लामाबाद को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर किया। पाकिस्तान ने अमेरिकी प्रतिनिधि को तलब कर आपत्ति जताई। यह घटनाक्रम भी बताता है कि कश्मीर का मुद्दा पाकिस्तान के लिए अभी भी विदेश नीति की केंद्र्रीय विषय बना हुआ है, जबकि भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि जम्मू-कश्मीर उसका अभिन्न हिस्सा है। पाकिस्तान की किसी कार्रवाई का जवाब देना जरूरी हो सकता है, लेकिन जवाब ऐसा होना चाहिए, जिससे भारत की जिम्मेदार और परिपक्व शक्ति की छवि मजबूत दिखाई दे। हाई कमीशन और एंबेसी के अंतर की बात भी इसी संदर्भ में समझना जरूरी है। कॉमनवेल्थ देशों के बीच आधिकारिक राजनयिक मिशन को सामान्यतः हाई कमीशन कहा जाता है, जबकि अन्य देशों में उसे एंबेसी कहा जाता है। दोनों का मूल काम राजनयिक संबंधों को संचालित करना ही है। इसलिए नाम का अलग होने के बावजूद उनकी गरिमा और सुरक्षा का महत्व समान है। भारत का रुख स्पष्ट होना चाहिए। राजनयिक संबंध अपनी जगह हैं और देश के कानून अपनी जगह। पाकिस्तान हो या कोई दूसरा देश, तय नियमों का पावन सभी के लिए अनिवार्य है। दिल्ली का बुलडोजर पाकिस्तान को यही संदेश देता है कि भारत अब एकतरफा दबाव या नियमों की अनदेखी को चुपचाप स्वीकार करने वाला नहीं है।

पुण्यतिथि विशेष मोहित सिंगला

बिस्मिल्लाह खान : शहनाई के सुरों में बसती एक सभ्यता

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि यहां कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि साधना, अध्यात्म और जीवन-दर्शन का स्वरूप मानी जाती है। इसी परंपरा को अपने जीवन और संगीत से साकार करने वाले महान कलाकार थे भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खान। उन्होंने शहनाई जैसे पारंपरिक लोक वाद्य को विश्व के प्रतिष्ठित संगीत मंचों तक पहुंचाकर उसे भारतीय सांस्कृतिक पहचान का वैश्विक प्रतीक बना दिया। उनके हाथों में शहनाई केवल एक वाद्य नहीं रहती थी, बल्कि वह गंगा की लहरों, मंदिरों की घंटियों, सुफी दरगाहों की रूहानियत और भारत की साझी सांस्कृतिक विरासत का जीवंत स्वर बन जाती थी। 21 मार्च 1916 को बिहार के डुमरांव रियासत में जन्मे बिस्मिल्लाह खान का वास्तविक नाम कमरुद्दीन था। बचपन में ही वे अपने परिवार के साथ काशी (वाराणसी) आ गए। यहीं प्राचीन नगरी उनके व्यक्तित्व, संगीत और आध्यात्मिक चेतना की कर्मभूमि बनी। काशी की गलियों, गंगा के घाटों, मंदिरों की आरती और लोकजीवन की ध्वनियों ने उनके भीतर संगीत की ऐसी संवेदना जगाई, जिसने आगे चलकर उन्हें विश्व का सर्वश्रेष्ठ शहनाई वादक बना दिया। उनके मामू उस्ताद अली बख्खा काशी विश्वनाथ मंदिर में शहनाई बजाते थे। बालक बिस्मिल्लाह घंटों बैठकर उनके सुरों को सुनते और धीरे-धीरे स्वयं भी इस वाद्य के प्रति आकर्षित होते गए। महज छह वर्ष की आयु में उन्होंने शहनाई सीखनी शुरू कर दी। आगे चलकर उनका जीवन कठोर अनुशासन और अथक साधना का पर्याय बन गया। प्रतिदिन प्रातःकाल गंगा स्नान, मां मंगला गौरी के दर्शन और फिर गंगा तट स्थित बालाजी मंदिर में घंटों रियाज उनकी नियमित दिनचर्या का हिस्सा था। कहा जाता है कि लगभग 16 वर्षों तक उन्होंने निरंतर इसी स्थान पर साधना की। यही तप उन्हें संगीत के उस शिखर तक ले गई, जहां प्रतिभा भी साधना के सामने नगमस्तक दिखाई देती है। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान का संगीत भारत की सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता का अद्भुत उदाहरण था। वे जन्म से मुस्लिम थे, लेकिन उनकी आत्मा काशी की संस्कृति में पूरी तरह रची-बसी थी। मंदिरों में शहनाई बजाना, मां गंगा के प्रति अगाध श्रद्धा और संगीत को ईश्वर की आराधना मानना उनके व्यक्तित्व की ऐसी विशेषताएं थीं, जिन्होंने उन्हें सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब का जीवंत प्रतीक बना दिया। उनके लिए संगीत किसी धर्म, भाषा या सीमा में बंधा नहीं था; वह मानवता की सार्वभौमिक भाषा था। 15 अगस्त 1947 की ऐतिहासिक सुबह, जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब दिल्ली के लाल किले से उनकी शहनाई की मंगलध्वनि ने स्वतंत्र भारत के नए युग का स्वागत किया। यह क्षण भारतीय इतिहास का अमर अध्याय बन गया। इसके बाद उन्होंने अनेक देशों में अपनी प्रस्तुतियों से भारतीय शास्त्रीय संगीत का परचम लहराया। जहां भी उनकी शहनाई गुंजी, वहां श्रोताओं ने केवल सुर नहीं सुने, बल्कि भारत की आत्मा का स्पर्श महसूस किया। विश्वभर से अनेक आकर्षक प्रस्ताव मिलने के बावजूद उन्होंने वाराणसी को कभी नहीं छोड़ा। जब उनसे विदेश में बसने का आग्रह किया गया तो उन्होंने सहज भाव से कहा कि यदि वहां गंगा और काशी मिल जाएं तो वे अवश्य चले जाएंगे। इस उत्तर में केवल अपने शहर के प्रति प्रेम ही नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक चेतना का सम्मान भी था, जिसने उनके संगीत को जन्म दिया था। भारतीय संगीत और संस्कृति में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण, संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप तथा वर्ष 2001 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ‘भारत रत्न’ से अलंकृत किया गया। किंतु उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान श्रोताओं का प्रेम और संगीत की साधना थी। 21 अगस्त 2006 को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान इस संसार से विदा हो गए, लेकिन उनकी शहनाई आज भी समय की सीमाओं को पार करती हुई सुनाई देती है। उनके सुर यह संदेश देते हैं कि कला तभी अमर होती है, जब उसमें तप, समर्पण, विनम्रता और संस्कृति की आत्मा का संगम हो। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान केवल एक महान शहनाई वादक नहीं थे, बल्कि भारतीय सभ्यता के सांस्कृतिक दूत थे। उन्होंने सझ किया कि संगीत मनुष्यता को जोड़ने वाली सबसे संस्कृत भाषा है। उनकी जीवन यात्रा आने वाली पीढ़ियों को यह प्रेरणा देती रहेगी कि साधना से जन्मा कला का स्वर कभी मौन नहीं होता; वह युगों-युगों तक मानवता के हृदय में गूंजता रहता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)



मुद्दा

प्रमोद भार्गव

लंबे समय से कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका की स्थिति भारत–पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय विवाद के रूप में देखी जाती रही है। जिसे अकसर ‘भारतीय प्रशासन वाले कश्मीर’ जैसे शब्दों से संबोधित किया जाता रहा है। ऐसे में एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक का यह दो टूक बयान कश्मीर की धरती पर देना इस बात का संकेत है कि वैश्विक स्तर पर कश्मीर को लेकर भारत की अखंडता एवं संप्रभुता की पुष्टि के रूप में देखा जा रहा है। इस बयान से पाकिस्तान को तो झटका लगा ही है, चीन भी सकते में है। याद रहे कि अमेरिका ने वर्ष 2018 से ही जम्मू-कश्मीर के तात्कालिक पूर्वी लद्दाख और लेह को छोड़कर अपने नागरिकों को यात्रा नहीं करने की चेतावनी दी हुई है। इस नसीहत को चौथी श्रेणी में रखा हुआ है। गोर ने फिलहाल इस यात्रा चेतावनी को कम करने का कोई संकेत नहीं दिया है, लेकिन उम्मीद है कि इस बिंदु पर अमेरिका यात्रा में छूट दे सकता है? हालांकि उस समय धारा-370 बहाल थी और घाटी में आतंकी संकट की छाया छाई रहती थी। अगस्त 2019 में धारा-370 और 35-ए को भारत सरकार ने अपनी दुढ़ इच्छाशक्ति के चलते विलोपित कर दिया, उसी के बाद से कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हालातों में निरंतर सुधार हो रहे हैं और पत्थरबाजी व अन्य आतंकी घटनाओं में कमी आई है। पहलगाम में आतंकी हमले के एक दिन बाद ही अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने उक्त चेतावनी की फिर से पुष्टि करते हुए नई एडवाइजरी जारी कर दी थी, जो अभी भी लागू है। चूंकि गोर दक्षिण एशिया व मध्य एशियाई मामलों के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि हैं, इसलिए उनकी कश्मीर यात्रा और दो टूक बयान की अपनी अलग अहमियत है। खासतौर पर तब, जब पाकिस्तान के संबंध भी अमेरिका के साथ फिलहाल मुद्दु बने हुए हैं और अमेरिका ईरान से लड़े जा रहे युद्ध में पाकिस्तान को अपने हितों के लिए इस्तेमाल कर रहा है। इस बयान से उमर अब्दुल्ला को भी बड़ा झटका लगा है, क्योंकि वे कुछ दिनों से धारा-370 की पुनर्बहाली की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तान धर्म की छुट्टी पिलाकर 35 साल से भारत पर आतंकी हमले करता रहा है, जबकि उसे सबसे मुकम्मल उत्तर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया गया था।

मन में निर्भयता लाती है मां दुर्गा की कवियं साधना

वैसे तो हिंदी वर्षानुसार वर्षा, शरद, शिशिर, हेमंत, वसंत व ग्रीष्म- छह ऋतुएं होती हैं, लेकिन मुख्य रूप से दो ही प्रधान हैं- सर्दी व गर्मी। इन दोनों प्रधान ऋतुओं की संधि बेला को नवरात्रि की संज्ञा दी गई है। दिन और रात्रि के मिलन को संध्याकाल कहते हैं। इस महत्वपूर्ण समय को ईश्वर की आराधना, भजन, संध्या, वंदन व आध्यात्मिक साधना में लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह समय अत्यधिक लाभदायी और कम श्रम से अधिक फल देने वाला माना गया है। संध्या काल को पुण्य पर्व भी कहा गया है। आरोग्य शास्त्र के विद्वानों को विदित है कि आश्विन व चैत्र मास में जो सूक्ष्म परिवर्तन होता है, उसका प्रभाव शरीर पर कितनी अधिक मात्रा में पड़ता है। यह बदलाव स्वास्थ्य पर कई प्रकार से प्रभाव डालता है। अनेकानेक रोग, ज्वर, चेचक आदि मनुष्य पर हावी होने लगते हैं। वैद्य जानते हैं कि वमन, विरेचन, स्वेदन, वस्ति, रक्त मोक्षण आदि शरीर शोधन कार्य के लिए आश्विन और चैत्र का महीना ही सर्वाधिक उपयुक्त होता है। ऐसे समय में ही साधना का महत्वपूर्ण पर्व आता है। हिंदू परंपरा के अनुसार, भारतीय पर्व और त्योहारों में नवरात्रि पर्व का अत्यधिक महत्व है। यह वर्ष में दो बार आता है। दुर्गावतरण की पावन कथा भी इसके साथ जुड़ी हुई है। देवत्व के संयोग से असुर निकंदीनी महाशक्ति के उद्भव का महत्व हर युग में रहा है। युग की भयावह समस्याओं से त्राण पाने के लिए युग शक्ति के उद्भव की कामना हर मन में उठती है। अधिकांश लोग त्रत, उपवास एवं अनुष्ठान करते हैं।



करंट अफेयर

प्रिंस हैरी और पत्नी मेगन बच्चों के साथ लौटेंगे ब्रिटेन

प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन ने ब्रिटेन लौटने का फैसला किया है लेकिन वे शाही परिवार के कामकाजी सदस्यों के रूप में अपनी भूमिकाएं दोबारा नहीं संभालेंगे। समाचारपत्र ‘डेलेली ग्राफ़’ की खबर के अनुसार, दंपति के बच्चों प्रिंस आर्ची (सात) और प्रिंसेस लिलिबेट (पांच) का ब्रिटेन के विद्यालयों में दाखिला हो चुका है और वे सितंबर से अपनी पढ़ाई शुरू करेंगे। खबर के मुताबिक, यह परिवार लंदन के बाहर एक निजी आवास में रहेगा। हैरी और मेगन ने छह साल से अधिक समय पहले शाही जिम्मेदारियां छोड़ दी थीं और आर्थिक रूप से स्वतंत्र जीवन जीने के लिए कैलिफ़ोर्निया चले गए थे। वहां उन्होंने ‘नेटफिलक्स’ और ‘स्पॉटिफाई’ जैसी कंपनियों के साथ आकर्षक करार किए थे। इसके बाद ब्रिटेन के शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ उनके रिश्तों में तल्खी आई, लेकिन ऐसी खबरें सामने आई कि हैरी ने सुलह की इच्छा जताई है ताकि वह अपने पिता महाराजा चार्ल्स तृतीय के साथ अधिक समय बिता सकें। महाराजा चार्ल्स तृतीय बीमार हैं और उनका कैंसर का इलाज चल रहा है। महाराजा चार्ल्स को रविवार को दंपति की ब्रिटेन लौटने की योजना की जानकारी दी गई।

कश्मीर पर अमेरिका का

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अपने पहले जम्मू-कश्मीर दौरे में यहां के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद कश्मीर को भारत का अभिन्न और अहम् भू-भाग बताया और सुरक्षा के लिहाज से सराहना की। अमेरिकी राजदूत का यह बयान अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के स्तर पर चौंकाने वाला होने के साथ अमेरिका और भारत के संबंधों में बदलाव का उल्लेखनीय संकेत है। लंबे समय से कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका की स्थिति भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय विवाद के रूप में देखी जाती रही है। जिसे अकसर ‘भारतीय प्रशासन वाले कश्मीर’ जैसे शब्दों से संबोधित किया जाता रहा है। ऐसे में एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक का यह दो टूक बयान कश्मीर की धरती पर देना इस बात का संकेत है कि वैश्विक स्तर पर कश्मीर को लेकर भारत की अखंडता एवं संप्रभुता की पुष्टि के रूप में देखा जा रहा है। इस बयान से पाकिस्तान को तो झटका लगा ही है, चीन भी सकते में है।

याद रहे कि अमेरिका ने वर्ष 2018 से ही जम्मू-कश्मीर के तात्कालिक पूर्वी लद्दाख और लेह को छोड़कर अपने नागरिकों को यात्रा नहीं करने की चेतावनी दी हुई है। इस नसीहत को चौथी श्रेणी में रखा हुआ है। गोर ने फिलहाल इस यात्रा चेतावनी को कम करने का कोई संकेत नहीं दिया है, लेकिन उम्मीद है कि इस बिंदु पर अमेरिका यात्रा में छूट दे सकता है? हालांकि उस समय धारा-370 बहाल थी और घाटी में आतंकी संकट की छाया छाई रहती थी। अगस्त 2019 में धारा-370 और 35-ए को भारत सरकार ने अपनी दुढ़ इच्छाशक्ति के चलते विलोपित कर दिया, उसी के बाद से कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हालातों में निरंतर सुधार हो रहे हैं और पत्थरबाजी व अन्य आतंकी घटनाओं में कमी आई है। पहलगाम में आतंकी हमले के एक दिन बाद ही अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने उक्त चेतावनी की फिर से पुष्टि करते हुए नई एडवाइजरी जारी कर दी थी, जो अभी भी लागू है। चूंकि गोर दक्षिण एशिया व मध्य एशियाई मामलों के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि हैं, इसलिए उनकी कश्मीर यात्रा और दो टूक बयान की अपनी अलग अहमियत है। खासतौर पर तब, जब पाकिस्तान के संबंध भी अमेरिका के साथ फिलहाल मुद्दु बने हुए हैं और अमेरिका ईरान से लड़े जा रहे युद्ध में पाकिस्तान को अपने हितों के लिए इस्तेमाल कर रहा है। इस बयान से उमर अब्दुल्ला को भी बड़ा झटका लगा है, क्योंकि वे कुछ दिनों से धारा-370 की पुनर्बहाली की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तान धर्म की छुट्टी पिलाकर 35 साल से भारत पर आतंकी हमले करता रहा है, जबकि उसे सबसे मुकम्मल उत्तर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया गया था।

लेकिन वह बाज नहीं आ रहा है। कुते की पूंछ की तरह पाक की पूंछ टेढ़ी ही बनी हुई है। गैर-कश्मीरियों और हिंदुओं की हत्या के लिए उसकी क्रूरता समाप्त नहीं हो रही है। जाहिर है, पाकिस्तान भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बदले को भूल गया है। उसे एक बार फिर कराार जवाब देना होगा। दरअसल, इस समय पाकिस्तान अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में चल रहे आजादी के आंदोलन से भी जुझ रहा है। वहां भी उसने निर्ममता बरतते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को भूनने का काम हाल ही में किया है। पाक की ये हरकतें इसलिए भी बरकरार हैं, क्योंकि ईरान हमले में उलझा अमेरिका



उसकी पीठ थपथपाने में लगा है। ऐसे में भारत को अनेक कूटनीतिक कदम उठाकर पाकिस्तान को विवश करना पड़ रहा है। अब जाकर उसे कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका का दो टूक जवाब मिला है। अनुच्छेद-370 हटने के बाद भी हालातों में सुधार नहीं हो पा रहा है, तो इसका एक बड़ा कारण मजहबी कट्टरता पर चोट नहीं कर पाना है। गोया, साफ है कि यह समस्या अब राजनीतिक व संवैधानिक नहीं रह गई है, बल्कि धार्मिक चरमपंथ के रूप में सामने आ रही है। इस हिंसक उन्माद को सोच पाकिस्तान से निर्यात आतंकवाद तो है ही, घाटी में कुकुरमुत्तों की तरह मस्जिदों और मदरसों में फैला, वह शिक्षा का तंत्र भी है, जो आतंक की फसल बोने और उगाने का काम करता है। यही वजह है कि जितने भी इस्लामिक देश हैं, उनमें न तो अल्पसंख्यकों का जनसंख्यात्मक घनत्व बढ़ रहा है और न ही उन्हें नागरिक समानता के अधिकार मिल रहे हैं। कश्मीर में भी जिहादी चाहते हैं कि गैर-मुस्लिम या तो इस्लाम स्वीकार करें या फिर घाटी छोड़ जाएं। मुस्लिमों की इस दोषपूर्ण मंशा को संविधान निर्माण के समय ही डॉ. भीमराव आंबेडकर ने समझ लिया था। शेख अब्दुल्ला ने जब जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने की



संकलित

प्रेरणा



जब अपनों के बीच ही असुरक्षित हो जाए बुढ़ापा

बुढ़ापा जीवन का वह पड़ाव है, जहां व्यक्ति को सबसे अधिक सहारे, सम्मान और अपनत्व की आवश्यकता होती है। जिस माता-पिता ने अपने बच्चों को पालने, पढ़ाने और उन्हें जीवन में आगे बढ़ाने के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया, उसी उम्र में यदि उन्हें अपने ही घर में अपेक्षा, अपमान या असुरक्षा का सामना करना पड़े तो यह केवल एक परिवार की समस्या नहीं रह जाती, बल्कि पूरे समाज के सामने एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। इसी संवेदनशील मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने देश का ध्यान बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा की ओर खींचा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और भरण-पोषण सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए कानून के तहत दृष्टिकूल जरूरत पड़ने पर बच्चों को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने का आदेश दे सकता है। अदालत ने कहा कि बढ़ती उम्र का अर्थ असुरक्षा, अपेक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए।

राजीव शर्मा, हिसार

शुरुआत करीब 6.3 साल पहले हो गई थी। भांग का सेवन लगातार आम होता जा रहा है। कई उपयोगकर्ताओं में भांग से होने वाले मानसिक स्वास्थ्य संबंधी नुकसान इसके किसी भी चिकित्सकीय लाभ से अधिक हो सकते हैं। चिंता, अवसाद या अशान्ति के उपचार में इसके प्रभावी होने के बहुत कम प्रमाण हैं। मनोविकृति ऐसे विकारों का एक समूह है जिसमें व्यक्ति की वास्तविकता को समझने की क्षमता प्रभावित होती है। इसका गंभीर और लंबे समय तक रहने वाला रूप शिजोफ्रेनिया है।

विचार हरिभूमि 8

मांग की तो आंबेडकर ने सख्त लहजे में कहा था कि ‘आप चाहते हो कि भारत कश्मीर की रक्षा करे, कश्मीरियों की आर्थिक सुरक्षा करे, कश्मीरियों को संपूर्ण भारत में समानता का अधिकार मिले, लेकिन भारत और अन्य भारतीयों को आप कश्मीर में कोई अधिकार देना नहीं चाहते ? मैं देश का कानून मंत्री हूं और मैं अपने देश के साथ कोई अन्याय या विश्वासघात किसी भी हालत में नहीं कर सकता हूं।’ विडंबना देखिए कि मुस्लिम समाज देश में हर जगह वृहद हिंदू समाज के बीच अपने को सुरक्षित पाता है, किंतु जहां कहीं भी हिंदू अल्पसंख्यक मुस्लिमों के बीच रह रहे हैं, उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। बावजूद नेहरू के अनावश्यक दखल से कश्मीर को विशेष दर्जा मिल गया। इस भिन्नता का संकट देश बंटवारे से लेकर अब तक भुगत रहा है। यही वजह है कि इस बंटवारे के बाद पाकिस्तान से जो हिंदू, बौद्ध, सिख और दलित शरणार्थी के रूप में जम्मू-कश्मीर में ही ठहर गए थे, उन्हें मौलिक अधिकार धारा-370 हटने के बाद मिल पाए हैं। इनकी संख्या करीब 70-80 लाख है। पहलगाम हमले के बाद जितने भी आतंकी हमले कश्मीर में हुए हैं, उनमें से ज्यादातर की जिम्मेदारी भी टीआरएफ ने ली थी। यह लश्कर-ए-तैयबा का ही एक मुखौटा संगठन है, जो लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों की आतंकी हरकतों की ही अंजाम देता है। भारतीय सेना ने कोटली अब्बास में जिस आतंकी शिविरों को तबाह किया किया था, जिसमें 1500 आतंकीयों को प्रशिक्षण दिया गया था। मुरीदके में जिस मरकज तैयबा को ध्वस्त किया गया था, यहां लश्कर का मुख्यालय माना जाता है। यहीं से मुंबई हमले के प्रमुख आतंकी अजमल कसाब ने प्रशिक्षण लिया था। इस जवाबी कार्यवाही के बाद कश्मीर की कूटनीति अत्यंत सफल दिखाई दी थी, क्योंकि भारत का तत्काल अमेरिका, रूस और जापान ने खुलकर समर्थन किया था। अतएव इसमें कोई दो राय नहीं कि सीमापार स्थित ठिकानों से आतंकी गतिविधियां संचालित करने वाले संगठनों के खिलाफ सेना और सुरक्षाबलों ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। कश्मीर में आतंकी बने रहने का एक कारण यह भी है कि आतंिकियों को मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिम होने के कारण संरक्षण आसानी से मिल जाता है। यही कारण है कि आतंकी बिना किसी शोर-शराबे के मुस्लिम आबादी के बीच घुसपैठ करके हिंदुओं के विरुद्ध लक्षित हिंसा को परिणाम में बदलने में सफल हो जाते हैं। ऐसे हमलों में निंदेष लोग ही मारे जाते हैं। अब अमेरिकी राजनयिक के कथन के बाद संभव है आतंकी हमलों पर अंकुश लगे।

(लेखक वरिष्ठ रसकार हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

भरा गिलास लेकर मंदिर की परिक्रमा

एक महिला रोज मंदिर जाती थी एक दिन उस महिला ने पुजारी से कहा अब मैं मंदिर नहीं आया करूंगी इस पर पुजारी ने पूछा क्यों? तब महिला बोली- मैं देखती हूं लोग मंदिर परिसर में अपने फोन से अपने व्यापार की बात करते हैं कुछ ने तो मंदिर को ही गणशप करने का स्थान चुन रखा है, कुछ पूजा कम पाखंड ज्यादा करते हैं। इस पर पुजारी कुछ देर तक चुप रहे फिर कहा- सही है। परंतु अपना अंतिम निर्णय लेने से पहले आप मेरे कहने से कुछ कर सकती है। महिला बोली- आप बताइए क्या करना है। पुजारी ने कहा- एक गिलास पानी से भरकर लीजिए और 2 बार मंदिर परिसर के अंदर परिक्रमा लगाइए शर्त ये है कि गिलास का पानी गिरना नहीं चाहिए। महिला बोली- मैं ऐसा कर सकती हूं फिर थोड़ी ही देर में उस महिला ने ऐसा कर दिखाया। उसके बाद मंदिर के पुजारी ने महिला से 3 सवाल पूछे- 1) क्या आपने किसी को फोन पर बात करते देखा? 2) क्या आपने किसी को मंदिर मे गपसप करते देखा? 3) क्या किसी को पाखंड करते देखा? महिला बोली- नही मैंने कुछ भी नहीं देखा। फिर पुजारी बोले- जब आप परिक्रमा लगा रही थी तो आपका पूरा ध्यान गिलास पर था कि इस में से पानी न गिर जाए इसलिए आपको कुछ दिखाई नहीं दिया। अब जब भी आप मंदिर आए तो सिर्फ अपना ध्यान परम पिता परमात्मा में ही लगाना फिर आपको कुछ दिखाई ही नही देगा। सिर्फ भगवान ही सर्ववृत्त दिखाई देगा, जब ऐसा होगा तो स्वयं ही कल्पना कर लीजिएगा।



युवा सोशल मीडिया को राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाएं: खंडेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भोपाल में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से किया संवाद

स्वबर संक्षेप

पूर्व राष्ट्रपति शर्मा की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित

भोपाल। महापौर मालती राय ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ शंकर दयाल शर्मा की जयंती के अवसर पर रेतघाट स्थित स्व.डॉ शर्मा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शहर के सपूत पूर्व राष्ट्रपति डॉ.शंकरदयाल शर्मा की विनम्रता, विद्वता एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण राजनीति के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमाध्य नागरिक व स्व. डॉ. शंकरदयाल शर्मा के परिजन मौजूद थे।

भाजपा कार्यालय में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुनी कार्यकर्ताओं की समस्याएं भोपाल। मप्र के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बुधवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से मुलाकात की। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं, शिकायतें एवं जनहित से जुड़े विषय मंत्री के समक्ष रखे। राजपूत ने सभी की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों और विभागों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह राजपूत भी मौजूद रहे। मंत्री राजपूत ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

अस्पताल से भी उपचार के दौरान भागा, तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला-पेड़ा-मरवाही
गौरेला थाना क्षेत्र के भदौरा गांव में शराब के नशे में एक ग्रामीण पड़ोसी के घर में घुसे जहरीले सांप को पकड़कर गले में डालकर काफी देर तक गांव में घूमता रहा। इस दौरान सांप ने उसे कई बार डसा लेकिन नशे की हालत में वह खतरे को गंभीरता से नहीं समझ पाया। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार संतराम भैना शराब के नशे में था। इसी दौरान उसे पता चला कि पड़ोसी के घर में फन वाला जहरीला सांप



हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने बुधवार को भोपाल में “सोशल मीडिया डायलॉग कॉफी विथ स्टेट प्रेसिडेंट” कार्यक्रम में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से संवाद किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सोशल मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो लक्ष्य

निर्धारित किया है, वह केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का सामूहिक संकल्प है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर वर्ग, हर युवा और हर नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। सोशल मीडिया लोगों की राय बनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सोशल मीडिया अब केवल मनोरंजन या सूचना के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह समाज के विचार, व्यवहार और दिशा को प्रभावित करने वाला एक सशक्त माध्यम बन चुका है। युवा सोशल मीडिया को राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाएं। ऐसे में आप सभी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका समाज निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएं

खण्डेलवाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और इसे जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन बनाने में सोशल मीडिया की भूमिका अत्यंत प्रभावशाली है। आप सभी युवा सोशल मीडिया का उपयोग विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में करें। आज एक पोस्ट, एक वीडियो, एक रील या एक सकारात्मक विचार कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। इसलिए सोशल मीडिया के जरिए आप

सभी लोगों की जितनी पहुंच है, देश को विकसित बनाने में आपकी भागीदारी भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। उन्होंने कहा कि हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मकता, और विकास की सोच को आगे बढ़ाया जाए। देश की उपलब्धियों, युवाओं की सफलता, स्टार्ट-अप, तकनीक, शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए।

मैहर में आधुनिक स्टेडियम, सर्व सुविधायुक्त अस्पताल की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार को मैहर जिले में लगभग 256 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 25 विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन भी किया। डॉ यादव ने मैहर के उस्ताद अलाउद्दीन खां स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय लाइली बहना सम्मेलन जिले के अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर उन्होंने मैहर में आधुनिक स्टेडियम और बड़े सर्व सुविधायुक्त अस्पताल निर्माण की घोषणा भी की। डॉ यादव ने जिले की विकास गतिविधियों और कार्यक्रमों तथा योजनाओं की उपलब्धि पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

होमगार्ड आपदा प्रबंधन यंत्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत होमगार्ड द्वारा प्रदर्शित किए गए आपदा प्रबंधन उपकरणों एवं बचाव कार्य में उपयोग होने वाले आधुनिक संसाधनों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान होमगार्ड के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को विभिन्न आपदा प्रबंधन यंत्रों की कार्यप्रणाली एवं उनके उपयोग की जानकारी दी। इन उपकरणों का उपयोग बाढ़, आगजनी, भवन दुर्घटना, सड़क हादसे तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों में किया जाता है।



कार्य में उपयोग होने वाले आधुनिक संसाधनों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

- ▶ मैहर जिले के बदेरा पहाड़ में 132 केवीए का सब स्टेशन बनवाया जाएगा।
- ▶ मैहर में 25 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक स्टेडियम बनवाया जायेगा।
- ▶ लिजली जलाशय का 50 करोड़ रुपये की लागत से नवीनीकरण किया जाएगा।
- ▶ मैहर में एक बड़ा सर्व सुविधायुक्त अस्पताल बनवाया जाएगा।
- ▶ मैहर में 5000 गौवंश क्षमता की बड़ी गौशाला बनेगी।
- ▶ घुनवारा में आईटीआई संस्थान बनेगा, स्कूल का उज्जयन किया जाएगा।
- ▶ आल्हा गायकों की सभी समितियों को 25-25 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

विध्य क्षेत्र के किसानों को मिलेगा बरगी नहर का पानी

राज्य सरकार किसान कल्याण वर्ष में लगातार सिंचाई का रकबा बढ़ा रही है। विध्य क्षेत्र को किसानों को बरगी नहर के पानी का लाभ मिलेगा। किसानों को रात के साथ दिन में भी सिंचाई के लिए बिजली मिलेगी। किसानों की आय बढ़ाने के लिए गौपालन और पशुपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डॉ यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने लोकसभा और विधानसभा में बहनों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए संकल्प पारित किया है।

मां शारदा माता मंदिर में की पूजा-अर्चना

सीएम ने मैहर स्थित विश्वप्रसिद्ध मां शारदा माता मंदिर पहुंचकर विधि-विधानपूर्वक मां शारदा का पूजन-अर्चना किया। उन्होंने मां शारदा के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, एवं कल्याण की कामना की। पूजन के बाद मंदिर प्रबंधन एवं जिला प्रशासन द्वारा मां शारदा का चित्र भेंट कर सम्मान किया गया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, दर्शन व्यवस्था एवं मंदिर परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। मां शारदा की



पावन नगरी मैहर देश-प्रदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मां शारदा का आशीर्वाद प्रदेशवासियों पर सदैव बना रहे और मध्यप्रदेश निरंतर प्रगति एवं विकास के पथ पर आगे बढ़े।

मप्र शासन के चार आईएएस अफसरों के हुए स्थानांतरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल
मप्र शासन ने चार आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। इसमें अपर सचिव स्तर के तीन और उप सचिव स्तर के एक आईएएस अधिकारी शामिल हैं। जारी आदेश के अनुसार, खनिज संसाधन विभाग में अपर सचिव एवं 2012 बैच की आईएएस अधिकारी भारती जाटव ओगरे को उच्च शिक्षा विभाग में अपर सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं वर्ष 2013 बैच की आईएएस अधिकारी एवं गृह विभाग में अपर सचिव मनीषा सैतिया को अपर सचिव पर्यटन विभाग पदस्थ किया गया है। इसी तरह वर्ष 2016 बैच की अधिकारी शुचिस्मिता सक्सेना उप सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को उप सचिव, गृह विभाग भेजा गया है। वर्ष 2017 बैच के अधिकारी विवेक कुमार जो वर्तमान में पदस्थापना के लिए प्रतीक्षारत थे, उन्हें उप सचिव, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग में पदस्थ किया गया है।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष का किया निरीक्षण

बांधों एवं जल संरचनाओं में जल भराव की लगातार करें मॉनिटरिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जलभराव बढ़ोतरी संभव
मुख्य अभियंता मीणा ने जानकारी दी कि वर्तमान मानसून सीजन में अभी तक 583.40 एमएम वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो कि दीर्घावधि औसत की तुलना में 12 प्रतिशत कम है। पूर्वी मध्यप्रदेश में लगभग 14 प्रतिशत कम एवं पश्चिमी मध्यप्रदेश में लगभग 10 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। बैठक में वर्तमान में विभाग अंतर्गत 54 अति महत्वपूर्ण श्रेणी के बांधों की समीक्षा में बताया गया कि बांधों में जल भराव की स्थिति 64 प्रतिशत है, जो कि गतवर्ष 74 प्रतिशत थी। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान अनुसार आगामी दिनों में अच्छी वर्षा के संकेत होने से इन बांधों के जलभराव में वृद्धि होने की पूर्ण संभावना है। वर्तमान में इंदिरा सागर 54 प्रतिशत, गांधी सागर 67 प्रतिशत, बाण सागर लगभग 65 प्रतिशत, बारना 76 प्रतिशत, कोलार 82 प्रतिशत, महान 77 प्रतिशत, राजघाट 86 प्रतिशत, बरगी 86 प्रतिशत, औंकारेश्वर 30 प्रतिशत और तवा 46 प्रतिशत भर चुका है।

पूरी प्रक्रिया की सतत समीक्षा की जा रही

आज की स्थिति में बरगी बांध के 21 में से 09, बिलगांव 09 में से 02 महुअर एवं मटियारी के 06 जलद्वार में से 2-2 जलद्वारों द्वारा सुरक्षित, विभागीय मापदंड अनुसार जल की निकासी की जा रही है। साथ ही पूरी प्रक्रिया की सतत समीक्षा की जा रही है।

शराब के नशे में गले में सांप डालकर घूमता रहा ग्रामीण

घुस गया है। सांप को पकड़ने के लिए वह मौके पर पहुंचा और उसे पकड़कर अपने गले में डाल लिया। इसके बाद वह सांप को गले में लटकाए गांव में घूमता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इस दौरान सांप ने उसे कई बार डसा लेकिन नशे की हालत में वह खतरे को गंभीरता से नहीं समझ पाया। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार संतराम भैना शराब के नशे में था। इसी दौरान उसे पता चला कि पड़ोसी के घर में फन वाला जहरीला सांप

घुस गया है। सांप को पकड़ने के लिए वह मौके पर पहुंचा और उसे पकड़कर अपने गले में डाल लिया। इसके बाद वह सांप को गले में लटकाए गांव में घूमता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इस दौरान सांप ने उसे कई बार डसा लेकिन नशे की हालत में वह खतरे को गंभीरता से नहीं समझ पाया। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार संतराम भैना शराब के नशे में था। इसी दौरान उसे पता चला कि पड़ोसी के घर में फन वाला जहरीला सांप

सोशल मीडिया पर हुआ तेजी से वायरल

अस्पताल से चले जाने के बाद उसकी सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है क्योंकि उसे सांप ने डसा था और समय पर इलाज नहीं मिलने पर स्थिति गंभीर हो सकती है। संतराम के सांप को गले में डालकर घुमने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वह जहरीले सांप को गले में लटकाए दिखाई दे रहा है। इसे देखकर लोग हैरानी जता रहे हैं और इस तरह की हरकत को बेहद जोखिम भरा बता रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जहरीले सांप के काटने के बाद किसी भी हालत में इलाज में देरी नहीं करनी चाहिए। सांप के काटने की स्थिति में तुरंत अस्पताल पहुंचना और चिकित्सकीय निगरानी में रहना जरूरी है।

रियल एस्टेट कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी के छापे

दुर्ग। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने एक साथ दो जगहों पर दबिश दी है। बताया जा रहा है कि टीम ने रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े विश्वास गुप्ता और सजल जैन के आवास पर कार्रवाई शुरू की है। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी और सीआरपीएफ के जवान मौजूद हैं। मिली जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम में एक दर्जन से अधिक अधिकारी शामिल हैं। टीम दोनों कारोबारियों के घरों पर दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि विश्वास गुप्ता और सजल जैन के ठिकानों पर इससे पहले ईओडब्ल्यू और एसबीबी की टीम भी कार्रवाई कर चुकी है।

क्रेन से लोहे की भारी प्लेट उठाते समय बिगड़ा संतुलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग
जिले के पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के हथखोज औद्योगिक इलाके में स्थित सिसकोल प्लांट में बुधवार देर शाम एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया। क्रेन से लोहे की भारी प्लेट उठाकर ले जाने के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ गया और प्लेट नीचे गिर गई। इसकी चपेट में आने से क्रेन ऑपरेटर राजेश निर्मलकर (40) गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद प्लांट के अन्य मजदूरों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की। खास बात यह है कि करीब सात महीने के भीतर इसी प्लांट में क्रेन से लोहे की प्लेट गिरने की यह दूसरी घटना है, जिसके बाद प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सिसकोल प्लांट में देर शाम हुआ बड़ा हादसा, क्रेन ऑपरेटर की दर्दनाक मौत



अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

पुलिस के मुताबिक, धमधा निवासी राजेश निर्मलकर सिसकोल प्लांट में क्रेन ऑपरेटर के रूप में काम करता था। बुधवार शाम क्रेन की मदद से लोहे की प्लेट को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक प्लेट का संतुलन बिगड़ गया और वह क्रेन से फिसलकर नीचे जा गिरा। प्लेट सीधे राजेश के ऊपर जा गिरी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सात महीने पहले भी हो चुका हादसा
सिसकोल प्लांट में इससे पहले भी करीब सात महीने पहले इसी तरह का हादसा हुआ था। उस दौरान लेखराम कौशल (35) की क्रेन से गिरी लोहे की प्लेट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। वह भी क्रेन ऑपरेटर के रूप में काम करता था। दूसरी घटना सामने आने के बाद प्लांट में काम करने वाले मजदूरों ने सुरक्षा इंतजामों को लेकर चिंता जताई है।

पीएम के लैब टू लैंड के आह्वान पर पीडब्ल्यूडी, सीआरआरआई ने किया कार्यशाला का आयोजन

नवाचार तभी सार्थक, जब वह प्रयोगशाला से निकलकर वास्तविक निर्माण स्थल तक पहुंचे: मंत्री सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल
नवाचार तभी सार्थक है, जब वह प्रयोगशाला से निकलकर वास्तविक निर्माण स्थल तक पहुंचे और मैदानी स्तर पर प्रमाणित परिणाम दे। नवीन तकनीकों को पहले पायलट परियोजनाओं एवं परीक्षण खंडों में परखा जाए तथा सफल परिणाम मिलने के बाद उन्हें व्यापक स्तर पर अपनाया जाए। वैज्ञानिक अनुसंधान केवल दस्तावेजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका सीधा लाभ अधोसंरचना परियोजनाओं और आमजन तक पहुंचे। यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बुधवार को सीएसआईआर-एमपीआरआई, भोपाल में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही। कार्यशाला का विषय “सतत अधोसंरचना के लिए नवीनमेभी सामग्री एवं उन्नत कंपोजिट” था। इसका संयुक्त आयोजन सीएसआईआर-सीआरआरआई, नई दिल्ली और सीएसआईआर-एमपीआरआई, भोपाल द्वारा किया गया।



विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र “राजमार्ग अधोसंरचना के लिए नवीनमेभी निर्माण एवं पुनर्वस तकनीक” में सॉल्वेल नैलिंग के साथ बाँक्स-जैकिंग तकनीक तथा सड़क एवं रेलवे अड्डरपास निर्माण पर चर्चा हुई। राजमार्ग जियो-स्ट्रक्चर के पुनर्वास और मैदानी अध्ययन भी प्रस्तुत किए गए। द्वितीय तकनीकी सत्र और तृतीय तकनीकी सत्र में भी विशेषज्ञों ने अनुभव साझा किए एवं तकनीकी प्रस्तुतियां दी गईं।

50 हजार करोड़ रुपए के सड़क कार्य किए जा रहे: भरत यादव

एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक भरत यादव ने बताया कि लोक निर्माण विभाग एवं एमपीआरडीसी द्वारा लगभग 50 हजार करोड़ रुपये के सड़क कार्य किए जा रहे हैं। नवीन तकनीकों को वैज्ञानिक परीक्षण और पायलट प्रयोग में सफल होने के बाद अपनाया जाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसंधान और अभियंताओं के मैदानी अनुभव से टिकाऊ, सुरक्षित एवं किफायती सड़कें विकसित की जाएंगी।

कम लागत वाली स्वदेशी तकनीकें विकसित करनी होंगी

मंत्री सिंह ने कहा कि बढ़ते यातायात, भारी वाहनों, सीमित प्राकृतिक संसाधनों और बदलती जलवायु के बीच हमारा लक्ष्य केवल अधिक सड़कें बनाना नहीं, बल्कि सुरक्षित, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल अधोसंरचना विकसित करना होना चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को स्थानीय संसाधनों पर आधारित

कम लागत वाली स्वदेशी तकनीकें विकसित करनी होंगी। नई तकनीकें गुणवत्तापूर्ण होने के साथ व्यावहारिक और किफायती भी होनी चाहिए। पराली सहित अनुपयोगी सामग्रियों का अधोसंरचना निर्माण में उपयोग कर पर्यावरणीय समस्याओं को उपयोगी संसाधनों में बदला जा सकता है।

शिकायत के निराकरण की समय-सीमा अब चार दिन

मंत्री सिंह ने लोकपथ ऐप-2 की जानकारी देते हुए बताया कि नागरिक सड़क पर गड़बे अथवा क्षति का जियो-टैट फोटो ऐप पर अपलोड कर सकते हैं। शिकायत के निराकरण की समय-सीमा सात दिन से घटाकर चार दिन कर दी गई है। ऐप वैकल्पिक मार्ग, दूरी, टोल टैक्स,

अस्पताल और अन्य सुविधाओं की जानकारी देने के साथ ब्लैक स्पॉट से लगभग 500 मीटर पहले वाहन चालक को सतर्क भी करता है। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण को जल-संरक्षण से जोड़ते हुए सड़कों के किनारे निश्चित दूरी पर रिचार्ज बोर बनाए जाएंगे।

दिमाग पढ़ने वाला एआई आ गया! 4 साल पहले ही बता देगा कि किसे होगा डिप्रेशन

बीजिंग। मेंटल हेल्थ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में एक ऐसा क्रांतिकारी बदलाव आया है जो आने वाले समय में लाखों जिंदगियां बचा सकता है। चीन के शंजोन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा ‘ब्रेन-रीडिंग’ एआई मॉडल डेवलप किया है जो किसी व्यक्ति के चेहरे के हाव-भाव पर मिलने वाले दिमागी रिसर्पन्स को देखकर यह बता सकता है कि उसे आने वाले 4 सालों में डिप्रेशन होगा या नहीं। इतना ही नहीं, यह टेक्नोलॉजी, फ्यूचर में ऐसे ह्यूमनॉइड रोबोट्स बनाने में भी मदद करेगी जो इंसानों के चेहरे की बारीक एक्सप्रेसन्स को देखकर उनके दिल और दिमाग का हाल समझ सकेंगे।

डिप्रेशन का ग्लोबल संकट और चीनी रिसर्च

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया भर में करीब 33 करोड़ 20 लाख लोग डिप्रेशन की बीमारी से जूझ रहे हैं। इनमें से एक-तिहाई लोग ऐसे हैं जिन पर पारंपरिक दवाओं का कोई असर नहीं होता, जिसे ट्रीटमेंट-रेसिस्टेंट डिप्रेशन कहा जाता है। अगर अकेले चीन की बात करें तो नेशनल बिजनेस डेली की रिपोर्ट के अनुसार वहां 9 करोड़ 5 लाख लोग इस गंभीर मानसिक समस्या का सामना कर रहे हैं। इस बड़े खतरे से निपटने के लिए शंजोन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अసిस्टेंट प्रोफेसर लू हान की लीडरशिप में एक टीम ने यह अध्ययन किया है।

जानिए कैसे काम करती है ‘ब्रेन-रीडिंग’ टेक्नोलॉजी

19 की उम्र में स्कैन और 23 में डिप्रेशन का पता

वैज्ञानिकों ने यूरोपीय देशों के कई टीनेजर्स के एक बड़े डेटासेट का प्नालिसिस किया, इस स्टडी में 19 साल की उम्र के युवाओं के दिमाग के एफएमआरआई स्कैन लिए गए। उस समय उनसे ‘इमोशनल-फेस टास्क’ कराया गया जिसमें उन्हें अलग-अलग चेहरे के हाव-भाव दिखाए गए। इसके बाद वैज्ञानिकों ने उनके खून के सैंपल से जेनेटिक डेटा इकट्ठा किया और प्रश्नावली से उनके मानसिक खल्लहार को मापा। जब ये युवा 23 साल के हुए, तब दोबारा उनका फॉलोअप लिया गया। एआई मॉडल ने 19 साल की उम्र के दिमागी स्कैन को देखकर यह बिल्कुल सटीक भविष्यवाणी कर दी थी कि 23 साल की उम्र में किन युवाओं में डिप्रेशन और एंज्जायटी के गंभीर लक्षण डेवलप होंगे।



चेहरे के हाव-भाव और नेगेटिव बायस का खेल

रिसर्चर लू हान के अनुसार, एक इंसान दूसरों के चेहरे के भावों में आ रहे बदलावों को बहुत आसानी से समझ लेता है और उसी हिसाब से रिएक्ट करता है। उदाहरण के लिए, जब कोई सामने से मुस्कुराता है तो सामान्य व्यक्ति भी दोस्ताना व्यवहार दिखाता है। लेकिन डिप्रेशन के खतरे से जूझ रहे लोगों के दिमाग में ऐसा नहीं होता। डिप्रेशन के प्रति संवेदनशील लोग सामने वाले के हल्के भावों को भी ‘नैग्स’ मान लेते हैं। ये हमेशा यह मान बैठते हैं कि सामने वाला इंसान उनसे नाराज है या उन्हें रीजेक्ट कर रहा है।

रोबोट्स का भविष्य

यह रिसर्च केवल डिप्रेशन का इलाज खोजने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोबोटिक्स और एम्बॉडीज इंटेलिजेंट ह्यूमनॉइड्स की दुनिया में नया इक्लाब ला सकती है। अब तक के रोबोटिक एआई सिर्फ चेहरे के एक्सप्रेसन देखकर यह बता पाते थे कि इंसान खुश है या उदास (सिंपल लेबलिंग)। लेकिन, चीनी वैज्ञानिकों का मानना ​​है कि इस नए मॉडल की मदद से रोबोट्स को इंसानी दिमाग की तरह सोचना और देखना सिखाया जा सकता है। भविष्य में इनने वाले रोबोट्स सिर्फ चेहरे के हाव-भाव नहीं देखेंगे, बल्कि इंसान की आंखों के पीछे छिपे असली मूड और न्यूंस किजुअल डिटेल्स को समझ पाएंगे। इससे ऐसे देखात करने वाले रोबोट बनाए जा सकेंगे जो बुजुर्गों और मरीजों का भावनात्मक सहारा बन सकें।

चीन की बुलेट ट्रेन ने 5 सेकंड में पकड़ी 800 किमी की रफ्तार, बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

बीजिंग। चीन में एक एक्सपेरिमेंटल बुलेट ट्रेन ने एक्सप्लोरेशन (तेजी से रफ्तार पकड़ने) का अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस ट्रेन ने पांच सेकंड में जीरो से 800 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी है। इससे अल्ट्रा-हाई-स्पीड ट्रांसपोर्टेशन का रास्ता खुल सकता है। चीन की ये कामयाबी अहम है, क्योंकि वह मैग्लेव के जरिए ना सिर्फ भारत की वंदे भारत जैसी ट्रेन से बहुत आगे निकल गया है, बल्कि विकसित देशों को भी पछाड़ रहा है। ईरिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, भारी-भरकम मैग्लेव ट्रेन हुबेई प्रांत में डोंगु लेबोरेटरी में एक किमी के टेस्ट-ट्रैक पर सिर्फ 5.3 सेकंड में 800 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है। भारत में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने चीन के मैग्लेव ट्रेन के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि कहा है।

मैग्लेव तकनीक से कमाल

मैग्लेव (मैग्नेटिक लेविटेशन) ट्रेन जमीन पर चलने वाली एक एडवांस्ड गाड़ी है। मैग्लेव ट्रेने मैग्नेटिक फोर्स का इस्तेमाल करके पूरी ट्रेन को ट्रैक से थोड़ा ऊपर उठाती है। इससे यह फ्रिक्शन हट जाता है, जो शक्तिभावी इलेक्ट्रोमैग्नेट की मदद से गाइडवे के ऊपर तेरती है। पहिए और पटरों के बीच संपर्क ना होने से घर्षण (फ्रिक्शन) खत्म हो जाता है और ट्रैक के चारों ओर कॉइल से पैदा हुई मैग्नेटिक वेव गाड़ी को बढ़ाती है। इससे तेज रफ्तार बनती है। चीन ने दिखाया कि ट्रेन ना सिर्फ बहुत तेज स्पीड पकड़ती है, बल्कि अपने बैकिक सिस्टम से कंट्रोल होकर रुकती भी है।

तेज रफ्तार ट्रेन बनाने में चीन ने की है काफी तरक्की



कैसे रुकती है ये ट्रेन

चीन के इस ताजा परीक्षण में जीरो से 800 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने के बाद ट्रेन करीब 200 मीटर के दायरे में धीरे-धीरे आराम से रुक गई। छह महीने में यह तीसरी बार था, जब एक ही ट्रेन ने कम दूरी की मैग्लेव एक्सप्लोरेशन का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा था। 1.1 टन की इस ट्रेन का पहला टेस्ट जून 2025 में किया गया था, जब इसने सात सेकंड में 650km प्रति घंटे की स्पीड पकड़कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। मैग्लेव ने बाद के टेस्ट में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

रोचक खबरें

अब 20 दिन में उग आएंगे बाल नहीं रहेगा कोई टकला

ताइपे। गंजेपन की समस्या दुनिया भर में करोड़ों लोगों को परेशान करती है। पुरुष हों या महिलाएं, बाल झड़ने से आत्मविश्वास प्रभावित होता है। बाजार में अनगिनत हेयर ऑयल, शैंपू, दवाइयां और ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं लेकिन ज्यादातर मामलों में संतोषजनक नतीजे नहीं मिल पाते। अब ताइवान के वैज्ञानिकों ने एक नई उम्मीद जगाई है। नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का दावा है कि उन्होंने ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे 20 दिन में बाल उगने शुरू हो सकते हैं। शोध टीम ने पाया कि त्वचा के नीचे मौजूद फैट सेल्स कुछ खास फैटी एसिड छोड़ते हैं जो सुप्त पड़ें हेयर फॉलिकल स्टेम सेल्स को सक्रिय कर देते हैं। उन्होंने मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड जैसे ओलिक एसिड और पामिटोलिक एसिड वाली एक टॉपिकल सीरम बनाई।



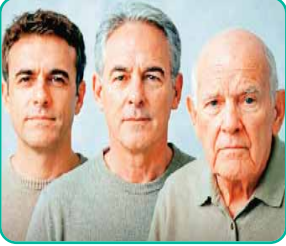
चूहों पर किए गए प्रयोगों में सात दिन में स्टेम सेल्स सक्रिय हुए, दसवें दिन बाल दिखने लगे और करीब 20 दिन में काफी मात्रा में बाल उग आए। यह शोध सेल मेटाबॉलिज्म नामक प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

ला सकता है क्रांति

टीम का नेतृत्व प्रोफेसर सुंग-जन लिन ने किया। उन्होंने बताया कि त्वचा में जलन या चोट लगने पर अक्सर बाल ज्यादा उगते दिखते हैं। इसी ऑब्जर्वेशन से शोध की शुरुआत हुई। जब त्वचा में हल्की जलन होती है तो इम्यून सेल्स फैट सेल्स को संकेत देते हैं और वे फैटी एसिड रिलीज करते हैं। ये एसिड हेयर फॉलिकल स्टेम सेल्स को एनर्जी देते हैं और उन्हें ग्रोथ फेज में ला देते हैं। वैज्ञानिकों ने देखा कि जलन पैदा किए बिना भी सिर्फ इन फैटी एसिड को लगाकर वही असर हासिल किया जा सकता है। ओलिक एसिड और पामिटोलिक एसिड शरीर में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं और कई वनस्पति तेलों में भी मौजूद हैं। इसलिए, इन्हें सुरक्षित माना जा रहा है। शोधकर्ताओं ने सीरम का पेटेंट भी करा लिया है। लैब में मानव हेयर फॉलिकल्स पर भी सकारात्मक नतीजे मिले हैं। अब स्कैल्प पर डोज टेस्टिंग और क्लिनिकल ट्रायल की योजना है। प्रोफेसर लिन ने खुद अपने पैर पर इस सीरम का परीक्षण किया और कुछ बाल उगते देखे। हालांकि, यह छोटी सी सेल्फ टेस्ट थी। विशेषज्ञ साफ कह रहे हैं कि अभी यह मानव सिर पर बड़े पैमाने पर साबित नहीं हुआ है।

एक नहीं, तीन बार बूढ़ा होता है शरुक्स, 34 साल की उम्र में आता है पहला बड़ा बदलाव न्यूयार्क।

आमतौर पर लोग मानते हैं कि इंसान पचास की उम्र पार करने के बाद बुढ़ापे की दहलीज पर पहुंचता है। बाल पकने लगते हैं, रिकन पर झुर्रियां पड़ती हैं और शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। लेकिन, अब विज्ञान ने एक बेहद चौंकाने वाला तथ्य पेश किया है। नए शोध के मुताबिक इंसान अपनी पूरी जिंदगी में तीन बार बूढ़ा होता है। ये उम्र हैं 34, 60 और 78 साल। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह चौंकाने वाली खोज की है। उन्होंने हजारों लोगों के खून के प्लाज्मा का विश्लेषण किया, अलग-अलग उम्र के प्रतिभागियों के सैंपल लेकर उन्होंने पाया कि शरीर



एक समान गति से नहीं बुढ़ाता बल्कि तीन अलग-अलग जैविक चरणों में अचानक बड़े बदलाव होते हैं। इन चरणों में प्रोटीन के बड़े समूह बहुत कम समय में नाटकीय रूप से बदल जाते हैं। शोध के अनुसार 34 साल की उम्र में पहला बड़ा बदलाव आता है। इस उम्र में मेटाबॉलिज्म और मांसपेशियों की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है। शरीर की ऊर्जा बनाने और इस्तेमाल करने की क्षमता में बदलाव आने लगता है। मांसपेशियों की ताकत और रिकवरी पर भी असर पड़ता है। कई लोग इस उम्र में महसूस करते हैं कि पहले जैसी एनर्जी नहीं रही या व्यायाम के बाद थकान ज्यादा होने लगी है। दूसरा बड़ा बदलाव 60 साल की उम्र में होता है। इस चरण में हृदय संबंधी मार्कर्स यानी कार्डियोवैस्कुलर संकेतक अचानक बदल जाते हैं। दिल और रक्त वाहिकाओं की सेहत में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलते हैं। रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल और अन्य हृदय संबंधी पैरामीटर्स में शिफ्ट आता है। यही वजह है कि कई लोग साठ के दशक में अचानक दिल की समस्याओं या थकान का अनुभव करने लगते हैं। तीसरा और अंतिम बड़ा बदलाव 78 साल की उम्र में होता है। इस चरण में इम्यून सिस्टम यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता और संज्ञानात्मक यानी दिमागी कार्यों में तेजी से बदलाव आता है। इम्युनिटी कमजोर पड़ने लगती है और याददाश्त या सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

निकले चौंकाने वाले नतीजे

शोध बताता है कि इन तीन बिंदुओं पर शरीर में प्रोटीन के स्तर अचानक और व्यापक रूप से बदलते हैं। इन खोज इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इससे समझ में आता है कि क्यों कई लोग कहते हैं कि वे ठीक-ठाक महसूस कर रहे थे और फिर अचानक खुद को कुछ महसूस करने लगे। बुढ़ापा धीरे-धीरे रिसने वाली प्रक्रिया नहीं, बल्कि कुछ खास उम्रों में लहरों की तरह आता है। स्टैनफोर्ड के शोधकर्ताओं ने खून के प्लाज्मा में मौजूद प्रोटीन के पैटर्न का अध्ययन करके यह निष्कर्ष निकाला है। प्लाज्मा रक्त का वह हिस्सा है जिसमें कोशिकाएं नहीं होतीं, लेकिन सैकड़ों तरह के प्रोटीन होते हैं। ये प्रोटीन शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। जब इन प्रोटीन के बड़े समूह एक साथ बदलते हैं तो शरीर की कार्यप्रणाली में व्यापक असर पड़ता है। शोध में यही देखा गया कि 34, 60 और 78 के आसपास ऐसे बड़े क्लस्टर परिवर्तन होते हैं।

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी स्थित रेजिंथल गांव के सिद्धि विनायक मंदिर में भगवान गणेश की स्वयंभू मूर्ति का आकार हर साल तिल जितना बढ़ता है। 200 साल पहले छोटी शिला के रूप में प्रकट हुई यह मूर्ति अब 6.5 फीट ऊंची हो चुकी है। मंदिर की एक खास बात इसका दक्षिणमुखी होना भी है। जहां भक्त इसे बप्पा का साक्षात चमत्कार मानते हैं, वहीं कुछ लोग सिंदूर व चोला चढ़ाने के लेप को वजह बताते हैं। गणेश चतुर्थी पर यहां तेलंगाना, महाराष्ट्र व कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। भारत में ऐसे कई ऐतिहासिक मंदिर हैं जो अपने अनूठे इतिहास और चमत्कारों के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में जहीराबाद के पास स्थित रेजिंथल गांव का सिद्धि विनायक मंदिर भी इन दिनों अपनी एक अनोखी और रहस्यमयी मान्यता को लेकर श्रद्धालुओं के बीच गहरी आस्था का केंद्र बना हुआ है। इस मंदिर की सबसे हैरान करने वाली बात यहां स्थापित भगवान गणेश की दिव्य मूर्ति का निरंतर बढ़ता हुआ आकार है।



दक्षिणमुखी मूर्ति और अनूठी मान्यताएं

इस मंदिर की एक और बड़ी विशेषता इसका दक्षिणमुखी होना है। आमतौर पर हिंदू मंदिरों में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख किए होती हैं। दक्षिण की ओर मुख वाली गणेश प्रतिमाएं बेहद दुर्लभ मानी जाती हैं। श्रद्धालुओं का अटल विश्वास है कि दक्षिणमुखी सिद्धि विनायक के दर्शन करने से जीवन के बड़े से बड़े संकट टल जाते हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

स्वेज नहर के पास शिलालेख से मिला सबूत

मिस्र में बड़ी कामयाबी, मिला हजारों साल पहले खोया शहर मसन



का हि रा । पुरातत्वविदों को एक बड़ी काम या बी मिली है। एक हालिया खोज के आधार पर पुरातत्वविदों का मानना ​​है कि उन्होंने मिस्त्र का खोया हुआ शहर ‘मसन’ खोज लिया है। यह प्राचीन मिस्त्र का एक शहर था, जिसका जिक्र 3,000 साल से पहले के लेखों में मिलता है। इसकी जगह का पता लंबे समय से नहीं चल पाया था। अब स्वेज नहर के पास मिले बलुआ पत्थर (सैंडस्टोन) के शिलालेख ने तकरीबन 140 साल पुरानी बहस में नया सबूत जोड़ दिया है। इससे इस बात की संभावना बढ़ी है कि टेल अबू सेफी ही प्राचीन मसन में मसन था। नेशनल न्यूज के मुताबिक, मिस्त्र की एक पुरातत्व टीम को इस्माइलिया प्रांत में स्वेज नहर के पास कंतारा ईस्ट में ‘टेल अबू सेफ’ में इस शहर (मसन) के नाम वाला एक शिलालेख मिला है। यह बलुआ पत्थर के लिंटेल् के एक बड़े टुकड़े पर खुदा हुआ है। दो टुकड़ों में बंटे और तीन तरफ खुदे हुए इस पत्थर पर रामसेस द्वितीय की शाही उपाधियां लिखी हैं। इस शिलालेख ने टेल अबू सेफी को मसन से जोड़ने वाले पुरातत्व और ऐतिहासिक दावों को मजबूत किया है, लेकिन इसकी पुष्टि के लिए अभी और खुदाई और अध्ययन की जरूरत होगी।

कौन थे रामसेस द्वितीय

रामसेस द्वितीय वही फराओ (राजा) था, जिसने 13वीं सदी ईसा

खुदाई से बदलेगा नजरिया

इस खुदाई से इस पूरी जगह की समझने का नजरिया बदल गया है। पहले मिट्टी की ईंटों से बनी एक बड़ी दीवार को मंदिर का हिस्सा माना जाता था। पुरातत्वविदों का अब मानना ​​है कि यह दीवार पूरे मंदिर परिसर को घेरे हुए थी और इसे कई बार बढ़ाया गया था। टीम को कितोबेइ इलाके के बाहर से मंदिर की ओर जाने वाली दो पत्थर की सड़कें भी मिलीं। पहली सड़क ग्रीक शासन के दौरान टॉलेमिक राजवंश के समय बनाई गई थी, जबकि दूसरी सड़क सड़क मिस्त्र के रोमन नियंत्रण में आने के बाद पहली सड़क के ऊपर बनाई गई थी। परिसर के अंदर पुरातत्वविदों ने उत्तर की ओर सामान रखने के कमरे (स्टोरेज रूम), दक्षिण की ओर बड़े सॉलिड रूम और मंदिर के सबसे पवित्र हिस्से यानी गमगृह के अवशेषों की पहचान की।

1887 की खोज में नया पड़ाव

यह सवाल 1887 से चल रहा है, जब ‘टेल अबू सेफी’ में ऐसे पत्थर मिले थे जिन पर रामसेस द्वितीय का नाम और मेसेन के होरस का जुक्त था। जेम्स हॉफमेयर और स्टीफन मोशियर की 2013 की एक स्टडी में बताया गया कि पहले की खुदाई में रामसेस द्वितीय के समय वहां लोगों के रहने का कोई सबूत नहीं मिला था। ये पत्थर शायद पास के टेल हेबुआ से लाए गए थे, जिसे अब ‘जारू’ के तौर पर पहचाना जाता है। मंत्रालय का कहना ​​है कि हाल ही में मिला शिलालेख टेल अबू सेफी वाली थ्योरी में नए सबूत जोड़ता है। इस पहचान की पुष्टि हो जाती है तो मसन को होरस मिलिट्री रोड पर स्थित माना जाएगा। यह मिस्त्र से सिनाई और प्राचीन कनान तक जाने वाला मुख्य सैन्य और व्यापारिक मार्ग था। इससे पुरातत्वविदों को यह समझने में मदद मिलेगी कि देश की पूर्वी सीमा की सुरक्षा और प्रशासन कैसे किया जाता था।

पत्नी के लिए बेचा घर...खड़ कर दिया दुनिया का सबसे बड़ा फूलों का बाग

प्यार की अनूठी मिसाल, दुनिया कर रही है सलाम!



बंजर जमीन को बनाया फूलों की जन्मगत

दोनों (कपल) की पहली मुलाकात 1985 में हुई थी, जब झोउ एक ट्रेनी टूर गाइड थे। 15 साल तक चिट्ठियों के जरिए बातें करने के बाद दोनों ने आखिरकार शादी कर ली। तिब्बत ट्रिप के दौरान भयानक बर्फबारी में फंसे पर झोउ अपनी पत्नी को पीठ पर लादकर गुफा तक ले गए थे, जहां उन्होंने तीन दिन बिताए। पिछ जे मानती हैं कि ऐसे लाफ़्ट पार्टनर के साथ जिंदगी का हर लम्हा खूबसूरत हो जाता है। आज शादी के 35 साल बाद भी ये कपल अपने इस खूबसूरत बाग में पालतू डॉग्स और बिल्लियों के साथ रहता है। कपल के बच्चे नहीं हैं। दोनों हर जन्मदिन और एनिवर्सरी पर एक-दूसरे को हाथ से लिखे खत देते हैं।

समुद्र में इंसानों ने बना दिया कचरे का ‘द्वीप’!

वाशिंगटन। प्रशांत महासागर में इंसानों कचरे का एक भयानक और बड़ा साम्राज्य तैयार हो गया है। हवाई और कैलिफोर्निया के बीच समुद्र की सतह पर 16 लाख वर्ग किलोमीटर में फैले प्लास्टिक के ढेर ने एक बड़े गाबज आइलैंड यानी कचरे के द्वीप का रूप ले लिया है। फ्रांस से भी आकार में तीन गुना बड़े इस इलाके में तैर रहा प्लास्टिक का बड़ा भंडार अब समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। प्रशांत महासागर में क्षेत्र फैले इस कचरे को ग्रेट पैसिफिक गाबेंज पैच या प्लास्टिक का द्वीप कहा जा रहा है। साल 2018 के वैज्ञानिकों के रिसर्च के मुताबिक, यह क्षेत्र करीब 1.6 मिलियन यानी 16 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यह इलाका ब्राजील के पारा राज्य से 28 प्रतिशत दूरी है और फ्रांस के कुल क्षेत्रफल से करीब तीन गुना ज्यादा है। हालांकि, यह कोई ठोस जमीन या महाद्वीप नहीं है, बल्कि पानी की सतह पर तैरा हुआ कचरा है। इसमें प्लास्टिक के जाल, रिसियां, डिब्बे और भारी मात्रा में झोटे प्लास्टिक शामिल हैं।

फ्रांस से भी 3 गुना बड़ा है आकार, अब 700 प्रजातियों के लिए मंडरा रहा बड़ा खतरा



कचरे का वजन और आकार

इस क्षेत्र में अनुमानित 1.8 खरब प्लास्टिक के टुकड़े मौजूद हैं, जिनका कुल वजन लगभग 79 हजार टन है। कुल कचरे के वजन का कम से कम 46 प्रतिशत हिस्सा मछली पकड़ने वाले पुराने जालों का है। साल 2022 में हुई एक रिसर्च के अनुसार, 5 सेंटमीटर से बड़े प्लास्टिक सामानों में 75 से 86 प्रतिशत हिस्सा छोड़े गए या खोए हुए मछली पकड़ने के उपकरणों का है।

नमूनों की जांच के बाद एफएसएसआई ने मप्र में विक्रय घी की गुणवत्ता की पेश की तस्वीर

पतंजलि और गोवर्धन घी सहित 4 ब्रांड के सैपल मानक पर उतरे खरे, बाकी 23 नमूने ‘अमानक’

वाणिज्य प्रतिनिधि ►►भोपाल

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण(एफएसएसआई) ने लिए गए नमूनों की जांच के बाद भोपाल, इंदौर सहित मध्यप्रदेश में विक्रय घी की गुणवत्ता की तस्वीर पेश की है। एफएसएसआई ने अधिकृत खाद्य प्रयोगशालाओं में जांच के बाद जहां पतंजलि घी, गोवर्धन घी सहित चार घी के ब्रांडों को निर्धारित खाद्य मानकों के अनुरूप पाए जाने पर गुणवत्ता की कसौटी पर खरा बताया है। वहीं दूसरी ओर 23 नमूनों में गुणवत्ता संबंधी खामियां पाए जाने पर अमानक, असुरक्षित करार दिया है। एफएसएसआई अधिकृत तीन खाद्य प्रयोगशालाओं में जांच के बाद



पतंजलि घी, गोवर्धन घी, अमूल घी और श्रीधी घी के नमूनों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप परिणाम मिले। इन नमूनों में मिलावट या मानक उल्लंघन की पुष्टि नहीं हुई। अतः खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच रिपोर्ट उजागर करने के बाद गोवर्धन घी सहित अन्य चारों ब्रांड के घी का मानक पर खरा उतरना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ये 23 नमूने निर्धारत मानक के अनुरूप नहीं

एफएसएसआई द्वारा उपलब्ध कराए गए जांच विवरण के अनुसार, अलग-अलग ब्रांड और उत्पादों के कुल 23 घी के नमूने असुरक्षित अथवा अमानक पाए गए। इनमें शगुन, द्वारकेश, दानेदार, भूमि, वास्तु और गोपी श्री घी के अलावा भूमि प्रीमियम प्योर घी, भूमि काऊ प्यूर घी, औरोनी गाय का घी, मिल्क क्रीम घी, श्री सुधा प्रीमियम घी, गुमार प्योर घी, श्री मूल शुद्ध घी, श्री मूल गाय का घी, एसआरएसआई मिर्क देशी घी, नंद कृष्ण घी, गाय का घी, गाय का घी (गौसर्), श्रीमूल एवमार्क घी, गाय का घी और अगिक घी शामिल हैं।

उपभोक्ताओं को भी बरतनी होगी सावधानी

खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन के अभिहित अधिकारी डीके वर्मा ने उपभोक्ताओं को जागरूक उपभोक्ता बनने की सलाह देते हुए कहा कि घी की पैकेजिंग बैच नंबर, निर्माण और एक्सपिरेशन तिथि के साथ एफएसएसआई लाइसेंस संख्या जाचकारी जरूर जांचनी चाहिए। जांच के नतीजे यह भी स्पष्ट करते हैं कि घी की गुणवत्ता को किसी ब्रांड के बजाय संबंधित नमूने और बैच की आधिकारिक जांच रिपोर्ट को आधार बनाया जाना चाहिए।

बीपीसीएल की मप्र के 6 शहरों में ‘भारत गैस लाइट जिप’ सेवा

वाणिज्य डेस्क ►►भोपाल

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने मध्य प्रदेश के भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन और खंडवा में अपनी प्रीमियम एलपीजी सेवा ‘भारतगैस लाइट जिप’ शुरू करने की घोषणा की है। भारतगैस लाइट जिप के तहत ग्राहकों को हल्के वजन वाला कंपोजिट सिलेंडर, इंस्टेंट न्यू कनेक्शन और एक्सप्रेस डिलीवरी की सुविधा मिलेगी। कंपनी के अनुसार, यह सेवा आधुनिक उपभोक्ताओं की बदलती जीवनशैली और सुविधा संबंधी बढ़ती अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। बीपीसीएल का भारतगैस लाइट कंपोजिट सिलेंडर पारंपरिक सिलेंडर की तुलना में हल्का,

जंगरोधी और पारदर्शी है। मप्र में विस्तार बीपीसीएल की देशभर के 100 शहरों में भारतगैस लाइट जिप पहुंचाने की योजना का हिस्सा है। कंपनी ने इस प्रीमियम सेवा की शुरुआत 18 जुलाई 2026 को मुंबई से की थी,

जिसके बाद अब इसे देश के अन्य प्रमुख और तेजी से विकसित हो रहे शहरों तक विस्तार दिया जा रहा है। बीपीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय खन्ना ने कहा कि भारतगैस लाइट जिप कंपनी के एलपीजी कारोबार में व्यापक ग्राहक-केंद्रित बदलाव का हिस्सा है। इसका उद्देश्य केवल सिलेंडर की डिलीवरी तक सीमित न रहकर उपभोक्ताओं को आसना हैंडलिंग, एलपीजी स्तर देखने की सुविधा, सरल कनेक्शन प्रक्रिया और तेज डिलीवरी जैसे विकल्प उपलब्ध कराना है।

पिडिलाइट के रॉफ ने नया कैपेन लांच किया

नई दिल्ली। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के टाइल और स्टोन फिक्सिंग सॉल्यूशन ब्रांड रॉफ ने सही टाइल इंस्टॉलेशन सिस्टम के महत्व को उजागर करने के लिए एक नया टेलीविजन कैपेन लांच किया है। अनोखी और मजेदार कहानी के जरिए तैयार यह कैपेन उपभोक्ताओं को संदेश देता है कि टाइल की मजबूती और लंबे समय तक टिकाऊपन केवल टाइल के चुनाव पर नहीं, बल्कि उसकी सही इंस्टॉलेशन पर भी निर्भर करता है। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर संदीप तनवानी ने कहा कि जैसे-जैसे भारतीय घर और कमर्शियल स्पेस अधिक डिजाइन-ओरिएंटेड और प्रीमियम हो रहे हैं।

टर्टलमिंट ने दर्ज की 49.8 फीसदी की वृद्धि

मुंबई। टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड ने 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही से जुड़े वित्तीय परिणाम की घोषणा की। कंपनी ने मुनाफे के लिहाज से शानदार वृद्धि दर्ज की। टर्टलमिंट के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक और मुख्य, धीरूद महारावशी ने परिणाम के बारे में कहा कि हमारी वृद्धि की गति वित्त वर्ष '27 की पहली तिमाही में भी जारी रही।



सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (विज्ञापन एवं रनिंग बहासीकार्ड इ में दिर गर तथ्यों के बारे में अपने विचारों से निर्गम नें। हरिभूमि समाह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई शिम्मादारी नहीं होगी।

10 साल बाद बदला मध्यप्रदेश की कृषि उपज मंडियों का वर्गीकरण, अब 54 मंडियां पहुंचीं उच्च श्रेणी में

वाणिज्य प्रतिनिधि ►►भोपाल

मध्यप्रदेश में करीब 10 साल बाद कृषि उपज मंडी समितियों का नया वर्गीकरण लागू किया गया है। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने मंडियों की श्रेणी तय करने के लिए उनकी औसत आय और कृषि उपज की औसत आवक को आधार बनाया है। नया वर्गीकरण 19 अगस्त 2026 से प्रभावी हो गया है। इसमें 54 मंडियां अपनी पिछली श्रेणी से ऊपर पहुंची हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंसाना के निर्देशन



में यह प्रक्रिया पूरी की गई। मंडी बोर्ड आयुक्त-सह-प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने 19 अगस्त को इस संबंध में आदेश जारी किया।

मंडी बोर्ड में 530 पदों पर मर्ती एमपीईएसबी परीक्षा से होगा चयन

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड में करीब 530 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई है। इन पदों पर चयन मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (एमपीईएसबी) द्वारा आयोजित ग्रुप-2 उपसमूह-4 संयुक्त भर्ती परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। भर्ती में मंडी व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पद शामिल हैं। एमपीईएसबी के माध्यम से आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 अगस्त है। भर्ती प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए 'सहायक उप निरीक्षक' पद का नाम बदलकर 'उप निरीक्षक' कर दिया गया है। इसी नए पदनाम के तहत भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। एमपीईएसबी के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अगस्त 2026 में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब अर्थार्थियों को परीक्षा की तारीख, प्रवेश-पत्र जारी होने और आगे की चयन प्रक्रिया का इंतजार है। राज्य सरकार के निर्देश और मंडी बोर्ड आयुक्त सह प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम के आदेश के बाद यह भर्ती प्रक्रिया मंडी समितियों में मानव संसाधन मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। चयनित अर्थार्थियों की नियुक्ति के बाद प्रदेश की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में कर्मचारियों की उपलब्धता बढ़ेगी। इससे कृषि उपज की आवक, विपणन, शुल्क वसूली और मंडी से जुड़े प्रशासनिक कार्यों के संचालन में मदद मिलने की उम्मीद है।

259 मंडियां अब चार श्रेणियों में

प्रदेश में वर्तमान में 259 कृषि उपज मंडी समितियां और 298 उपमंडियां संचालित हैं। ज्वलीन व्यवस्था के तहत मंडी समितियों को ए, बी, सी और डी चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। ए वर्ग में 47 मंडियां, बी वर्ग में 63 मंडियां, सी वर्ग में 81 मंडियां,डी वर्ग

में 68 मंडियां, पिछले वर्गीकरण में ए वर्ग में 39, बी वर्ग में 42, सी वर्ग में 56 और डी वर्ग में 122 मंडियां थीं। नई व्यवस्था में जहां ए वर्ग की मंडियां 8 और बी वर्ग की मंडियां 21 बढ़ी हैं, वहीं डी वर्ग की संख्या 122 से घटकर 68 रह गई है।

राशिफल

	परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी।
मेघ	
	कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। व्यर्थ की भागदौड़ बढ़ सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
वृष	
	लाभ में में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।
मिश्रुन	
	सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। मान-सम्मान बढ़ेगा। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है।
कर्क	
	कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।
सिंह	
	आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। मान में निराशा एवं असन्तोष के भाव हो सकते हैं।
कन्या	
	व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। बातचीत में संतुलन बनाये रखें।
तुला	
	पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यभार में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।
वृश्चिक	
	जीवनसाथी से नोकझोंक हो सकती है। कुटुम्ब में मान-सम्मान की प्राप्ति के योग है। लंबी यात्रा पर जाना हो सकता है। सुख के परिणाम मिलेंगे।
धनु	
	व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। खर्चों की अधिकता रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।
मकर	
	नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।
कुम्भ	
	शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। शासन-सत्ता का सहयोग रहेगा। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ेगी। खर्च अधिक रहेगे।
मीन	

शब्द पहेली - 6323									
	1	2		3	4				
5		6	7	8	9	10			
			11		12				
13	14	15		16	17		18	19	
		20	21		22				
			23		24				
25	26			27	28	29			
30			31	32	33	34			
			35		36	37			
38	39		40			41			
42						43			

भंगोलो

बाएँ से दाए-

- ईश्वर, कतार-3
- मुस्कुराहट-3
- ईख-2
- रजनीगंधा -2, 1,2
- समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
- ताकत, दम-2
- अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
- वैतन, पगार-3
- मनोनीत, नामकृत-3
- बंधक, गिरवी वस्तु-3
- निशा, रात्री-3
- वचन, प्रतिज्ञा-3
- श्रीनगर की झील-2
- मूल्य, कीमत-3
- असावधान-3
- धिकार, फटकार-3
- हवा, पवन-3
- ज्ञाशर, कुंभ-3
- चिंतन-3
- संस्कृत में मेरा-2
- मादा का विलोम-2

- कुबेर, भूत-2
- परोपकारी,वित्तेंद्र की एक फिल्म-5
- फलों का राजा-2
- फूल चुननेवाली-3
- घोड़ी की देखभाल करनेवाला-3
- ऊपर से नीचे
- तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
- बेकार-3
- दीवान,खजांची-3
- पेंगंबर, रसूल-2
- झुट, मिथ्या -3
- तेल में पकाना-3
- आराम,मदद-3
- गुलिस्ता-3
- नरकभोगी-5
- खुजली-2
- सखा, दोस्त-2
- मजा, आनंद-2
- स्वदेशवासी-5
- सुई (अंग्रेजी-3)

- विष्णुप्रिया-3
- पुनः वापस-2
- मर्करी,पारद-2
- भोगा हुआ-2
- वक्त,टाईम-3
- अच्छी बुद्धि-3
- निम्नता-3
- मुलायम-3
- बड़ा,विशाल-3
- धनवान-3
- माफी-2
- उम्मीद-2

शब्द पहेली -6322 का हल

क	ख	आ	इ	स	क	ग
र	क	कु	र	ग	सा	जा
म	स	ल	वि	वी	र	य
स	कि	य	वा	श	ब	म
वा			न		वा	
ग	श	क	र	ण	ध	र
ही	न		ता			
ते	ता	र	य	न	र	ह
ह	स	जा	गु	क	म	का
ब	लि	क	हा	नी	का	र
ह	मी	त	म	न	नी	ल

मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम लि., भोपाल
Phone : RGM Jabalpur-0761-4017345, RGM Bhopal-0755-2674298
Please visit our Website : www.mpsfdc.com
CIN:U02001 MP 1975 SGC 001341

सर्वसाधारण के सूचनार्थ वनोपज परिवहन सूचना 2026-2027

म.प्र. राज्य वन विकास निगम के परियोजना मंडलों के विभिन्न परिवहन समूहों से इमारती काष्ठ, जलाकू चड़े एवं बांस के विभिन्न स्पाई काष्ठगारों/अस्थायी काष्ठगारों में ट्रक/ट्रेक्टर से परिवहन हेतु, प्रत्येक समूह के लिये, निर्धारित फार्म में पृथक-पृथक सीलबंद निविदाएं विम्नानुसार आमंत्रित हैं :-

निविदाओं	निविदा जमा करने की तिथि/समय	संबंधित क्षेत्रीय
का दौर	संभागीय प्रबंधक कार्यालय में	क्षेत्रीय मुख्यमहाराप्रबंधक कार्यालय में
प्रथम	दिनांक 10.09.2026 4 बजे सायं तक	दिनांक 11.09.2026 2 बजे दोपहर तक
द्वितीय	दिनांक 17.09.2026 4 बजे सायं तक	दिनांक 18.09.2026 2 बजे दोपहर तक
तृतीय	दिनांक 24.09.2026 4 बजे सायं तक	दिनांक 25.09.2026 2 बजे दोपहर तक

नोट :- (1) सत्यंकार राशि के रूप में राशि रु. 3000/- (रु. तीन हजार) का बैंक ड्राफ्ट जो किसी अनुसूचित बैंक द्वारा जारी किया गया हो, एवं संभागीय प्रबंधक के पक्ष में उनके मुख्यालय की स्थानीय बैंक में डेय हो। (2) निर्धारित फार्म संबंधित संभागीय प्रबंधक कार्यालय में रु. 100/-जमा करने पर दिनांक 21.08.2026 से किसी भी कार्यालयीन दिवस एवं समय में प्राप्त किये जा सकते हैं। (3) विस्तृत निविदा जिन शर्तों के सहित माय्य होगी उनका उल्लेख निविदा फार्म में है और उन शर्तों की पूर्ति न किये जाने की स्थिति में निविदा स्वीकार नहीं किये जाने का अधिकार संबंधित संभागीय प्रबंधक को होगा। (4) वनोपज की परिवहन अवधि 31 मार्च, 2027 तक रहेगी एवं ठेका अवधि 30 अप्रैल, 2027 तक रहेगी। (5) दिनांक 25.09.2026 को तृतीय दौर निविदा के खुलने के पश्चात् उसी दिन अवधि समूहों का नीलाम द्वारा निर्वर्तन किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/127658/2026

प्रबंध संचालक

सूडोको नक्ताल - 6333									
	9			6					
	1				2				
5			7			3			
			4					6	
4		3					9		
		7				9		8	
	2						1		
		3					4		
सूडोको नक्ताल - 6332 का हल									
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जहां आवश्यक हो।									
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।									
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।									
■ पहेली का केवल एक ही हल है।									
6	5	8	9	4	1	2	7	3	
1	2	7	3	5	8	6	4	9	
3	4	9	1	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7	
8	9	5	2	7	3	4	1	6	
4	7	1	6	8	9	3	2	5	
7	6	4	5	3	1	8	9	2	
9	8	2	4	6	7	5	3	1	
5	1	3	8	9	2	7	6	4	

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)					
प्रथम निविदा सूचना					
निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in की पर देखा जा सकता है।					
क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Tender Id - 2026_UAD_5302301 PRO - 486 DATE - 20/08/2026	संभाग क्रमांक 02 कछपरा के अंतर्गत विभिन्न आवश्यक कार्य किए जाने बाबत	08 माह 8.47 लाख	2000 8474	07/09/2026
नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा				कार्यपालन यंत्री, नगर पालिक निगम जबलपुर	

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मध्य प्रदेश,

ए-विंग, द्वितीय तल, वन भवन, तुलसी नगर, लिंक रोड नं.- 2 भोपाल

कक्ष - (संयुक्त वन प्रबंध)

शहीद अमृता देवी विश्वनोई पुरस्कार, 2023-24

ई-मेल : apccffm@mp.gov.in
फोन नं. 0755-2524197

मध्य प्रदेश शासन, वन विभाग द्वारा मध्य प्रदेश में वन रक्षा और संवर्धन तथा वन्य जीव रक्षा एवं संवर्धन के क्षेत्र में अति विशिष्ट और उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं और शासकीय, अशासकीय व्यक्तियों को पुरस्कृत करने के लिये शहीद अमृता देवी विश्वनोई पुरस्कार 2023-24 हेतु नामांकन आमंत्रित किये जाते हैं। पुरस्कार वर्ग, कार्यक्षेत्र एवं पुरस्कार राशि की जानकारी नीचे तालिका में दी गयी है :-

क्रं	पुरस्कार वर्ग	कार्य क्षेत्र	पुरस्कार
1.	संस्थागत-ग्राम पंचायत, संयुक्त वन प्रबंध के अंतर्गत गणित समितियां, अशासकीय स्वयंसेवी संस्थान ।	वन सुरक्षा एवं वन संवर्धन में उत्कृष्ट कार्य	रु. 1.00 लाख तथा प्रशस्ति पत्र
2.	व्यक्तिगत (अशासकीय)	अ. वन सुरक्षा एवं वन संवर्धन में उत्कृष्ट कार्य	रु. 50 हजार तथा प्रशस्ति पत्र
	व्यक्तिगत (शासकीय)	ब. वन्य प्राणियों की सुरक्षा में उल्लेखनीय कार्य, अदम्य साहस एवं सुझबुझ का प्रदर्शन)	रु. 50 हजार तथा प्रशस्ति पत्र
3.	व्यक्तिगत (शासकीय)	अ. वन सुरक्षा एवं वन संवर्धन में उत्कृष्ट कार्य	रु. 50 हजार तथा प्रशस्ति पत्र
	व्यक्तिगत (शासकीय)	ब. वन्य प्राणियों की सुरक्षा में उल्लेखनीय कार्य (अदम्य साहस एवं सुझबुझ का प्रदर्शन)	रु. 50 हजार तथा प्रशस्ति पत्र

पूर्व में प्रकाशित विज्ञापन के द्वारा दिनांक 23.05.2026 तक प्रस्ताव चाहे गये थे, किन्तु पर्याप्त प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः अधिक से अधिक प्रस्ताव प्राप्त करने हेतु अधिसूचना में वृद्धि की जा रही है, जो व्यक्ति एवं संस्थाएं पूर्व में पुरस्कार हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत कर चुके हैं, उन्हें पुनः प्रस्ताव प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है। अनेक द्वारा एवं प्रेक्षित प्रस्ताव भी मान्य किये जायेंगे। विस्तृत जानकारी तथा नामांकन पत्र का प्रारूप मध्य प्रदेश में स्थित निम्नलिखित वन विभाग के मुख्य वन संरक्षक, वनमण्डलाधिकारी (क्षेत्रीय) एवं वन्यप्राणी शाखा के क्षेत्र संचालक टायगर रिजर्व कार्यालय या वन विभाग, मध्य प्रदेश की वेबसाइट www.mpforest.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्र के नामांकन जिला पंचायत / जनपद पंचायत की अनुशंसा सहित वन संरक्षक (क्षेत्रीय) एवं मण्डलाधिकारी (क्षेत्रीय) एवं वन्यप्राणी शाखा के क्षेत्र संचालक टायगर रिजर्व को भेजे जायेंगे। निर्धारित कार्य पर भरोसा न होने पर नामांकन संबंधित क्षेत्र के वन संरक्षक (क्षेत्रीय) एवं मण्डलाधिकारी (क्षेत्रीय) एवं वन्यप्राणी शाखा के क्षेत्र संचालक टायगर रिजर्व के कार्यालय में पांच प्रतियों में दिनांक 21.09.2026 को सांख्यिका 05.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सं.व.प्र.)
मध्य प्रदेश, भोपाल
फोन नं. - 0755-2524197

G-17364/26

जंतु जगत / शिखर चंद जैन

मानसून में प्राकृतिक सुंदरता बढ़ाने वाले ये ख़ूबसूरत कीट-पतंग

बच्चों, मानसून के दौरान प्रकृति का सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है। तरह-तरह की वनस्पतियों के साथ-साथ कई रंग-बिरंगे कीट-पतंगों भी प्रकृति की सुंदरता को और मनमोहक बना देते हैं। जानो, इन ख़ूबसूरत कीट-पतंगों के बारे में।

किसानों का मित्र कीट लेडीबग (गुबरेला)

यह छोटे गुंबद के आकार का होता है, जिसके लाल या चमकीले नारंगी पंखों पर काले रंग के छोटे-छोटे धब्बे होते हैं। किसानों के लिए यह एक मित्र कीट है, क्योंकि मानसून में फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले छोटे कीड़ों को यह खा लेता है। यह बगीचों, कृषि क्षेत्रों, घास के मैदानों और घने जंगलों में पौधों पर पाया जाता है। यह संपूर्ण भारत के कृषि प्रधान राज्यों (जैसे- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र) के खेतों और घरों के बगीचों में पौधों की पत्तियों पर आसानी से मिल जाते हैं।*

इसका शरीर धातु की तरह चमकता है। इसे 'मानसून का रत्न' भी कहा जाता है। यह कई रंगों का दिखता है, जिसमें हरा, नीला और सुनहरा रंग मुख्य हैं। खतरे का अहसास होने पर यह अपनी सुरक्षा के लिए एक तीखी गंध छोड़ता है। यह मूल रूप से उष्णकटिबंधीय सदाबहार, पर्णपाती जंगलों और घनी झाड़ियों वाले इलाकों में पाया जाता है। भारत में यह पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों (असम, मेघालय) और हिमालय की निचली पहाड़ियों के नम और हरे-भरे जंगलों में पौधों की पत्तियों के झुरमुट में पाया जाता है।*

मानसून का रत्न ज्वेल बग

इसका शरीर धातु की तरह चमकता है। इसे 'मानसून का रत्न' भी कहा जाता है। यह कई रंगों का दिखता है, जिसमें हरा, नीला और सुनहरा रंग मुख्य हैं। खतरे का अहसास होने पर यह अपनी सुरक्षा के लिए एक तीखी गंध छोड़ता है। यह मूल रूप से उष्णकटिबंधीय सदाबहार, पर्णपाती जंगलों और घनी झाड़ियों वाले इलाकों में पाया जाता है। भारत में यह पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों (असम, मेघालय) और हिमालय की निचली पहाड़ियों के नम और हरे-भरे जंगलों में पौधों की पत्तियों के झुरमुट में पाया जाता है।*

जीवित माणिक जैसा रेड वेलेट माइट (बीर बहूटी)

मखमली गहरे लाल रंग का यह बेहद छोटा कीट दिखने में एक जीवित माणिक जैसा लगता है। इसे 'बारिश की दुल्हन' भी कहा जाता है। यह इसानी की नुकसान नहीं पहुंचाता और मिट्टी को उपजाऊ बनाने में मदद करता है। यह मुख्य रूप से शुष्क और अर्ध-शुष्क रेतीले क्षेत्रों की मिट्टी में गहराई में पाया जाता है। भारत में यह राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाकों में पाया जाता है।*

जादुई रोशनी से रोशन करने वाला जुगनू

मानसून की रातों के अंधकार को जुगनू अपनी जादुई रोशनी से रोशन कर देते हैं। महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट के इलाकों में लाखों जुगनू पेड़ों पर एक साथ चमकते हैं, जिससे जादुई नजारा दिखता है। जुगनू अपने साथी को आकर्षित करने के लिए रोशनी पैदा करता है। जुगनू प्रायः अत्यधिक नमी, घने जंगल, नदियाँ और दलदली किनारों वाले शांत वातावरण में पाए जाते हैं।*

हर कोण से अलग रंग का दिखता ज्वेल बीटल

इसके शरीर का रंग देखने वाले के कोण के हिसाब से बदलता हुआ महसूस होता है। इसके पंखों का ऊपरी आवरण इतना कड़ा और चमकदार होता है कि पुराने समय में इसका उपयोग गहनों और शाही कपड़ों को सजाने में किया जाता था। यह मूल रूप से घने जंगलों और लकड़ी के गोदामों में पाया जाता है, जहां पुरानी, सड़ी-गली या सूखी लकड़ियां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। भारत में यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पूर्वोत्तर के जंगलों और दक्षिण भारत के नीलगिरि तथा पश्चिमी घाट के जंगलों में पेड़ों की छालों पर चमकते हुए पाया जाता है।*

कविता / शिवचरण चौहान

मनमानी करते हैं बादल

अरी हवा आओ री आओ।
मनमानी करते हैं बादल
कान पकड़ इनको समझाओ।।
नहीं किसी की ये सुनते हैं।
मनमानी राहें चुनते हैं।
रूमको यह दिखते हैं पागल
पागल खाने इन्हें पठाओ।।
अरी हवा आओ री आओ।।
खेत, गांव, घर डूब रहे हैं।

पर ये हंस-गा खूब रहे हैं।
गार थपेड़े दूर इन्हें ले
रेगिस्तानों में बरसाओ।।
कान पकड़ इनको समझाओ।।
अति दर जगह बुरी है होती।
प्रेम भिटा बस नफरत होती।
अतिवादी हैं मेघ आज के
हवा बरन इनको समझाओ।।
अरी हवा आओ री आओ।।

हंसगुल्ले

गाप्पू: मेरी बिल्ली अपना नाम खुद बोल सकती है।
पाप्पू: अरे! क्या नाम है तुम्हारी बिल्ली का?
गाप्पू: ग्याऊं।
-सविन, बिलासपुर
राजू, रमन, रोहन एक ही साइकिल पर लिफ्ट ले लें।

बैकटर जा रहे थे। एक ट्रैफिक पुलिस वाले अकल ने रोक लिया।
राजू: सौरी अकल सौरी! साइकिल पर और जगह नहीं है। लीज आप किसी और से -रागिनी, जबलपुर

हंसगुल्ले

गाप्पू: मेरी बिल्ली अपना नाम खुद बोल सकती है।
पाप्पू: अरे! क्या नाम है तुम्हारी बिल्ली का?
गाप्पू: ग्याऊं।
-सविन, बिलासपुर
राजू, रमन, रोहन एक ही साइकिल पर लिफ्ट ले लें।

बैकटर जा रहे थे। एक ट्रैफिक पुलिस वाले अकल ने रोक लिया।
राजू: सौरी अकल सौरी! साइकिल पर और जगह नहीं है। लीज आप किसी और से -रागिनी, जबलपुर

जीके विजज-219

1.कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी कौन बनी है?
2.भारत के वर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कौन हैं?
3.भारत की सर्वाधिक ऊंचाई वाली वन्यजीव सफारी किस शुरु की जाएगी?
4.चीनी यात्री हेनसांग किसके शासनकाल में भारत आए थे?
5.राष्ट्रीय खेल दिवस कब मनाया जाता है?
6.सौरमंडल में कुल कितने ग्रह हैं?
7.सबसे हल्की धातु कौन-सी है?
8.पानी किस तापमान पर जमकर बर्फ बन जाता है?
9.पृथ्वी का सबसे ठंडा महाद्वीप कौन-सा है?
10.विश्व का सबसे बड़ा द्वीप (आईलैंड) कौन-सा है?

बच्चों, जीके विजज-219 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर भेज कर सकते हो।

जीके विजज-218 का उत्तर : 1.सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ से, 2.बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, 3.1857 ई., 4.सुभाष चंद्र बोस, 5.जनरल एन.एस. राजा सुब्रमण्य, 6.चंपारण (बिहार), 7.1920 ई., 8.भारत छोड़ो आंदोलन, 9.52 सेंकेड्स, 10.सी. राजगोपालाचारी

जीके विजज-218 का सही उत्तर देने वाले : रचित-हिसार, कोमल-रायपुर, तान्या-बलौदा बाजार, नवनीत-रोहतक, प्रज्ञा-बिलासपुर, तेजस-महासमुंद

जंतु जगत / शिखर चंद जैन

मानसून में प्राकृतिक सुंदरता बढ़ाने वाले ये ख़ूबसूरत कीट-पतंग

बच्चों, मानसून के दौरान प्रकृति का सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है। तरह-तरह की वनस्पतियों के साथ-साथ कई रंग-बिरंगे कीट-पतंगों भी प्रकृति की सुंदरता को और मनमोहक बना देते हैं। जानो, इन ख़ूबसूरत कीट-पतंगों के बारे में।

किसानों का मित्र कीट लेडीबग (गुबरेला)

यह छोटे गुंबद के आकार का होता है, जिसके लाल या चमकीले नारंगी पंखों पर काले रंग के छोटे-छोटे धब्बे होते हैं। किसानों के लिए यह एक मित्र कीट है, क्योंकि मानसून में फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले छोटे कीड़ों को यह खा लेता है। यह बगीचों, कृषि क्षेत्रों, घास के मैदानों और घने जंगलों में पौधों पर पाया जाता है। यह संपूर्ण भारत के कृषि प्रधान राज्यों (जैसे- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र) के खेतों और घरों के बगीचों में पौधों की पत्तियों पर आसानी से मिल जाते हैं।*

इसका शरीर धातु की तरह चमकता है। इसे 'मानसून का रत्न' भी कहा जाता है। यह कई रंगों का दिखता है, जिसमें हरा, नीला और सुनहरा रंग मुख्य हैं। खतरे का अहसास होने पर यह अपनी सुरक्षा के लिए एक तीखी गंध छोड़ता है। यह मूल रूप से उष्णकटिबंधीय सदाबहार, पर्णपाती जंगलों और घनी झाड़ियों वाले इलाकों में पाया जाता है। भारत में यह पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों (असम, मेघालय) और हिमालय की निचली पहाड़ियों के नम और हरे-भरे जंगलों में पौधों की पत्तियों के झुरमुट में पाया जाता है।*

मानसून का रत्न ज्वेल बग

इसका शरीर धातु की तरह चमकता है। इसे 'मानसून का रत्न' भी कहा जाता है। यह कई रंगों का दिखता है, जिसमें हरा, नीला और सुनहरा रंग मुख्य हैं। खतरे का अहसास होने पर यह अपनी सुरक्षा के लिए एक तीखी गंध छोड़ता है। यह मूल रूप से उष्णकटिबंधीय सदाबहार, पर्णपाती जंगलों और घनी झाड़ियों वाले इलाकों में पाया जाता है। भारत में यह पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों (असम, मेघालय) और हिमालय की निचली पहाड़ियों के नम और हरे-भरे जंगलों में पौधों की पत्तियों के झुरमुट में पाया जाता है।*

जीवित माणिक जैसा रेड वेलेट माइट (बीर बहूटी)

मखमली गहरे लाल रंग का यह बेहद छोटा कीट दिखने में एक जीवित माणिक जैसा लगता है। इसे 'बारिश की दुल्हन' भी कहा जाता है। यह इसानी की नुकसान नहीं पहुंचाता और मिट्टी को उपजाऊ बनाने में मदद करता है। यह मुख्य रूप से शुष्क और अर्ध-शुष्क रेतीले क्षेत्रों की मिट्टी में गहराई में पाया जाता है। भारत में यह राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाकों में पाया जाता है।*

जादुई रोशनी से रोशन करने वाला जुगनू

मानसून की रातों के अंधकार को जुगनू अपनी जादुई रोशनी से रोशन कर देते हैं। महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट के इलाकों में लाखों जुगनू पेड़ों पर एक साथ चमकते हैं, जिससे जादुई नजारा दिखता है। जुगनू अपने साथी को आकर्षित करने के लिए रोशनी पैदा करता है। जुगनू प्रायः अत्यधिक नमी, घने जंगल, नदियाँ और दलदली किनारों वाले शांत वातावरण में पाए जाते हैं।*

बच्चों, क्या तुमने कभी सोचा है कि भारत में गाड़ियां सड़क के बाईं ओर क्यों चलती हैं, जबकि अमेरिका, फ्रांस सहित कई पश्चिमी देशों में दाईं ओर! क्या यह सिर्फ नियम है या इसके पीछे कोई इतिहास है?

भारत में बाईं, अमेरिका में दाईं तरफ क्यों चलते हैं वाहन

जानकारी

रजनी अरोड़ा

बच्चों, हॉलीवुड फिल्मों में अकसर यह दिखाई देता है कि वहां सड़क की दाईं तरफ कारें चलती हैं। जबकि हमारे देश में सड़क की बाईं तरफ चलने का नियम है। आखिर भारत में बाईं और अमेरिका सहित कई यूरोपीय देशों में दाईं तरफ वाहन क्यों चलते हैं?

बाईं ओर चलने का प्राचीनकालीन नियम: प्राचीन काल में जब कारें नहीं थीं, घोड़े और बगियां हुआ करती थीं। तब खासकर रोमन साम्राज्य में लोग सड़क के बाईं ओर चलते या सवारी करते थे। इसके पीछे एक बहुत व्यावहारिक कारण था। चूंकि ज्यादातर लोग दाएं हाथ से काम करते थे, इसलिए वे अपनी तलवार बाईं ओर कमर पर रखते थे ताकि उसे आसानी से दाएं हाथ से निकाला जा सके। सड़क के बाईं ओर चलने से उनका दाहिना हाथ, यानी तलवार वाला हाथ सामने से आने वाले किसी भी संभावित खतरे या दुश्मन की ओर रहता था। इससे आत्मरक्षा करना आसान होता था।

नेपोलियन ने लागू किया दाईं तरफ चलने का नियम: नेपोलियन खुद बाएं हाथ से काम करता था। वह ब्रिटेन एवं अपने अन्य दुश्मन देशों में प्रचलित बाईं ओर चलने वाले नियम को तोड़ना भी चाहता था। 18वीं शताब्दी के अंत में फ्रांसीसी क्रांति के बाद, नेपोलियन ने अपने शासन वाले क्षेत्रों में दाईं ओर चलने का नियम लागू किया। नेपोलियन की दूसरे देशों में विजय हासिल करने के साथ दाईं ओर चलने का नियम फ्रांस, जर्मनी, स्पेन और यूरोप के कई अन्य हिस्सों में लागू हो गया।

बाईं ओर चलने का ब्रिटिश-इंडिया कनेक्शन: जब यूरोप के बड़े हिस्से में दाईं ओर चलने का नियम फैल रहा था, ब्रिटेन अपनी बाईं ओर चलने की परंपरा पर कायम रहा। 1835 में ब्रिटिश सरकार ने हाईवे एक्ट के जरिए बाईं ओर चलने को पूरे ब्रिटिश साम्राज्य के लिए एक आधिकारिक कानून बना दिया। चूंकि भारत उस समय एक ब्रिटिश उपनिवेश था, इसलिए यह कानून यहां भी लागू हुआ। आज भी भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका जैसे अन्य पूर्व ब्रिटिश उपनिवेशों में गाड़ियां बाईं ओर चलती हैं।*

कहानी समीर गांगुली

काफी देर से अन्नू चूहे के पीछे पड़ा हुआ था। उसकी आंखें चूहे की आंखों से मिली तो उसने सोचा, अगर उसे हिनोटाइन करना आता तो वह इस पाजी चूहे को आदेश देता, 'चुपचाप चूहेदानी में चले आओ या कान पकड़ कर इस घर से दफा हो जाओ।' तभी कालबेल बज उठी, टिक-टिक-टिक। मेहमान के नाम पर जो तीन 'हैलो' कहकर घर के अंदर आ चुके, उन्हें अन्नू ने कभी देखा तो दूर, उनके बारे में न तो कभी सुना था और न ही वैसे प्राणियों के विषय में कल्पना ही की थी। 'मैं बिल हूं। डेल्टा ग्रह से आया हूं।' एक ने कहा, जिसका रंग गुलाबी था और आंखें हिरण जैसी लंबी-लंबी थीं। 'मैं ली हूं। मैं नीरो ग्रह से आई हूं।' चांदी जैसे चमकीले बालों और चपटे नाक वाली लड़की ने बड़ी ही प्यारी आवाज में अपना परिचय दिया। 'और मैं जैव हूं। लैलेजो ग्रह मेरा घर है।' तीसरा बोला, जो काफी काला था, उसके कान खरगोश की तरह ऊपर उठे हुए थे। 'हम रास्ता भटक कर यहां आ गए हैं, और सबसे छिपते-छिपाते यहां तक आ पहुंचे हैं।' बिल ने बताया। 'शुक्रिया दोस्त! मैं भूखा हूं, कुछ खाने को दोगे?' सोफे पर पसरते ही जैव बोला। 'हां-हां, क्यों नहीं। फल है, ब्रेड है, फ्रिज में बिरयानी भी है, जो भी खाना चाहो।' अन्नू ने कहा। 'ये सब मेरे मतलब का नहीं दोस्त। क्या तुम्हारे यहां कुछ पुरानी फ्रूट्स लगी लकड़ियां और जंग लगे लोहे के पाइप-पट्टियां वगैरह नहीं हैं?' जैव ने पूछा। 'स्टोर रूम में यही सब तो भरा पड़ा है, जिसको फेंक कर मम्मी स्टोर रूम को खाली करने के लिए पापा को कह-कह कर हार गई है।' यह कहते हुए अन्नू स्टोर रूम की ओर बढ़ा और उसने उसका दरवाजा खोल दिया। हैरत से जैव की तरफ देखने लगा कि वह कैसे इन्हें खाएगा? 'अरे तुम्हारा वीडियो तो खराब पड़ा है। कोई औजार है तो ठीक कर दू।' बिल ने कहा। घर में कोई औजार नहीं था, इसलिए बिल एक चाकू, एक चिमटे और एक नेलकट के भरोसे ही वीडियो को खोल कर बैठ गया और पुर्जे-पुर्जे अलग करने लगा। ली को घर में धमा-चौकड़ी मचाते चूहे और कॉकरोच इतने पसंद आए कि वह पकड़-पकड़ कर उनकी सुंदरता पर भाषण झाड़ने लगी। और जब अन्नू ने उससे कहा कि अगर चाहे तो वह उन्हें साथ ले जा सकती है, तो ली की खुशी का ओर-छोर ही न रहा। ली को पूरा विश्वास था कि उसके ग्रह के लोग इन अजीब जंतुओं को देखकर चौंक ही पड़ेंगे और इन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ टूट पड़ेगी। चटकारे ले-लेकर लोहा-लकड़ खाते जैव ने अन्नू से कहा, 'अगर तुम्हारे स्टोर रूम में रखी उच्च प्रोटीन और विटामिन युक्त चीजें फेंकने के लिए ही हैं तो मैं उन्हें अपने साथ अपने ग्रह में ले जाऊंगा।' बिल कुछ नहीं बोला। वह चुपचाप वीडियो मरम्मत करने में जुटा रहा। थोड़ी देर बाद जब उसने हाथ झाड़कर वीडियो का बटन दबाया तो अन्नू का चकित हो उठना स्वाभाविक था। इतनी साफ तस्वीर और आवाज तो किसी नए वीडियो में भी अन्नू ने नहीं देखी, सुनी थी। और जब दोपहर ढलने लगी तो वे उससे विदा लेकर, फिर किसी दिन मौका पाकर आने का वादा करके चले गए। अन्नू को उन्होंने यह नहीं बताया कि वे कैसे लौटेंगे? उनके जाने के बाद अन्नू कुछ देर को सो गया। सोकर उठने के बाद उसे भ्रम होने लगा कि कहीं उसने सपना तो नहीं देखा है। इसी बीच मम्मी-पापा भी आ गए। उन्होंने वीडियो को चलता देखा तो बड़े हैरान हुए, क्योंकि वीडियो मैकेनिक तो अभी उन्हें बाजार में मिला था और वह आज न आ पाने का अफसोस प्रकट कर रहा था। मम्मी किचन में घुसी तो रोज की तरह चूहे-कॉकरोच की भगदड़ न देख वह भी चकराई। पापा स्टोर रूम खोलते ही चिल्ला उठे, 'अरे अन्नू बेटे, यह सफाई क्या तुमने की है?' भले, दयालु और समझदार अन्नू के चेहरे पर एक गर्व भरी मुस्कराहट उभर आई और वह सोचने लगा कि क्या उसके मम्मी-पापा इतने बड़े सच पर यकीन भी कर पाएंगे!*

तुम्हारे लिए किताब / विज्ञान भूषण

मनोरंजन के साथ सीख देती कहानियां

बच्चों, कुछ समय पहले दस बाल कहानियों की किताब छपकर आई है—जीतने की शर्त। इसकी लेखिका हैं उषा सोमानी। इन कहानियों में से कुछ तुम्हारा मनोरंजन करेंगी, कुछ सीख देंगी, कुछ गूदगूदाएंगी तो कुछ को पढ़ते हुए तुम कल्पना की दुनिया में पहुंच जाओगे। पहली कहानी 'भूल भुलैया' में तुम पढ़ोगे कि अनुज को अपने दोस्तों रहित और विनय के साथ भूल-भुलैया घूमने के दौरान कैसे-कैसे रोमांचक अनुभव होते हैं? सबसे अच्छी बात यह होती है कि पुरस्कार में जीती अपनी राशि से वे, गरीब बच्चों धूलिया और उसके दोस्तों को भूल-भुलैया घूमने के लिए टिकट खरीदकर उन्हें दे देते हैं। शीर्षक कहानी 'जीतने की शर्त' में तुम जुड़वा भाई-बहन प्रांजल और प्रखर की मीठी नोक-झोंक पढ़ोगे। कैसे वे दोनों साइकिल रेंसिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हैं, यह पढ़कर तुम्हें मजा आएगा। 'गौरैया का देश' कहानी में तुम पढ़ोगे कैसे व्यापारी रणवीर चौधरी रास्ता भटक कर गौरैया के देश में पहुंच जाता है? फिर वह ऐसा क्या करता है कि गौरैया की रानी उससे बहुत खुश होगी उसे उसके घर पहुंचा देती है? दो भाइयों आदित्य, विशाल और एक प्यारे से खरगोश की कहानी 'लौटाने की खुशी' में तुम्हें यह सीख मिलेगी कि बिना पूछे किसी की कोई चीज रख लेने से ज्यादा खुशी उसे वापस लौटा देने में मिलती है। किताब की अन्य कहानियां भी बहुत अच्छी और मनोरंजक हैं। इन्हें पढ़कर तुम्हें मजा भी आएगा।*

किताब: जीतने की शर्त (बालकथा संग्रह), लेखिका: उषा सोमानी, मूल्य: 200 रुपये, प्रकाशक: अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

अंतर बताओ

बच्चों, यहां पलॉवर पॉट में फूल अरेज कर रही लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में आठ अंतर हैं। तुम पांच मिनट में इन दोनों चित्रों में आठ अंतर ढूँढकर बताओ।

1.इस लड़की का बालबन्धन दूसरा रंग का है।
2.इस लड़की का बालबन्धन दूसरा रंग का है।
3.इस लड़की का बालबन्धन दूसरा रंग का है।
4.इस लड़की का बालबन्धन दूसरा रंग का है।
5.इस लड़की का बालबन्धन दूसरा रंग का है।
6.इस लड़की का बालबन्धन दूसरा रंग का है।
7.इस लड़की का बालबन्धन दूसरा रंग का है।
8.इस लड़की का बालबन्धन दूसरा रंग का है।
9.इस लड़की का बालबन्धन दूसरा रंग का है।
10.इस लड़की का बालबन्धन दूसरा रंग का है।

नाम पूरा करो

बच्चों, यहां दिए गए प्रत्येक चित्र के बगल में अंग्रेजी में उसका नाम भी लिखा गया है। लेकिन प्रत्येक नाम का पसर्ट लेटर मिसिंग है। तुम हर नाम के नीचे दिए गए सर्कल्स में से सही लेटर चुनकर इन नामों को पूरा करो।

pple
a e c

ird
p b d

at
s b c

og
d b t

5

अस्थायी आराम
Temporary Relief

12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

Dr. Anand's
EYE Mantra
EYE Drops

100% Ayurvedic
Eye Relief Drops

Dr. Anand's
EYE Mantra
EYE Drops

100% Ayurvedic
Eye Relief Drops

आँखों की थकान दूर करने का आसान समाधान

प्रयोग विधि:
2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।

Eye Strain

Eye Dryness

Eye Tiredness

Eye Freshness

Eye Cleanliness

Clinically Tested

24x7 Helpline: 8196822222
www.ayurmantra.com

AYURVEDIC EYE RELIEF DROPS

हाईकोर्ट ने 7000 वर्गफीट जमीन पर शेड को लेकर जनहित याचिका निरस्त की

विधायक-महापौर भी थे पक्षकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने शहर में खुले स्थानों के इस्तेमाल को लेकर दायर जनहित याचिका पर हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवाीजन बेंच ने निर्माण स्थल की तस्वीरों का अवलोकन करने के बाद पाया कि जमीन के छोटे हिस्से में ही निर्माण हो रहा है। कोर्ट ने माना कि यह पक्का निर्माण नहीं है और इससे खुले क्षेत्र की गतिविधियों पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ता। कोर्ट ने कहा कि जनता की सुविधा के लिए किए जा रहे ऐसे कार्य में रिट क्षेत्राधिकार के तहत हस्तक्षेप का आधार नहीं है। इसी के साथ जनहित याचिका निरस्त कर दी।

पुराने गुलौआ तालाब के आगे शिव मंदिर के पास हाकर जौन से लगी करीब 7000 वर्गफीट जमीन को खुला रखने की मांग को लेकर आमप्रकाश तिवारी ने याचिका दायर की थी। इसमें पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक राकेश सिंह और महापौर जगत बाहरि सिंह अन्तः की भी पक्षकार बनाया गया था।



याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि लंबे समय से खाली पड़ी जमीन स्थानीय लोगों के उपयोग में है। यहां पेड़-पौधे हैं और बच्चे, बुजुर्ग तथा महिलाएं इस खुले स्थान का उपयोग करते हैं। आरोप लगाया गया कि करीब 3000 वर्गफीट हिस्से में सामुदायिक भवन का निर्माण शुरू किया जा रहा है, जिससे खुला क्षेत्र प्रभावित होगा। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रोत रूपराह ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि मौके पर स्थायी सामुदायिक भवन नहीं बनाया जा रहा है। प्रशासन ने 24 मार्च, 2026 को अस्थायी शेड निर्माण की स्वीकृति दी है, जिसके लिए 24.46 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। शेड का उपयोग बारिश और गर्मी के दौरान आम जनता के लिए किया जाएगा।

हाईकोर्ट से छिंदवाड़ा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को राहत नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने छिंदवाड़ा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. नरेश गुन्नाड़े को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देश पर निलंबित किए जाने के मामले में राहत नहीं दी। जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने याचिका का निराकरण करते हुए उन्हें पहले विभाग के समक्ष वैधानिक अपील दाखिल करने के निर्देश दिए।

मामला सीमा तुमराग को प्रस्तुति सहायता राशि नहीं मिलने की शिकायत से जुड़ा है। शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर पहुंची थी। मुख्यमंत्री ने आठ अगस्त, 2026 को छिंदवाड़ा प्रवास के दौरान सार्वजनिक रूप से मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निलंबन की घोषणा की थी। इसके बाद डा. गुन्नाड़े को छिंदवाड़ा से करीब 307 किलोमीटर दूर कटनी स्थित

कार्यालय में संलग्न किया गया। याचिकाकर्ता ने निलंबन को चुनौती देते हुए कहा था कि आठ अगस्त को महीने का दूसरा शनिवार और सरकारी अवकाश था। आरोप लगाया गया कि अवकाश के दिन जल्दबाजी और कथित राजनीतिक दबाव में कार्रवाई की गई। सुनवाई में शासन की ओर से उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली ने कहा कि मध्य प्रदेश सविल सेवा नियम के नियम 23 के तहत निलंबन के विरुद्ध विभागीय अपील का वैधानिक प्रविधान है। इसलिए पहले विभागीय उपाय अपनाया जाना चाहिए।

हाई कोर्ट ने डा. गुन्नाड़े को 10 दिन में अपील प्रस्तुत करने और संबंधित विभाग को 60 दिन में उसका विधि अनुसार निराकरण करने का निर्देश दिया।

कोर्ट के आदेश के बाद भी जबलपुर का मास्टर प्लान प्रकाशित नहीं

हाईकोर्ट ने टीएनसीपी कमिशनर को जारी किया अवमानना नोटिस

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर के मास्टर प्लान 2047 को लेकर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट के पूर्व आदेश के बावजूद मास्टर प्लान प्रकाशित नहीं होने पर जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के आयुक्त-कम-संचालक कोशलेंद्र विक्रम सिंह को अवमानना नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई पांच सितंबर को होगी।

मामला क्रेडाई जबलपुर बिल्डर्स एसोसिएशन के दीपक अग्रवाल की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। क्रेडाई की ओर से अधिवक्ता दिनेश कुमार उपाध्याय ने पक्ष रखा। कोर्ट को बताया कि क्रेडाई ने मास्टर प्लान 2047 को लेकर याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट ने 18 अप्रैल 2026 को संबंधित आवेदन पर आठ सप्ताह में निर्णय लेने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ता के अनुसार आदेश की जानकारी संबंधित अधिकारियों को 18 मई 2026 को दे दी गई थी। इसके बावजूद आदेश का पालन नहीं हुआ, जिसके बाद



कन्टेम्प्ट केस दायर किया गया। सुनवाई में बताया गया कि मास्टर प्लान तैयार हो चुका है और उसे राजपत्र में प्रकाशन के लिए भेज जाने की बात भी सामने आई थी। इसके बावजूद मास्टर प्लान प्रकाशित नहीं होने का आरोप लगाया गया। 20 अगस्त की सुनवाई में हाई कोर्ट के समक्ष आदेश के अनुपालन की स्थिति रखी गई। इस पर एकलपीठ ने नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के आयुक्त-कम-संचालक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

आयुर्वेदिक कॉलेज गेट के सामने चाय के टपरे से 11 किलो गांजा सहित 2 गिरफ्तार

जबलपुर। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच और गौरीघाट पुलिस की संयुक्त टीम ने दो आरोपियों को 11 किलो 79 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। जन्त गांजे की कीमत करीब 5 लाख 54 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार 20 अगस्त की रात क्राइम ब्रांच को मुखबिर् से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति पिड्डू बैग में गांजा लेकर आयुर्वेदिक कॉलेज गेट के सामने सोनू चाय के टपरे पर बैठे हैं। सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ा। पूछताछ में उनकी पहचान 26 वर्षीय मनीष कोरी



गांजा कहाँ से लाया गया था और इसे किस सप्लाय किया जाना था।

निवासी गुरुद्वारे के पास गोरखपुर और 52 वर्षीय मदन विश्वकर्मा निवासी कटरा मोहल्ला, पाटन के रूप में हुई। तलाशी के दौरान मनीष के बैग से गांजे के चार बड़े पैकेट और मदन के बैग से तीन बड़े पैकेट बरामद हुए। तौल करने पर कुल वजन 11 किलो 79 ग्राम निकला, जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख 54 हजार रुपये है। पुलिस ने गांजा और तीन मोबाइल जब्त कर दोनों के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि

स्कूटर सहित फ्लाईओवर से नीचे गिरे युवक की मौत

चेरीताल के समीप देर रात बारिश के बीच हादसा

जबलपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत चेरीताल के समीप मदनमहल-दमोहनका फ्लाईओवर पर बुधवार देर रात करीब 1 बजे के लगभग दर्दनाक हादसे में स्कूटर सवार युवक की मौत हो गई। बारिश के बीच स्कूटर अनियंत्रित होने के बाद युवक फ्लाईओवर से नीचे सर्विस रोड पर जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कोतवाली पुलिस ने मृतक की पहचान मदनमहल निवासी प्रमोद दास के रूप में की है। फ्लाईओवर से गुजर रहे कुछ लोगों ने युवक को नीचे पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद मृतक की पहचान की। दुर्घटनास्थल पर एक्टिवा होंडा बुरी तरह



क्षतिग्रस्त हालत में मिला। वाहन का नंबर एमपी 20 एसपी 5066 बताया गया है।

बताया गया है कि प्रमोद पिछले 15-20 वर्षों से करोंदा नाला बायपास स्थित एक शराब दुकान में काम कर रहे थे। घटना की रात जब

वह घर नहीं पहुंचे तो बड़े भाई प्रदीप कुमार दास ने करीब एक बजे उन्हें फोन किया। फोन रिसीव नहीं होने पर परिजनों ने समझा कि वह वाहन चला रहे होंगे। करीब 10-15 मिनट बाद दोबारा फोन करने पर राहगीर और पुलिसकर्मी फोन पर मिले और हादसे की जानकारी दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय बारिश हो रही थी। बारिश हो रही थी मृतक प्रमोद रेन कोट भी पहना था। आशंका है कि इसी दौरान एक्टिवा होंडा का संतुलन बिगड़ने से वह वाहन समेत फ्लाईओवर से नीचे जा गिरे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मामला दर्ज कर हादसे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

8 लाख का माल बरामद

जबलपुर। हनुमानताल पुलिस ने दो शांतिर झपटमार और वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे और निशानदेही से करीब 8 लाख रुपये का चोरी व झपटमारी का माल बरामद किया है। आरोपियों से एक आईफोन, पांच मोबाइल, दो ई-रिक्शा, चोरी की एक्सिस और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार 19 अगस्त को मुखबिर् की सूचना पर मंडी मदार टेकरी कन्निरस्तान स्थित बज्जुखाना के पास दबिश देकर 25 वर्षीय समीर उर्फ कंजा निवासी टेढ़ी नीम, हनुमानताल और

2 शांतिर झपटमार और वाहन चोर गिरफ्तार



22 वर्षीय अविनाश चौधरी निवासी सिंधी कैप, हनुमानताल को पकड़ा गया। तलाशी में समीर के पास आईफोन सहित तीन और अविनाश के पास तीन मोबाइल मिले। पूछताछ में दोनों ने मिलकर घमापुर और कृषि

उपज मंडी क्षेत्र में मोबाइल झपटने तथा थोड़ा नक्कास के पास से एक्सिस चोरी करना स्वीकार किया। इसके अलावा गौरीघाट और विजय नगर क्षेत्र से दो ई-रिक्शा चोरी करना भी कबूल किया।

मोबाइल नहीं लूट पाए तो बाईक लूटकर भागे

जबलपुर। शहर में लूटपाट की घटना तेजी से बढ़ रही हैं। बदमाशों में अब खोफ नहीं रह गया। कल शाम सरेराह माढ़ोताल थाना अंतर्गत पाटन बायपास से कटंगी बायपास की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर गुटखा खाने रुके एक बाईक चालक से बाईक में आए तीन अज्ञात लड़कों ने पहले मोबाइल लूटने की कोशिश की, बाईक चालक डर के मारे दूर गया, उसी दौरान चांबी लगी बाईक लूटकर भाग गए। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मंगेला माढ़ोताल निवासी 26 वर्षीय अभिलाष चक्रवर्ती गत दिवस पाटन रोड स्थित परसराम स्टील दुकान में काम कर अपनी बाईक क्रमोंक एमपी 20 एक्स ई 8443 से अपने घर जा रहा था। शाम लगभग 7.30 बजे पाटन बायपास से कटंगी बायपास की ओर जाने वाली सर्विस रोड जहाँ पर ब्रिज खत्म होता है वहाँ रूककर गुटखा खाने लगा, तभी एक मोटर सायकल में अज्ञात तीन लड़के पीछे से आये और उसके साथ झुमाझपटी कर उसकी गर्दन पकड़ने लगे एक लड़का उसका मोबाइल छुड़ाने लगा तो वह उन्हें धक्का देकर डर के कारण दूर चला गया।

युवा कूटनीति से मजबूत हो रही भारत—वियतनाम मैत्री

एनसीसी का युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम बना नेतृत्व, संस्कृति, रक्षा-शिक्षा और राष्ट्रीय गौरव का संगम

हरिभूमि जबलपुर। भारत और वियतनाम के बीच दशकों पुरानी मैत्री को नई पीढ़ी के स्तर पर मजबूत करने में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हो ची मिन्ह कम्युनिस्ट यूथ यूनियन (HCYU) के साथ आयोजित भारत-वियतनाम युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 10 से 16 अगस्त तक हनौई और न्हा ट्रंग में विभिन्न शैक्षणिक, सैन्य, औद्योगिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 4 एमपी सीटीआर, एनसीसी जबलपुर की लेफ्टिनेंट कर्नल अमृता सिंह ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल दोनों देशों के युवाओं के बीच परिचय बढ़ाना नहीं, बल्कि युवा नेतृत्व, पारस्परिक समझ, सांस्कृतिक संवाद और भारत-वियतनाम मैत्री को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा। विश्वविद्यालय से सैन्य संस्थानों तक संवाद-कार्यक्रम के दौरान भारतीय कैडेटों ने वियतनाम की टेलीकम्युनिकेशन यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा खान होआ प्रांतीय युवा संघ के साथ कार्य रत्न में युवाओं की भूमिका, नेतृत्व और दोनों देशों के संबंधों पर चर्चा हुई। कैडेटों ने खान होआ



सलंगानेस नेस्ट कंपनी और डीटी फूड कंपनी का दौरा कर वियतनाम की अर्थव्यवस्था, स्थानीय उद्यमिता, नवाचार और उत्पादन गतिविधियों को करीब से समझा। वहीं ऐतिहासिक स्थलों और वियतनाम एयर फोर्स

ऑफिसर कॉलेज की यात्रा ने प्रतिनिधिमंडल को वियतनाम की सैन्य एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया। राजनयिक स्तर पर भी मिला सम्मान-कार्यक्रम के दौरान लेफ्टिनेंट कर्नल अमृता सिंह ने वियतनाम में भारत के राजदूत थोरिंग वांगचुक शेरपा से मुलाकात की। वहीं हो ची मिन्ह कम्युनिस्ट यूथ यूनियन की केंद्रीय समिति की सचिव हो होंग गुयेन ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का अभिमान किया। इससे स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच युवा-से-युवा संपर्क को अब केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि इसे द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक रणनीति का हिस्सा बनाया जा रहा है। विदेशी धरती पर तिरंगा, दिखा राष्ट्रीय गौरव-कार्यक्रम का सबसे भावपूर्ण क्षण न्हा ट्रंग में भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव रहा। विदेशी धरती पर भारतीय कैडेटों द्वारा तिरंगा धामक स्वतंत्रता दिवस मनाना भारत के राष्ट्रीय गौरव और अंतरराष्ट्रीय मैत्री का प्रभावी संदेश बना। यह दृश्य इस बात का प्रतीक रहा कि भारतीय युवा अपनी संस्कृति और पहचान पर गर्व करते हुए दुनिया के साथ संवाद और साझेदारी के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

‘युवा राजदूत’ की भूमिका में कैडेट

युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम ने कैडेटों को विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करने का प्रत्यक्ष अनुभव दिया। विभिन्न संस्थानों के दौरे, संवाद, सांस्कृतिक सहभागिता और सैन्य-शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से कैडेटों ने न केवल वियतनाम को समझा, बल्कि भारत की संस्कृति, लोकतांत्रिक मूल्यों और युवा शक्ति को भी सामने रखा। युवा कूटनीति सद्भावना को स्थायी संबंधों में बदलने का माध्यम बन रही है। ऐसे कार्यक्रमों में प्रत्येक कैडेट भारत के एक युवा राजदूत की भूमिका निभाता है।

सॉफ्ट पावर को मिल रहा नया आयाम

एनसीसी का यह कार्यक्रम भारत की सॉफ्ट पावर को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा सकता है। युवा नेतृत्व, सांस्कृतिक समझ, अनुशासन और अंतरराष्ट्रीय संवाद के माध्यम से तैयार हो रही यह पीढ़ी भविष्य में दोनों देशों के संबंधों को नई कड़ी बन सकती है।